

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:336। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 27 जुलाई 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'मन की बात' में प्रधानमंत्री बोले -

'मुझे देश की युवा शक्ति पर बहुत गर्व है'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी होती है कि भारत में ओलंपियाड और हेकेथॉन की संस्कृति निरंतर बढ़ रही है। उन्हें विश्वास है कि देश के अधिक से अधिक युवा ऐसे फोरम में अपनी रूचि दिखाएंगे और भारत का परचम लहराएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने आज 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का सकारात्मक परिणाम आज पूरी दुनिया देख रही है। निजी क्षेत्र द्वारा विकसित भारत के पहले रॉकेट 'विक्रम-1' के सफल प्रक्षेपण ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने इसे भारतीय युवाओं की प्रतिभा, नवाचार, कौशल और धैर्य का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में



भारतीय छात्रों के शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। भौतिकी और रसायन विज्ञान ओलंपियाड में सभी भारतीय छात्रों ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि जीव विज्ञान ओलंपियाड में

● प्रधानमंत्री ने पानी की हर बूँद बचाने की अपील करते हुए कहा कि हम भी अपने आसपास किसी एक तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लें।

भी सभी प्रतिभागियों ने पदक हासिल कर देश का गौरव बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे जीवनभर युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते रहे। उन्होंने आगामी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर माता-पिता, शिक्षकों और सभी गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का आह्वान किया। 'कारगिल विजय दिवस' पर प्रधानमंत्री ने वीर शहीदों और वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और कहा कि ये दिन हमें अपने वीर जवानों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि आज भारत अपने वीर जवानों को याद करने के साथ उनकी विजयगाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाता भी है। इस संबंध में उन्होंने 'शौर्य विजय यात्रा' को याद किया और कहा कि 14 जुलाई को दिल्ली के 'राष्ट्रीय समर समारक' से शुरू हुई यह मोटरसाइकिल यात्रा, द्रास के कारगिल वॉर मेमोरियल तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अपने सैनिकों के साहस के साथ-साथ अपनी तकनीकी क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। रक्षा उत्पादन, रक्षा निर्यात और मित्र देशों के साथ राजनीतिक सहयोग में भारत लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। भारतीय नौ-सेना में आईएनएस महेंद्रगिरि शामिल होना, डीआरडीओ ने पिनाका लॉंग रेंज गाइड रोकेट का सफल परीक्षण देश की आत्मनिर्भरता की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है।

'मन की बात' जनभागीदारी का सशक्त माध्यम'

विकसित भारत के संकल्प को मिल रही नई ऊर्जा : नितिन नवीन

एजेंसी

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के कदमकुआं मंडल स्थित बरनवाल भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देश के करोड़ों लोगों को एक साझा उद्देश्य से जोड़ने वाला सशक्त जन-आंदोलन बन चुका है, जो प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी एवं विधान परिषद सदस्य संजय मयूख, विधान परिषद सदस्य तरुण कुमार, प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी अमित प्रकाश बबलू, वार्ड पार्षद आशीष सिन्हा, मंडल अध्यक्ष अनिकेत कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, स्थानीय प्रतिभाओं और जनभागीदारी से जुड़े प्रेरणादायी प्रयासों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि इससे समाज में सकारात्मक कार्य करने वाले लोगों को नई ऊर्जा और प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री ने 'कैच द रेन' अभियान के माध्यम से जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया, उसी प्रकार इस बार खादी और हैंडलूम को बढ़ावा देने का उनका आह्वान देश के पारंपरिक उद्योगों और कारीगरों के लिए नई संभावनाएं लेकर आएगा।

● बांकीपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं संग नितिन नवीन ने सुना 'मन की बात'



सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का किया ऐलान

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने अपने चुनावी राजनीतिक जीवन को विराम देने के निर्णय की घोषणा कर दी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक विस्तृत पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा कि आज राजनीति का वातावरण काफी प्रदूषित हो चुका है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि अब चुनावों में उम्मीदवारों को मतदाताओं को धन देना पड़ता है। इसी कारण उन्होंने भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे और जनसेवा जारी रखेंगे।



बिहार में जब नए ज़िले बनेंगे, तब उनमें 'बाढ़' को भी शामिल किया जाएगा: ललन सिंह

पटना। केंद्रीय मंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने रविवार को बाढ़ में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में कहा कि बिहार में जब भी नए जिलों के गठन का निर्णय लिया जाएगा, उसमें बाढ़ को जिला बनाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के एजेंडे पर लगातार काम कर रही है और भविष्य में भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ललन सिंह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य सरकार आगे भी आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देती रहेगी। इसी क्रम में उन्होंने बाढ़ को जिला बनाने की लंबे समय से चली आ रही मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि जब भी राज्य में नए जिलों के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी, तब बाढ़ के संबंध में भी निर्णय लिया जाएगा।



मणिपुर में पांच उग्रवादी और दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और नशीले पदार्थ जब्त

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में राज्य भर में चलाए गए अलग-अलग अभियानों के दौरान अलग-अलग विद्रोही संगठनों से जुड़े पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को बताया कि भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया और दो ड्रग तस्करों को पकड़ा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच उग्रवादी कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी, कांगलेई यावोल कन्ना लुप और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट से जुड़े हैं। ये उग्रवादी किडनैपिंग और जबरदस्ती फिरौती वसूलने जैसी कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। इन्हें इंफाल ईस्ट, काकचिंग और थोउबल जिलों में अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि थोउबल जिले के थोउबल बाजार से यूएनएलएफ के दो एक्टिव सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। शुरुआती जांच से पता चला कि ये दोनों प्रतिबंधित संगठन के लिए नए सदस्य भर्ती करने में शामिल थे।

सीएम नायडू ने टीडीपी कार्यकर्ताओं को दिया घर-घर पहुंचने का निर्देश, गठबंधन सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाने पर जोर

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने पार्टी कार्यकर्ताओं से राज्य में गठबंधन सरकार की दो वर्षों की उपलब्धियों को हर घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को बताएं कि सरकार ने चुनाव के दौरान किए गए वादों को किस तरह पूरा किया। सोमवार से पूरे राज्य में शुरू होने वाले 45 दिवसीय डोर-टू-डोर अभियान से पहले मुख्यमंत्री ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक की। इस दौरान उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए और कहा कि मंत्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सहित पूरी पार्टी मशीनरी इस अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा ले। सीएम नायडू ने कहा कि जिस तरह चुनाव के समय कार्यकर्ता घर-घर जाकर वोट मांगने और पार्टी के वादों को समझाने गए थे, उसी तरह अब लोगों को यह बताना जरूरी है कि गठबंधन सरकार अपने वादों को पूरा कर रही है। यदि जनता के मन में कोई सवाल या संदेह हो, तो उसे सरल भाषा में दूर किया जाए।

'विदेशी ताकतें रच रहीं षड्यंत्र'

योगी बोले- सोशल मीडिया की अफवाहों से युवा को बचाएं | शिक्षकों से अपील

एजेंसी

आगरा। दिल्ली के जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शनों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आगरा के डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय के समारोह में शिक्षकों से कहा कि भारत की प्रगति से चिढ़ने वाली विदेशी ताकतें अत्याधुनिक तकनीक और विदेशी फंड का दुरुपयोग कर समाज में अफवाहें फैलाकर विद्वेष व अव्यवस्था फैलाने का षड्यंत्र रच रहीं हैं।

उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों का आह्वान किया कि वे ढाल बनकर युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया की भ्रामक सूचनाओं से बचाएं और उन्हें राष्ट्र प्रथम के मार्ग पर लाएं। दरअसल, नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में छात्रों का आंदोलन जारी है। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन और उस पर हुए लाठीचार्ज के बाद भाजपा सरकार की छवि पर असर पहुंचा है। मौजूदा राजनीतिक माहौल में मुख्यमंत्री योगी ने युवाओं के दिग्भ्रमित होने पर चिंता जताते हुए खंदारी स्थित शिवाजी मंडपम सभागार में कहा कि आज करीब 60 फीसदी युवा स्मार्टफोन और यूट्यूब के जरिए दुनिया को समझ रहे हैं।

न्होंने कहा कि सोशल मीडिया और गुमनाम प्लेटफॉर्म पर परोसे जा रहे असत्यापित कंटेंट को युवा सच मान बैठते हैं, जिससे समाज अराजकता का शिकार हो रहा है। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे छात्रों को सत्य और झूठ का भेद बताएं। गूगल पर मौजूद हर सामग्री प्रामाणिक नहीं होती, इसलिए युवाओं को वापस पुस्तकालयों और संदर्भ ग्रंथों की ओर मोड़ना शिक्षकों की जिम्मेदारी है।



डिग्री बांटने के केंद्र न रहें विश्वविद्यालय, बनें शोध केंद्र

कार्यक्रम के दौरान प्राचीन तक्षशिला विश्वविद्यालय और विख्यात वैद्य जीवक का दृष्टांत देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय परंपरा में गुरु की भूमिका योजक की होती है, जो छात्रों की सोई हुई योग्यताओं को उभारता है। सीएम ने स्पष्ट किया कि जब भी भारत अपने स्वर्ण युग की ओर बढ़ता है, विदेशी हमले तेज हो जाते हैं। ऐसे में हमारे विश्वविद्यालय केवल डिग्री बांटने के केंद्र न रहें, बल्कि वे नवाचार, शोध और राष्ट्रभक्ति के ऐसे मजबूत दुर्ग बनें जो दिग्भ्रमित समाज को सकारात्मक दिशा दे सकें। समारोह में कुलपति आशु रानी, केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो एसपी सिंह बघेल, उच्च शिक्षामंत्री मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, प्रभारी मंत्री भूपेंद्र चौधरी, सांसद राजकुमार चाहर आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

छपरा हिंसा के बाद पुलिस अलर्ट

● ड्रोन-सीसीटीवी से 350 उपद्रवियों की हुई पहचान, जल्द होगी गिरफ्तारी

एजेंसी

छपरा । सारण जिला मुख्यालय छपरा समेत जिले के अन्य प्रखंडों में 25 जुलाई को बंद और प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, आगजनी, पथराव तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं के बाद जिला प्रशासन और सारण पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की विशेष टीम घटनास्थलों से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी में जुटी हुई है। छपरा के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए आईटीबीपी, एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई है। टीम ड्रोन कैमरों से मिले वीडियो, शहर के विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, मीडिया कर्मियों द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो तथा जिला प्रशासन के वीडियो का गहन विश्लेषण कर रही है। अब तक करीब 350 लोगों की पहचान की जा चुकी है, जबकि अन्य संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी है।



पाकिस्तान के साथ अब कोई भी बातचीत सिर्फ पीओके पर फोकस होगी : राजनाथ

भारतीय सेना के योद्धा बेजोड़, कारगिल में दी गई कुर्बानी पीढ़ियों को प्रेरित करेगी: सेना प्रमुख इतिहास

पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत सिर्फ़ पीओके पर फोकस होगी।

एजेंसी

द्रास। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को 27वें कारगिल विजय दिवस पर द्रास से देश को संबोधित किया। उन्होंने फिर से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की हर हरकत का जवाब देने के भारत के इरादे और काबिलियत को दिखाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत सिर्फ़ पीओके पर फोकस होगी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत तरक्की के लिए खड़ा है, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि 'यह दिल मांगे मोर' की भावना अब डिफेंस में आत्मनिर्भरता और विकसित भारत 2047 के विज़न की



ओर भारत के कदम को आगे बढ़ा रही है। कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संप्रभुता के विरुद्ध हर घृणित कृत्य का उसी दृढ़ता से जवाब से दिया जाएगा, जिस दृढ़ जवाब से भारतीय रक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को अद्वितीय वीरता के साथ दिया था। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान में सेना और आतंकवादियों के बीच का अंतर मिट चुका है, क्योंकि पाकिस्तान ने आतंकवाद को अपनी राज्य नीति का हिस्सा बना लिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना न केवल आतंकवादी संगठनों को शरण देती है, बल्कि उनके साथ मिलकर काम भी करती है। इसीलिए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने यह स्पष्ट कर दिया था कि भारत अब आतंकवादियों और उन्हें बढ़ावा देने वाली सरकारों को अलग-अलग इकाई के रूप में नहीं देखता।

कछार में इंडस्ट्रियल यूनिट में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट

चार मजदूरों की मौत | कई अन्य घायल

एजेंसी

कछार (असम)। असम के कछार जिले में रविवार को एक औद्योगिक इकाई में एलपीजी सिलेंडर में हुए विस्फोट में कम से कम चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह हादसा उधारबंद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पानग्राम स्थित खादी रोड इंडस्ट्रीज में हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, एलपीजी सिलेंडर में हुआ विस्फोट इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और आसपास का इलाका दहल उठा। धमाके के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भी दहशत फैल गई ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। बचावकर्मियों ने घायलों को मलबे और प्रभावित क्षेत्र से निकालकर तत्काल इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा। चिकित्सकों की टीम गंभीर रूप से घायल मजदूरों का उपचार कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, कुछ घायलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। घटना के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जांच में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए पुलिस ने फैक्ट्री के मुख्य प्रवेश द्वार को सील कर दिया। कछार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। मृतक मजदूरों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।



महाराष्ट्र-ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट: असम में बाढ़ से 7 लाख लोग प्रभावित, 66 मौतें

● हिमाचल में लैंडस्लाइड से 134 सड़कें बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1फीसादी कम है। उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में तेज बारिश की संभावना है। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश होगी। इधर, असम में बाढ़ के हालात अब भी गंभीर हैं। अब तक 66 की मौत हो चुकी है। 7 लाख से ज्यादा लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं।

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से 134 सड़कें बंद हैं। 4 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, बिहार के 17 जिलों में यलो अलर्ट है। इन जिलों में 40-50द्मद्बश्चद्ध की रफ्तार से हवा चल सकती है। मध्य प्रदेश के शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी,

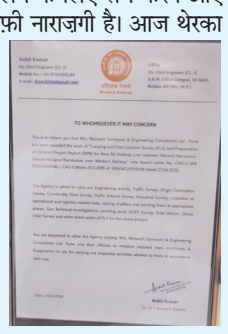


मंडला और बालाघाट में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश का अलर्ट है। इन जिलों में 4 इंच या उससे ज्यादा बारिश हो सकती है। उत्तराखंड में आज मानसून सक्रिय है। देहरादून, उत्तरकाशी, नैनीताल और पिथौरागढ़ में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। सभी पर्वतीय जिलों में बिजली गिरने और तेज बारिश की चेतावनी है। छत्तीसगढ़ के कोरबा में धान की रोपाई के दौरान खेत में बिजली गिरने से 3 किसानों की मौत हो गई। हादसे के वक्त 25-30 किसान खेत में काम कर रहे थे। यूपी की गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। घाघरा और शारदा समेत 4 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बलिया में एक सरकारी स्कूल और मकान सरयू नदी में समा गया, जबकि गोंडा में 100 बीघे से ज्यादा फसल डूब गई। बिहार के 17 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। 29 जुलाई तक बारिश की संभावना है। बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

रेलवे सर्वे के नाम पर ज़मीन नापने आए सर्वेक्षकों का थेरका में आदिवासी समुदाय ने ज़ोरदार विरोध किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। झालोद तालुका के थेरका गाँव में रेलवे के लिए सर्वे करने आए सर्वेक्षकों को लेकर आदिवासी समुदाय में काफ़ी नाराज़गी है। आज थेरका गाँव के आदिवासी समुदाय के लोग पंच कृष्ण मुकाम पर इकट्ठा हुए और बैठक कर रेलवे सर्वे का खुलकर विरोध किया। आदिवासी समुदाय के लोगों का कहना है कि उनकी ज़मीन उनके परिवार के लिए रोज़गार और जीविका का मुख्य स्रोत है। ऐसे में समाज में यह भावना है कि विकास के नाम पर बार-बार गरीब आदिवासी किसानों की ज़मीन पर नज़र डाली जा रही है। ग्रामीणों और आदिवासी समुदाय के बीच यह सवाल उठ रहा है कि पहले कॉरिडोर, एयरपोर्ट और GIDC जैसे विभिन्न प्रोजेक्ट्स के नाम पर आदिवासी समुदाय की ज़मीनें ली गईं, और अब रेलवे के नाम पर गरीब किसानों की ज़मीन छीनने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों का साफ़ कहना है कि, 'अगर विकास के नाम पर गरीब आदिवासी किसानों की ज़मीन छीनी गई और उन्हें अपनी ही ज़मीन से बेदखल किया गया, तो पूरा समाज एकजुट होकर इस अन्याय के ख़िलाफ़ लड़ेगा।' सरकारी पत्र के अनुसार, नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद-अलीराजपुर-नंदुरबार के बीच नई दूसरी रेलवे लाइन के लिए फ़ाइनल लोकेशन सर्वे (FLS) और डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने का काम M/s मोनार्क सर्वेयर्स एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स लिमिटेड, पुणे को सौंपा गया है। इस काम में इंजीनियरिंग गतिविधियाँ, ट्रैफ़िक सर्वे, ओरिजिन-डेस्टिनेशन सर्वे, कमोडिटी फ़्लो सर्वे, ट्रैफ़िक वॉल्यूम सर्वे, इंडस्ट्रियल सर्वे और ऑपरेशनल व लॉजिस्टिक्स से जुड़ी जानकारी इकट्ठा करना शामिल है। इसके अलावा, सरकारी पत्र में FLS से जुड़े अन्य कामों के बारे में भी जानकारी दी गई है, जैसे कि पिलर बनाना और उन्हें सही जगह पर लगाना, जियो-टेक्निकल जांच, लेवलिंग, DGPS सर्वे, टोटल स्टेशन और ड्रोन लिडार सर्वे। ग्रामीणों के अनुसार, यह बात सामने आई है कि इलाके की ज़मीन का सर्वे और नाप-जोख ड्रोन जैसे आधुनिक उपकरणों से किया गया है। इससे किसानों में चिंता और गुस्सा बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है, 'हमारी मंजूरी के बिना हमारी ज़मीन पर कोई भी सर्वे या नाप-जोख करना हमें मंजूर नहीं है।' आज पंच कृष्ण मुकाम पर हुई बैठक में थेरका गाँव के आदिवासी समुदाय ने एकमत होकर विरोध जताया। ग्रामीणों ने साफ़ कहा, 'गरीब आदिवासी अपनी हक़ की ज़मीन का एक इंच भी नहीं देंगे। ज़मीन ही हमारा रोज़गार, जीवन और आने वाली पीढ़ी का भविष्य है। किसानों का कहना है कि अगर ज़मीन ले ली गई, तो खेती पर निर्भर परिवारों के रोज़गार का मुख्य ज़रिया छिन जाएगा।





सीएम आए लेकिन सिर्फ़ बड़े बंगलों में घूमते रहे!' महिला रो पड़ी, बोपल में नाव की सवारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के पॉश इलाके बोपल से जो तस्वीर सामने आई है, वह शासकों और प्रशासन के मुंह पर तमाचा मारने जैसी है। बारिश भले ही रुक गई हो, लेकिन बोपल की महंगी सोसायटियों और करोड़ों रुपये के बंगलों में अभी भी घुटने तक पानी भरा है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि सड़कों पर कारों की जगह नाव चलानी पड़ रही है हालात का जायजा लेने आए मुख्यमंत्री के दौरे के बाद स्थानीय नागरिकों में काफी गुस्सा है। ग्राउंड रिपोर्टिंग के दौरान एक स्थानीय महिला कैमरे के सामने रो पड़ी। महिला ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री आए, लेकिन उन्होंने सिर्फ़ बड़े VIP बंगलों और अच्छी सुविधाओं वाली सोसायटियों का दौरा किया। मध्यम वर्ग और आम लोगों के घरों में जहां पानी घुस गया है, जहां हालात किसी नर्क से कम नहीं हैं, वहां कोई देखने वाला तक नहीं है! आम नागरिकों का गुस्सा इस बात पर है कि वीआईपी नेता और अधिकारी सिर्फ़ कागजों पर काम करते हैं और खास इलाकों में कैमरों के सामने फोटो खिंचवाते हैं, जबकि असलियत में किसी में भी सीढ़ियों से नीचे उतरकर पानी में जाने की हिम्मत नहीं होती। बोपल के परेशान निवासी अब प्रशासन के खिलाफ़ गुस्से में हैं। करोड़ों रुपये का होम लोन और मेंटेनेंस भरने वाले निवासियों का कहना है, 'जब AMC और शासक हमें बुनियादी सुविधाएं या बारिश का पानी निकालने के सही इंतजाम नहीं दे सकते, तो उन्हें हमसे करोड़ों रुपये का टैक्स वसूलने का क्या हक है? जिस तरह पहले सूरत में बाढ़ के दौरान नागरिकों को राहत और टैक्स में छूट दी गई थी, उसी तरह अहमदाबाद के इन प्रभावित इलाकों के निवासियों के लिए इस साल का म्युनिसिपल टैक्स पूरी तरह माफ़ करने की ज़ोरदार मांग की जा रही है। बोपल में, जहां बिल्डरों ने अहमदाबाद का 'पॉश और महंगा' इलाका बताकर करोड़ों रुपये में बंगले और फ्लैट बेचे थे, आज वहां सीवर और बारिश का पानी मिल गया है। नाव का सहारा: बारिश रुकने के बाद भी पानी कम होता नहीं दिख रहा है। लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने के लिए बचाव नावों का सहारा लेना पड़ रहा है। स्वास्थ्य का बड़ा खतराद्व घरों और सोसायटियों में गंदे पानी के कारण महामारी फैलने का डर है। अगर कुछ घंटों की बारिश में ही करोड़ों रुपये के बंगलों वाले इलाकों का यह हाल है.



अहमदाबाद में जनता के टैक्स के पैसे के साथ किसने खिलवाड़ किया?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें, कागजों पर हजारों करोड़ के वादे और दावे! लेकिन कुछ घंटों की बारिश ने अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है और उसे सड़कों पर ला खड़ा किया है। पॉश इलाकों में करोड़ों रुपये के बंगलों में सीवेज और बारिश का पानी घुस गया है। नागरिक पूछ रहे हैं कि 18,500 करोड़ रुपये के सालाना बजट वाला शहर इतनी जल्दी झील में कैसे बदल गया? अहमदाबाद के लोग हर साल ईमानदारी से करोड़ों रुपये का टैक्स देते हैं। लेकिन बदले में उन्हें क्या मिलता है?

कमजोर पुल और भ्रष्टाचार: कभी करोड़ों रुपये की लागत से बने पुलों में दरारें आ जाती हैं, तो कभी वे ढह जाते हैं।

सड़कों और सीवर की खराब हालत: नेटवर्क और ड्रेनेज सिस्टम जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पूरा शहर पानी में डूबा हुआ है।

सवाल यह है कि 18,500 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आखिर कहां इस्तेमाल हो रहा है? क्या लोगों की मेहनत की कमाई का इस्तेमाल पानी की निकासी के लिए नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के गहरे गड्ढों को भरने के लिए किया जा रहा है? AMC में सालों से एकतरफा सत्ता का आनंद ले रहे शासकों और अधिकारियों के खिलाफ जनता का गुस्सा अब चरम पर है। स्थानीय लोग खुलेआम आरोप लगा रहे हैं

खाकी का खौफ खाकी, खाकी करप्ट!

क्या अब ACB की एंट्री से भूकंप आएगा? 10 साल से बना अड्डा, हर महीने करोड़ों की वसूली और बूटलेगर्स के टुकड़ों पर बैंकॉक-दुबई जलसा! रेंज IG तक शिकायत पहुंची

तापी-व्यारा में LCB ASI बिपिन चौधरी और बूटलेगर्स का 'डोंगरी सिंडिकेट' पकड़ा गया



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

तापी-व्यारा। गांधी के गुजरात में कागजों पर शराबबंदी के नाम पर जनता को बेवकूफ बनाने वाले करप्ट सिस्टम का सबसे डरावना और काला चेहरा तापी-व्यारा जिले में सामने आया है। 'महानगर मेट्रो न्यूज़' की धमाकेदार ग्राउंड रिपोर्ट ने एक ऐसा बड़ा, खदबदाता खुलासा किया है, जिसने गांधीनगर के होम डिपार्टमेंट से लेकर रेंज द्वत के ऑफिस तक सब कुछ हिला दिया है। तापी जिले को करप्ट पुलिस अफसरों और बूटलेगर्स ने जबरन वसूली और काले धंधे का 'अड्डा' बना दिया है।

LCB ASI बिपिन चौधरी: 10 साल से एक ही अड्डे पर 'सल्तनत', 60-70 लाख की महीने की किश्तें!

इस पूरी करप्ट चेन का मास्टरमाइंड और SP का 'लाडला' माना जाने वाला LCB ASI बिपिन चौधरी पिछले 10 साल से एक ही जिले में बैठकर अपनी ज़मीन जमा रहा है। जैसे सरकारी नियमों के हिसाब से ट्रांसफर के कानून इस साहब के लिए रद्द हो गए हों, वे बिना किसी रोक-टोक के राज कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, तापी जिले से गुज़रने वाले शराब के कंटेनरों और गैर-कानूनी रूप से चल रही केमिकल वाली देसी शराब की भट्टियों से हर महीने करोड़ों रुपये इकट्ठा किए जाते हैं। संजू दाढ़ी, हेमंत बैटरी, विजय सायन, नितिन और रुस्तम सोनगढ़ जैसे नामी बूटलेगरों से 60 से 70 लाख रुपये महीने की किश्तों का खेल होता है। सूरत तक शराब पहुंचाने के लिए पुलिस की अपनी रोड पेट्रोलिंग इन बूटलेगरों के कंटेनरों को 'खास सुरक्षा' देती है!

शराब से काली कमाई पर 'बैंकॉक-दुबई' जलसा!

अभी तक 10 दिन की लग्ज़री दुबई ट्रिप पर सवाल उठ रहे थे, लेकिन अब एक बड़ा खुलासा हुआ है कि ये आदमी बैंकॉक घूमने भी गया है! और यह पहली बार नहीं है–वो पहले भी बैंकॉक की लग्ज़री ट्रिप कर चुका है! सबसे बड़ा सवालः एक आम ASI लेवल के एम्प्लॉई के पास बैंकॉक और दुबई की महंगी ट्रिप करने के लिए पैसे कहाँ से आए? क्या यह विदेशी बूटलेगरों का गिरोह 'ब्लैक मनी' से स्पॉन्सर किया गया था?

SP जशु देसाई का 'मुझे कुछ नहीं पता' वाला स्टाइल और LCB PI की कन्फ्यूजिंग चुप्पी

जब 'महानगर मेट्रो न्यूज़' ने इस मामले में तापी डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ जशु देसाई से कॉन्टैक्ट किया, तो उन्होंने 'मुझे कुछ नहीं पता, मैं इसकी जांच करवाऊंगा' जैसा खोखला बचाव किया और बाद में फोन उठाना बंद कर दिया! LCB PI भी चुप रहा। यह चुप्पी ही साबित करती है कि इस स्कैम में ऊपर से नीचे तक सभी फ्रंट शामिल हैं।

रेंज द्वत को डायरेक्ट सबमिशनः अब

फैसला आ गया है!

तापी में चल रही केमिकल वाली देसी शराब की भट्टियां एक बड़े स्कैंडल को न्योता दे रही हैं। अगर किसी बेगुनाह की जान चली जाती है, तो क्या SP या ये वहीवटदार ज़िम्मेदारी लेंगे? इस गंभीर मामले को ध्यान में रखते हुए, पूरे मामले की रिपोर्ट सीधे रेंज IG को दे दी गई है! सबकी नज़रें इस बात पर हैं कि क्या होम मिनिस्टर के 'ज़ीरो टॉलरेंस' के दावों को खुली चुनौती देने वाले इस वहीवटदार के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

महानगर मेट्रो न्यूज़' की सरकार और होम डिपार्टमेंट से मांगें

1. **ACB रेड और प्रॉपर्टी की जांच:** ASI बिपिन चौधरी की पिछले 10 सालों की सभी चल-अचल प्रॉपर्टी, बैंक अकाउंट और बेनामी प्रॉपर्टी पर तुरंत एंटी-करप्शन ब्यूरो से रेड करके जांच करवाई जाए।

2. **बैंकॉक-दुबई ट्रिप की जांच:** पिछली बैंकॉक ट्रिप और हाल की दुबई ट्रिप के लिए किसकी परमिशन ली गई थी? इसकी फंडिंग का सोर्स क्या था? इसकी स्पेशल विजिलेंस जांच होनी चाहिए।

3. **SP और LCB PI के खिलाफ जांच कमेटी:** डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ जशु देसाई और LCB PI के कुछ न करने और मामले को दबाने के मामले में रेंज IG एक हाई-लेवल जांच कमेटी बनाएं।

4. **सिंडिकेट बूटलेगरों PASA;** संजू दाढ़ी, हेमंत बैटरी, विजय सायन, नितिन और रुस्तम सोनगढ़ जैसे सभी बूटलेगरों को जेल में डाला जाए और PASA (PASA) के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

महानगर मेट्रो न्यूज़ इस मामले को निष्पक्षता और निडरता के साथ आखिरी नतीजे तक ले जाएगा। अब देखना यह है कि रेंज IG और ACB इस भ्रष्ट वहीवटदार का बेस उखाड़ेंगे या 'सबका हिस्सा' कहकर उन्हें एक्सपोज करेंगे!

बनासकांठा LCB की बड़ी कार्रवाई: पालनपुर से इनोवा गाड़ी में 6.95 लाख की विदेशी शराब की तस्करी

अंधेरे का फ़ायदा उठाकर ड्राइवर भागा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर / बनासकांठा। गुजरात सरकार की शराबबंदी को लेकर 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति के तहत, बनासकांठा पुलिस राजस्थान सीमा से होने वाली अवैध शराब तस्करी पर कड़ी नज़र रख रही है। बनासकांठा रेंज की द्वत परीक्षिता राठौड़ और ज़िला पुलिस प्रमुख श्री प्रशांत सुंबे के कड़े निर्देशों पर, LCB बनासकांठा की टीम ने पालनपुर शहर के ईस्ट पुलिस स्टेशन इलाके में इनोवा गाड़ी से तस्करी की जा रही बड़ी मात्रा में इंडियन-मेड विदेशी शराब ज़ब्त की है और शराबबंदी के एक बड़े मामले का पर्दाफ़ाश किया है। मिली जानकारी के अनुसार, LCB पुलिस इंस्पेक्टर डी. एम. राठौड़ और PSI आर. बी. जडेजा और श्री जे. एस. गढ़वी के मार्गदर्शन में बनी टीमों ने इलाके में गश्त और नाकाबंदी की हुई थी। इसी दौरान मिली पक्की जानकारी के आधार पर, LCB टीम ने पालनपुर गजानंद टाटा शोरूम के सामने पुल के पास हाईवे



पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान, एक संदिग्ध इनोवा गाड़ी वहाँ पहुँची और पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। लेकिन गाड़ी रोकने के बजाय, ड्राइवर ने गाड़ी पूरी रफ़्तार से भगा दी। LCB टीम ने तुरंत गाड़ी का पीछा किया। पुलिस को पीछे आते देख, ड्राइवर ने नए ऋक्षह ऑफ़िस से थोड़ी आगे सड़क पर इनोवा गाड़ी छोड़ दी और अंधेरे का फ़ायदा उठाकर भाग गया।

कुल 6.95 लाख का सामान ज़ब्त

पुलिस ने छोड़ी हुई इनोवा गाड़ी की तलाशी ली और बिना पास-परमिट वाली इंडियन-मेड विदेशी शराब की कुल 98 बोतलें बरामद कीं।

आपराधिक साज़िश का पर्दाफ़ाश, मामला दर्ज

राजस्थान से गुजरात विदेशी शराब की तस्करी की बड़ी आपराधिक साज़िश रचने वाले एक अज्ञात ड्राइवर के खिलाफ़ निषेध कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह ड्राइवर पालनपुर सिटी ईस्ट पुलिस स्टेशन के इलाके में नाकेबंदी के दौरान गाड़ी छोड़कर भाग गया था। LCB पुलिस फ़रार आरोपी की तलाश कर रही है।

सूरत के कारगिल चौक पर कारगिल विजय दिवस धूमधाम से मनाया गया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। 'कारगिल विजय दिवस' उन बहादुर सैनिकों की वीरता और बलिदान को याद करने का दिन है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इस पवित्र और गौरवशाली अवसर पर, सूरत शहर के कारगिल चौक पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भारतीय सेना के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और उनकी अद्वितीय वीरता को नमन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य बीजेपी नेता जगदीश पांचाल विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने कारगिल चौक स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले अमर नायकों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर माहौल 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से गूंज उठा। शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ, उन पूर्व सैनिकों का भी विशेष सम्मान किया गया जिन्होंने देश की सीमाओं पर अपनी जवानी समर्पित की और मातृभूमि की रक्षा की। जगदीश पांचाल ने पूर्व सैनिकों को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनकी सेवाओं का सम्मान किया और देश के प्रति उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए और पत्रकारों से बातचीत करते हुए जगदीश पांचाल ने कहा, हमारी सुरक्षा, शांति और समृद्धि के लिए प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों का बलिदान केवल एक घटना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का एक अमर स्रोत है। कारगिल युद्ध में विपरीत परिस्थितियों में भी हमारे सैनिकों द्वारा दिखाई गई वीरता के लिए पूरा देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। सूरत के कारगिल चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय नेता, कार्यकर्ता, पूर्व सैनिकों के परिवार और बड़ी संख्या में देशभक्त नागरिक उपस्थित थे। सभी ने शहीद सैनिकों की अमर गाथा को याद किया और देश के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई।

बालिका अंडर 17 और बालक अंडर 14 टीम भी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

बालिका अंडर 19 और अंडर 14 बास्केटबॉल टीम सीबीएसई क्लस्टर बास्केटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल एकेडमी राजनांदगांव की बालिका बास्केटबॉल खिलाड़ियों से सज्जीत दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की बालिका अंडर 19 एवं अंडर 14 की बास्केटबॉल टीम सीबीएसई क्लस्टर बास्केटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंच गई है। स्कूल की बालिका अंडर 17 टीम और बालक अंडर 14 टीम भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर गई है। क्वार्टर फाइनल मैच आज रात में खेलें जायेंगे जबकि फाइनल मैच कल खेलें जायेंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की प्राचार्या ने बताया कि बालिका 14 वर्ष से कम आयु वर्ग की टीम ने कृष्णा पब्लिक स्कूल रायपुर की टीम को 29-02 अंकों से, दिल्ली पब्लिक स्कूल बिलासपुर को 29-04 से परास्त कर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि 19 वर्ष से कम उम्र की बालिका टीम ने दिव्या आर्य पब्लिक स्कूल आसनसोल की टीम को 43-04 अंको से, दुसरे मैच में ओडीएम इंटरनेशनल स्कूल दुर्गापुर से वॉक्ओवर मिला अपन अगले मैच में डी ए वी पब्लिक स्कूल आसनसोल को 43-07 से परास्त कर फाइनल में प्रवेश किया। दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की की बालिका 17 वर्ष से कम उम्र की बालिका टीम ने विक्षासन जैन विद्यापीठ दुर्ग को 55-00 से, हॉलीक्रास हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर को 34-06 अंको से परास्त कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि बालक 14 वर्ष से कम उम्र की टीम ने डीएवी पब्लिक स्कूल आसनसोल को 25 - 04,विक्षासन जैन विद्यापीठ दुर्ग



को 34-04 अंको से परास्त कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की बालिका 14 वर्ष से कम उम्र की टीम :- दर्शना भष्टाचार्जी, मोनिका धाकड, पावनी कोडापे, निधी बंधे, शगुन, जीया हांडे, शेरोन मसीह, छवि साहु, निधी गावडे, चोसिका जुरी, वरुनी शोरी टीम के कोच कालवा राजेश्वर राव, सहायक कोच मोहन साहु, एवं नेहाली देवांगन है।

बालिका 17 वर्ष से कम उम्र की टीम :- सौम्या पांडे, आर्या विजय अवारे, रूमी कोनवर, प्राची सिंह, नंदनी माधो प्रधान, बिनायशा सोनी, अशिका तोमर, इशिका साहू, निवासीनी सिंह, हर्षिता लाहकर, तृप्ति साहु कोच कालवा राजेश्वर राव, सहायक कोच मोहन राम साहु और मेनेजर नेहाली देवांगन है ।

बालिका 19 से कम उम्र :- अंजनी, अदिति कोडापे, अंजली कोडापे, सौफी सिका, काम्या झा, प्रेरणा रामटेके, सुरूची टोप्पो, तिक्षा कंवर, गुरकिरत कौर, वैदनी दिवान, गुंजन सौना, निधी निराला कोच कालवा राजेश्वर राव, सहायक कोच मोहन राम साहु मेनेजर नेहाली देवांगन है बालक 14 वर्ष से कम उम्र :- हर्ष अग्रवाल, कमल नयन, गुलजार, निखिल कुमार, दिशांता सिंह, शिव प्रताप, प्रतिक महिलांगे, कोमल धाग्ये, तुषार कुमार, भावेश कुमार, सुजल चौहान, कोच के.राजेश्वर राव, सहायक कोच मोहन राम साहु मेनेजर नेहाली देवांगन ।

धर्मेंद्र प्रधान से पहले के तीन पूर्व मंत्री कैबिनेट से बाहर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। केंद्रीय राजनीति और मोदी कैबिनेट में शिक्षा मंत्रालय का इतिहास अनोखा और दिलचस्प रहा है। अभी धर्मेंद्र प्रधान यह अहम ज़िम्मेदारी संभाल रहे हैं, लेकिन उनसे पहले शिक्षा मंत्री रहे तीन नेताओं को लेकर राजनीतिक गलियारों में एक दिलचस्प चर्चा ज़ोर पकड़ रही है। खास बात यह है कि धर्मेंद्र प्रधान से पहले शिक्षा मंत्री रहे सभी नेता, इस पद से हटने के कुछ ही सालों के भीतर अलग-अलग वजहों से केंद्रीय कैबिनेट से भी बाहर हो गए। मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में शिक्षा मंत्रालय की ज़िम्मेदारी संभालने वाले नेताओं में स्मृति ईरानी, ??प्रकाश जावड़ेकर और रमेश पोखरियाल 'निशंक' शामिल हैं। शुरुआत में स्मृति ईरानी ने मानव संसाधन विकास मंत्री के तौर पर कार्यभार संभाला। बाद में यह मंत्रालय प्रकाश जावड़ेकर के पास आया और फिर रमेश पोखरियाल 'निशंक' शिक्षा मंत्री बने। हालांकि, इस मंत्रालय से हटने के बाद, समय के साथ ये तीनों नेता केंद्रीय कैबिनेट की अहम भूमिकाओं से भी हटा दिए गए। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, देश की नीतियों और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे बड़े फैसलों के लिए शिक्षा मंत्रालय को बहुत संवेदनशील और अहम मंत्रालय माना जाता है। इस पद पर रहने के बाद नेताओं का कैबिनेट से बाहर होना महज़ एक संयोग है या राजनीतिक समीकरण का हिस्सा, यह फिलहाल राजनीति में चर्चा का गर्म विषय बना हुआ है।

संक्षिप्त न्यूज

गच्छाधिपति श्री नरदेवसागर सूरीश्वरजी का भव्य प्रवेश



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनगर (अहमदाबाद) :- वचनसिद्ध गच्छाधिपति आचार्य श्री नरदेवसागर सूरीश वरजी म.सा.आदि का भव्य चातुर्मास प्रवेश हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। राजनगर के पावन आंगन में श्री परिमल जैन संघ, पालडी (अहमदाबाद) के तत्वावधान में श्री नवकार समर्पण चातुर्मास के लिए गच्छाधिपति के साथ बंधु बेलड़ी आचार्य श्री जिन-हेमचंद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा.आदि 14 आचार्य भगवंत एवं विशाल श्रमण-श्रमणी वृंद का भी प्रवेश हुआ।चातुर्मासिक निश्रा आचार्य श्री आनंदचंद्रसागर सूरीश?वरजी म.सा.व श्री कल्पद्रुमाश्रीजी म.सा.ने प्रदान की।

बारिश के पानी में डूबने से किशोर की मौत, एक की हालत गंभीर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के रामोल क्षेत्र में बारिश के पानी से भरे गड्ढों में नहाने उतरे 13 वर्षीय दो किशोर हादसे का शिकार हो गए। इस दौरान एक किशोर की डूबने से मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर हालत में सिविल अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। घटना वटवा तालाब के पास हुई, जहां दो दिन पहले हुई बारिश का पानी अब तक जमा था। सूचना पर स्थानीय लोगों और तैराकों ने दोनों बच्चों को बाहर निकाला, जबकि बाद में फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची। रामोल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद बारिश के पानी की समय पर निकासी नहीं होने को लेकर अहमदाबाद नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मुफ्त आवासीय प्लॉट समतल कराने की सहायता 5 गुना बढ़ी, अब प्रति प्लॉट 5,000 मिलेंगे



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के बेघर परिवारों को अपना पक्का मकान बनाने में राहत देने के लिए मुफ्त आवासीय प्लॉट के विकास पर मिलने वाली सहायता राशि में बड़ा इजाफा किया है। अब लाभार्थियों को प्रति प्लॉट जमीन समतल कराने के लिए 1,000 के बजाय ?5,000 की सहायता मिलेगी। वहीं, गांव की असमतल एवं ऊबड़-खाबड़ जमीन को आवासीय प्लॉट के लिए विकसित करने पर मिलने वाली सहायता 50,000 से बढ़ाकर 2 लाख प्रति हेक्टेयर कर दी गई है। राज्य सरकार का कहना है कि इस निर्णय से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बेघर परिवारों का जमीन विकास पर होने वाला खर्च कम होगा और वे आसानी से अपना पक्का घर बना सकेंगे। जरूरतमंद परिवारों को बेहतर आवास सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारी बारिश के बीच ट्रैफिक पुलिस अलर्ट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। लगातार हो रही भारी बारिश के बीच ट्रैफिक पुलिस ने शहर के जलभराव और क्षतिग्रस्त सड़कों वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिसकर्मी खतरनाक स्थानों पर बैरिकेड लगाकर वाहन चालकों को सतर्क कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दे रहे हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें, जलभराव वाले मार्गों पर सावधानी बरतें और यातायात पुलिस के निर्देशों का पालन करें।

ADC बैंक ने अहमदाबाद के जमालपुर में साइबर क्राइम अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया

नागरिकों को बुकलेट बांटी गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज के डिजिटल दौर में साइबर फ्रॉड और ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बारे में लोगों को जागरूक करने के मकसद से अहमदाबाद शहर के जमालपुर इलाके में स्थित ,ष्ट्र बैंक ने एक खास अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया। इस प्रोग्राम में बुजुर्गों और युवाओं को आसान भाषा में अलग-अलग तरह के साइबर क्राइम, ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीकों और उनसे बचने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा, साइबर सिक्योरिटी और अवेयरनेस पर एक खास जानकारी वाली गाइड (बुकलेट) भी वहां मौजूद लोगों को बांटी गई। इस प्रोग्राम में,ष्ट्र बैंक के मैनेजर श्री तुषारसिंह जाधव, बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बैंक का पूरा स्टाफ परिवार खास तौर पर मौजूद था। साथ ही, स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता बंटी सुरेशभाई चौहान (सरगरा) और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक व आम जनता भी शामिल हुई और इस अवेयरनेस कैंपेन को सफल बनाया। ऑनलाइन फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन करते समय सावधानी बरतने और आज के समय में साइबर फ्रॉड का शिकार होने से कैसे बचें, इस बारे में बैंक अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी की स्थानीय लोगों और बुजुर्गों ने काफी सराहना की।



कड़े जुर्माने से बदलेगी नागरिक संस्कृति? रेलवे के नए नियमों ने दिया अनुशासन का बड़ा संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। जुलाई 2026 से भारतीय रेलवे द्वारा लागू किए गए संशोधित जुर्मानों ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि अब सार्वजनिक व्यवस्था और यात्री अनुशासन से समझौता नहीं किया जाएगा। बिना टिकट यात्रा पर न्यूनतम 500 जुर्माना, महिलाओं के डिब्बे में अनधिकृत प्रवेश पर 2,500, धूम्रपान और सार्वजनिक उपद्रव पर 2,000 तथा प्रतिबंधित वस्तुएं ले जाने पर 10,000 तक के जुर्माने और कारावास का प्रावधान केवल दंडात्मक कदम नहीं, बल्कि नागरिकों में नियमों के प्रति सम्मान विकसित करने का प्रयास है। सामाजिक चिंतक एवं वित्तीय विशेषज्ञ भरतकुमार सोलंकी का मानना है कि रेलवे और यातायात विभाग पूरे देश को अधिक सभ्य, अनुशासित और जागरूक बनाने की क्षमता रखते हैं। उनका कहना है कि जब नियमों के उल्लंघन पर निश्चित और प्रभावी कार्रवाई होती है, तो लोग स्वाभाविक रूप से नियमों का पालन करना शुरू कर देते हैं। यही कारण है कि दुनिया के अनेक विकसित देशों में कानून का पालन नागरिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। भरतकुमार सोलंकी का कहना है कि यदि सड़क परिवहन में भी ड्राइविंग लाइसेंस धारकों के लिए नियमों का कठोर और निष्पक्ष पालन सुनिश्चित किया जाए, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ेगा। सड़क पर वाहन चलाने वाला व्यक्ति कभी पैदल यात्री भी होता है, कभी साइकिल चलाता है और कभी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करता है। इसलिए एक जिम्मेदार चालक, हर भूमिका में जिम्मेदार नागरिक भी बन सकता है। उन्होंने कहा कि यदि चालक लाल बत्ती, गति सीमा, ज़ेब्रा क्रॉसिंग, लेन अनुशासन और सड़क संकेतों का ईमानदारी से पालन करे, तो पैदल चलने वाले लोग भी नियमों के प्रति अधिक जागरूक होंगे। समाज में अनुशासन ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि व्यवहार से व्यवहार तक फैलता है। उन्होंने अनावश्यक हॉर्न बजाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समय से थोड़ा पहले घर से निकलना, धैर्य के साथ वाहन चलाना और दूसरों को रास्ता देना केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि सभ्य समाज की पहचान है। कुछ मिनट बचाने की जल्दबाजी कई बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन जाती है। विशेषज्ञों का भी मानना है कि सड़क सुरक्षा केवल जुर्माने से नहीं, बल्कि निश्चित प्रवर्तन सड़क सुरक्षा शिक्षा और नागरिक भागीदारी से मजबूत होती है। यदि नियम सभी पर समान रूप से लागू हों और उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई हो, तो लोगों का कानून के प्रति विश्वास और पालन दोनों बढ़ते हैं। भरतकुमार सोलंकी ने कहा कि भारत यदि विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ना चाहता है, तो अनुशासन को भी राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा बनाना होगा। रेलवे के नए नियम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि सड़क परिवहन, सार्वजनिक स्थानों और अन्य नागरिक सेवाओं में भी नियमों का समान रूप से पालन कराया जाए। उन्होंने कहा कि 'कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि नागरिकों को जिम्मेदार बनाना है। जब नियमों का पालन आदत बन जाएगा, तभी सुरक्षित, व्यवस्थित और सभ्य भारत का सपना साकार होगा।'

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में BJP की सरकार है, लेकिन सेंट्रल ज़ोन में लतीफ़ गैंग के लोग काम कर रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूर

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद में जागरूक नागरिकों और प्रशासनिक व्यवस्था के सामने एक बहुत ही चौंकाने वाली बात सामने आ रही है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में BJP की सत्ता होने के बावजूद, इस बात की काफी चर्चा है कि शहर के बेहद संवेदनशील सेंट्रल ज़ोन में एस्टेट डिपार्टमेंट के प्रेशर अकाउंट सेक्शन में एक खास नेटवर्क काम कर रहा है। गंभीर आरोप हैं कि पूर्व माफिया डॉन अब्दुल लतीफ़ गैंग से जुड़े लोग अभी भी कॉर्पोरेशन के कॉन्ट्रैक्ट्स पर कब्ज़ा जमाए हुए हैं, जिससे प्रशासन के कामकाज पर बड़ा सवालिया निशान लग गया है। 15 से 20 साल से प्रेशर कम करने वाले कॉन्ट्रैक्ट्स पर एकाधिकार मिली जानकारी के अनुसार, अमजद सिकंदर खान पठान नाम के एक कॉन्ट्रैक्टर को पिछले 15 से 20 सालों से लगातार अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सेंट्रल ज़ोन में प्रेशर कम करने के लिए मज़दूर उपलब्ध कराने का कॉन्ट्रैक्ट मिल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जब भी इस कॉन्ट्रैक्ट के लिए कोई नया टेंडर निकाला जाता है, तो अगर कोई दूसरा व्यक्ति या एजेंसी टेंडर भरने की हिम्मत करती है, तो उसे अब्दुल लतीफ़ गैंग के जेल में बंद गुंडों और पाकिस्तान भाग चुके असामाजिक तत्वों से धमकियां मिलती हैं। इस डर और धमकी के कारण, कोई दूसरा प्रतियोगी टेंडर प्रक्रिया में टिक नहीं पाता और यह कॉन्ट्रैक्ट लगातार उसी व्यक्ति को मिलता रहता है। आपराधिक बैकग्राउंड और जेल से संबंध इस मामले की गहन जांच से पता चला है कि अमजद सिकंदर खान पठान का भाई, आज़म सिकंदर खान पठान, पूर्व माफिया डॉन अब्दुल लतीफ़ का सक्रिय गुर्गा था और अभी उम्रक़ैद की सज़ा काट रहा है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एस्टेट डिपार्टमेंट - जिसे बहुत महत्वपूर्ण और संवेदनशील माना जाता है - में ऐसे आपराधिक इतिहास और संबंधों वाले परिवार के सदस्यों का दबदबा स्थानीय प्रशासन की सुरक्षा और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। राष्ट्रीय सुरक्षा और पाकिस्तान कनेक्शन की चिंताएं सबसे गंभीर और चौंकाने वाली बात यह है कि ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि अमजद सिकंदर खान पठान के पाकिस्तान में पारिवारिक संबंध और संपर्क हैं। स्थानीय स्तर पर यह आशंका जताई जा रही है कि ऐसे संपर्कों के ज़रिए देश की संवेदनशील जानकारी का आदान-प्रदान हो सकता है। गौरतलब है कि इससे पहले अमजद पठान के एक बेहद करीबी व्यक्ति को गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (ञ्जस्) ने पाकिस्तानी सिम कार्ड और गैर-कानूनी गतिविधियों के मामले में पकड़ा था। राष्ट्रीय सुरक्षा के नज़रिए से यह भी एक बहुत गंभीर मामला है कि इस नेटवर्क से जुड़े लोग, जो सुरक्षा एजेंसियों की नज़र में हैं, वे कॉर्पोरेशन के टेंडर के कामों में सक्रिय बने हुए हैं। सिर्फ़ दबदबे और डर का ही मामला नहीं है, बल्कि काम में भारी भ्रष्टाचार के आरोप भी हैं टेंडर की साफ़ शर्तों, जैसे मज़दूरों को सही यूनिफॉर्म, पहचान पत्र और सुरक्षा उपकरण देना, का पूरी तरह उल्लंघन किया जा रहा हैं गृह विभाग के आला अधिकारी क्या कड़े कदम उठाते हैं!

डभोई-स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी रोड पर कुंडेला और बुजेठा के बीच आवारा मवेशियों स भारी परेशानी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। दुनिया भर में मशहूर 'स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी' को जोड़ने वाली डभोई तालुका की बेहद अहम कुंडेला-बुजेठा सड़क पर आवारा गायों और मवेशियों की समस्या तेज़ी से बढ़ रही है। सड़क पर लगातार मवेशियों के जमा होने और बैठने की वजह से वाहन चालकों, स्थानीय ग्रामीणों और बाहर से आने वाले पर्यटकों को बहुत परेशानी हो रही है।रू दिन के समय सड़क पर गायों का जमावड़ा रहता है, लेकिन रात में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। स्ट्रीट लाइट की कमी के कारण, अंधेरे में सड़क के बीच बैठे मवेशी दूर से साफ़ दिखाई नहीं देते। इस वजह से अचानक टक्कर, गाड़ी पलटने और गंभीर दुर्घटनाओं की घटनाएं अक्सर हो रही हैं। कुंडेला से बुजेठा तक आने वाले सभी गांवों की सड़कों और मुख्य मार्गों पर गायों का बड़ा जमावड़ा देखा जाता है, जिससे स्थानीय ट्रैफ़िक भी मुश्किल हो गया है। चूंकि यह सड़क देश-विदेश से स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी देखने आने वाले पर्यटकों के लिए मुख्य मार्ग है, इसलिए यह स्थिति उन ड्राइवरों की जान के लिए खतरा पैदा कर रही है जो इस सड़क से अनजान हैं।

स्थानीय निवासियों और ड्राइवरों की आवाज़

एक स्थानीय ड्राइवर ने अपना गुस्सा ज़ाहिर करते हुए कहा, 'रात में हाईवे पर बैठे मवेशी दूर से दिखाई नहीं देते। हमें अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है या गाड़ी पलट जाती है। यह बहुत ज़रूरी है कि अधिकारी इस मामले में जल्द से जल्द ठोस कदम उठाएं। 'रूस्टेट हाईवे अथॉरिटी और संबंधित विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी गुस्सा है। लोगों की मुख्य मांगें ये हैं: जो मालिक जानवरों को सार्वजनिक सड़कों पर खुला छोड़ देते हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए सड़क पर उचित स्ट्रीट लाइटिंग और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। अब यह देखना बाकी है कि क्या सड़क और भवन विभाग (राज्य राजमार्ग) के अधिकारी अपनी नींद से जागकर इस समस्या का कोई स्थायी समाधान निकालते हैं, या फिर काम 'धीमी और अनियमित गति' से चलता रहेगा और बेगुनाह लोग हादसों का शिकार होते रहेंगे।

सरकार को घेरने के लिए विपक्ष के पास सबसे ज़बरदस्त हथियार है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में नीट पेपर लीक घोटाले का हंगामा अभी शांत भी नहीं हुआ था कि राजनीतिक गलियारों और गाड़ी चलाने वालों के बीच एक नया और बड़ा मुद्दा खड़ा हो गया है - ई-20, यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल की मिलावट! राजनीतिक जानकारों की मानें तो अगर विपक्ष इस मुद्दे को सही ढंग से उठाता है, तो यह केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की कुर्सी हिला सकता है। यह एक ऐसा मुद्दा है जो सत्ता-विपक्ष, जाति या धर्म से ऊपर है और सीधे देश के हर आम नागरिक की जेब और उनकी गाड़ियों से जुड़ा है। केंद्र सरकार ने प्रदूषण कम करने और कच्चे तेल का आयात घटाने के नाम पर ईंधन में 20 प्रतिशत तक इथेनॉल मिलाने की नीति तेज़ी से लागू की है। लेकिन इस नीति का सीधा असर आम गाड़ी मालिकों पर पड़ रहा है:

1. इंजन खराब होने का डर: पुरानी गाड़ियों के इंजन ई-20 ईंधन के हिसाब से नहीं बने हैं। ऐसी शिकायतें आम हो गई हैं कि इथेनॉल की वजह से इंजन के पार्ट्स, रबर पाइप और फ्यूल पंप तेज़ी से खराब हो रहे हैं।

2. माइलेज में भारी कमी: पेट्रोल के मुकाबले इथेनॉल की कैलोरीफ़िक वैल्यू (ऊर्जा क्षमता) कम होती है, जिससे गाड़ियों का माइलेज 10 से 15 प्रतिशत तक कम हो गया है। यानी जनता पेट्रोल की पूरी कीमत तो देती है, लेकिन उन्हें माइलेज कम मिलता है।



3. जेब पर दोहरी मारः एक तरफ पेट्रोल की कीमतें कम नहीं हो रही हैं, और दूसरी तरफ इथेनॉल वाले पेट्रोल की वजह से गाड़ियों के रखरखाव और पेट्रोल की खपत बढ़ गई है। अगर विपक्ष इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाता है और तथ्यों के साथ जनता के बीच जाता है, तो सरकार के लिए इस मुद्दे पर अपना बचाव करना बहुत मुश्किल हो सकता है। युवा नीट पेपर लीक से नाराज़ हैं, और देश का मध्यम वर्ग ई-20 से परेशान है। अगर ये दोनों मुद्दे एक साथ आ जाएं, तो सरकार पर बहुत दबाव पड़ सकता है।

क्या दांता और हडद तालुका की आंगनवाड़ियों में करोड़ों का घोटाला हुआ है ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। गंभीर आरोप हैं कि THR की मात्रा (सप्लाई) पहुंचाए बिना ही OTP के ज़रिए 100 प्रतिशत वितरण दिखाया जा रहा है। ऐसे अधिकारियों की वजह से ही दांता और हडद तालुका में कुपोषित बच्चों की संख्या सबसे ज़्यादा है। गंभीर आरोप सामने आए हैं कि बनासकांठा ज़िले के दांता और हडद तालुका में 'एकीकृत बाल विकास योजना' के तहत बालशक्ति, मातृशक्ति और पूर्णशक्ति के लाभार्थियों को दिए जाने वाले पौष्टिक भोजन, यानी ञ्जाक्रऔर सत्व आटा में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हो रही है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आंगनवाड़ी केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में सामान नहीं पहुंचाया जाता है, लेकिन ठेकेदार और स्थानीय प्रशासन लाभार्थियों के फ़ोन पर सीधे ओटीपी लेकर 100 प्रतिशत वितरण दिखा रहे हैं। पहले भी शिकायतें की जा चुकी हैं। इससे पहले भी आंगनवाड़ी का सामान दूसरे तालुका ले जाते हुए पकड़ा गया था। उस समय मीडिया में



खबरें आने के बाद कुछ समय के लिए यह धंधा धीमा पड़ गया था, लेकिन अब चर्चा है कि यह काम फिर से उसी तरह शुरू हो गया है। ज़िले के बजाय गांधीनगर से जांच की मांग। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि ठेकेदारों की ज़िला स्तरीय टीम के साथ 'बड़ी सेटिंग' है, जिससे हर महीने 'मलाई' (अवैध कमाई) पहुंचाई जाती है। इसलिए, ज़िला स्तर की जांच से कुछ नहीं निकलेगा। अगर गांधीनगर से किसी उच्च-स्तरीय टीम द्वारा जांच की जाए, तो दांता तालुका की आंगनवाड़ियों में एक बड़ा घोटाला सामने आ सकता है। कुपोषण को खत्म करने के बजाय, अगर कुपोषण के नाम पर भ्रष्टाचार होता है, तो सरकार की योजना का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाता है।

देवगढ़ बारिया नगरपालिका द्वारा संचालित 'पे एंड यूज़' सार्वजनिक शौचालय बंद, जनता को भारी परेशानीह



महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़ बारिया। शहर में चेनपुर रोड पर स्थित नगरपालिका का 'पे एंड यूज़' सार्वजनिक शौचालय अब बहुत जर्जर हालत में है। मुख्य सड़क पर स्थित यह सार्वजनिक शौचालय काफी समय से बंद पड़ा है। शौचालय के दरवाज़ों पर ताला लगा होने के कारण स्थानीय नागरिकों, यात्रियों और व्यापारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक शौचालय बंद होने से महिलाओं, बुजुर्गों और बाहर से आने वाले लोगों को सबसे ज़्यादा परेशानी हो रही है। 'पे एंड यूज़' सुविधा होने के बावजूद लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे नगरपालिका के कामकाज को लेकर लोगों में असंतोष है। यह भी आरोप है कि नगरपालिका सार्वजनिक सुविधाओं के नियमित रखरखाव और सफाई की ज़िम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरत रही है। नागरिकों ने मांग की है कि सार्वजनिक शौचालयों की तुरंत मरम्मत कराकर उन्हें फिर से खोला जाए ताकि लोगों की परेशानियां खत्म हों। फिलहाल, नगरपालिका प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है। अब यह देखना बाकी है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या का जल्द समाधान करता है या नहीं।

छायान में GIDC के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध

'विकास के नाम पर किसानों को बर्बाद नहीं होने देंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। गोविंद गुरु लिमडी तालुका के छायान गांव में GIDC को मंज़ूरी मिलने की खबरों के बीच, स्थानीय ग्रामीणों में भारी गुस्सा और विरोध है। छायान के अलावा, चटका और कचलाधारा समेत आस-पास के गांवों के लोग भी GIDC के लिए किए जा रहे सर्वे का ज़ोरदार विरोध कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 26-07-2026 को छायान गांव में ग्रामीणों की एक बैठक हुई, जिसमें तीनों गांवों के लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए। ग्रामीणों का कहना है कि सर्वे नंबर 38/4 में ग्राम सभा की मंज़ूरी या ग्रामीणों की सहमति के बिना लट्ठ्ठष्ट के लिए सर्वे का काम किया गया, जिससे स्थानीय लोगों ने कड़ा विरोध जताया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आदिवासी इलाके में स्थानीय लोगों की सहमति और ग्राम सभा के प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ करके विकास के नाम पर ज़मीन अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों का गंभीर आरोप है कि प्रशासनिक तंत्र और GIDC सिस्टम द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 244(1), पांचवीं अनुसूची के प्रावधानों, अनुच्छेद 13(3)(a) के साथ-साथ PES एक्ट और सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों की भावना पर विचार किए बिना कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर विकास के नाम पर उन किसानों को ही बेदखल किया जाना है जो बरसों से ज़मीन पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं, तो यह कैसा विकास है? जिस ज़मीन पर किसान बरसों से खेती कर रहे हैं, जहां घर, कुएं, हैंडपंप और बिजली जैसी सुविधाएं हैं और लोगों को सरकारी पट्टे भी मिले हैं, उस ज़मीन को GIDC के लिए चुने जाने से स्थानीय किसानों में भारी असंतोष है। 'हमारी ज़मीन और रोज़गार पर दूसरों का कब्ज़ा – यह कैसा विकास है? स्थानीय ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ी दुविधा यह है कि अगर GIDC आता है, तो अपनी ज़मीन गंवाने वाले स्थानीय आदिवासियों को क्या मिलेगा? ग्रामीणों का कहना है कि ज़मीन तो स्थानीय किसानों की जाएगी, लेकिन उन्हें डर है कि रोज़गार के मौकों का फ़ायदा बाहर से आने वाले लोग उठा ले जाएंगे। जो किसान सालों से खेती करके अपना गुज़ारा कर रहे हैं, उन्हें उनकी ज़मीन से बेदखल कर दिया जाएगा और फिर अगर बाहरी लोग आकर रोज़गार के नाम पर फ़ायदा उठाएंगे, तो स्थानीय आदिवासी समुदाय के हाथ में क्या बचेगा?' ग्रामीणों ने यह सवाल उठाया। ग्रामीणों ने आगे बताया कि छायन गांव के आस-पास वन विभाग की लगभग 1700 हेक्टेयर ज़मीन है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश के लोग सीमावर्ती इलाके में ज़बरदस्ती बड़े पैमाने पर खेती कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर GIDC के लिए कोई और विकल्प मौजूद है और सालों से खेती कर रहे किसानों की ज़मीन बचाई जा सकती है, तो उन्हें GIDC को दूसरी जगह ले जाने में कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन विकास का बोझ किसानों की ज़मीन, घरों और उनकी मेहनत पर डालना किसी भी हाल में मंज़ूर नहीं होगा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, किसान सर्वे नंबर 38/4 में सालों से खेती कर रहे हैं।



दैनिक राशिफल

27 जुलाई 2026, सोमवार

27 जुलाई 2026, सोमवार को चंद्रमा धनु राशि में गोचर करेगा। भगवान शिव और चंद्रदेव की कृपा से कई राशियों के लिए नए अवसर बनेंगे। नौकरी, व्यापार, शिक्षा और पारिवारिक जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

1. मेष
आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

2. वृषभ
आर्थिक मामलों में दिन शुभ रहेगा। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। यात्रा लाभदायक हो सकती है।

3. मिथुन
कार्यस्थल पर आपकी मेहनत रंग लाएगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

4. कर्क
भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। खर्चों पर नियंत्रण रखें। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

5. सिंह
नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। व्यापार में लाभ मिलेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

6. कन्या
नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। निवेश से पहले सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिल सकती है।

7. तुला
भाग्य का साथ मिलेगा। लंबे समय से रुके कार्य पूरे होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

8. वृश्चिक
आज धैर्य और संयम बनाए रखें। किसी से विवाद होने की संभावना है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें।

9. धनु
व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। नौकरी में पदोन्नति के संकेत हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

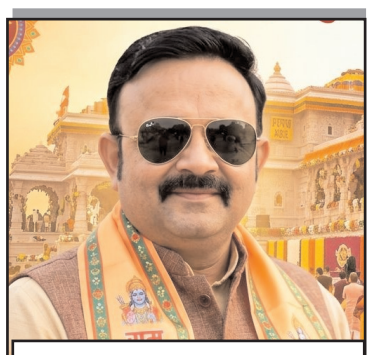
10. मकर
मेहनत का पूरा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

11. कुंभ
रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। आय के नए स्रोत बन सकते हैं।

12. मीन
घर-परिवार से जुड़ी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। संपत्ति संबंधी मामलों में सफलता मिलने के योग हैं। मानसिक शांति बनी रहेगी। किसी शुभ कार्य की योजना बन सकती है।

आज का उपाय
भगवान शिव का जलाभिषेक करें और "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का 108 बार जप करें। इससे मानसिक शांति, कार्यों में सफलता और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होगी।

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे मिसाइल मैन डॉ. कलाम



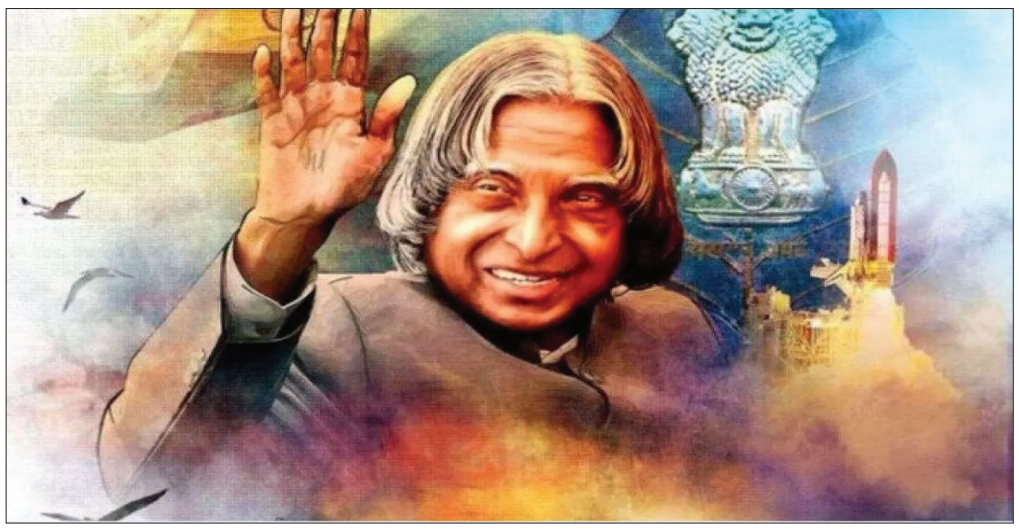
पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया।

अब्दुल कलामः सत्ता नहीं, संस्कारों से बने महान...

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे



तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

शर्तों की मोहताज संसद

संसद के मानसून सत्र के पांच दिन बीत चुके हैं। कोई काम नहीं, कोई चर्चा नहीं, सिर्फ हंगामा और नारेबाजी...! संसदीय व्यवस्था के अनुसार, 45 करोड़ रुपए से अधिक फुंक चुके हैं। यह किसी सरकार, विपक्ष या आंदोलनकारी की राशि नहीं थी। करदाता ने दी थी, ताकि संसद चल सके। संसद के पटल पर सिर्फ वे कागजात या रपटें रखी जा सकी हैं, जिनकी औपचारिकता विधायी तौर पर अनिवार्य होती है। स्पीकर, सभापति और पीठासीन अधिकारी आसन पर आकर बैठते हैं, विपक्ष के हंगामा करते सांसदों को 'उपदेश' देते हैं, अंततः सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ती है। विपक्ष और प्रदर्शनकारी बखूबी जानते हैं कि यदि बर्फ पिघलेगी और कोई समाधान निकलेगा, तो वह सिर्फ और सिर्फ संसद में चर्चा के बाद ही निकलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार, 23 जुलाई, देर रात फास्ट ट्रैक कोर्ट बिल के मसविदे की घोषणा की है और शिक्षा मंत्रालय के दो शीर्ष, सचिव स्तर के अधिकारियों के तबादले किए हैं। अब कैबिनेट की स्वीकृति के बाद विधेयक संसद में आना है। संसद में ही उसे पारित किया जा सकता है और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वह कानून बन सकता है। यदि संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई, तो फास्ट ट्रैक कोर्ट का बिल और माफिया को जल्द और कठिन दंड और असंभव-सी जमानत वाला कानून लटक कर रह जाएगा। सडकों पर नारेबाजी और हुड़दंग मचाने से कोई भी विधायी व्यवस्था नहीं बन सकती। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और लगभग समूचे विपक्ष की यह शर्त है कि पहले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाए अथवा प्रधानमंत्री उन्हें बर्खास्त करें। उसके बाद ही संसद में चर्चा संभव है। जंतर-मंतर पर बीते 35 दिनों से प्रदर्शन कर रहे युवाओं की भी यही शर्त है। बहरहाल हर सड़किया प्रदर्शनकारी की शर्तों के मुताबिक, न तो संसद चलती है और न ही बहस की दिशा और आधार तय होते हैं। इस देश में संसद और आंदोलनकारी दोनों ही स्वतंत्र हैं। शुक्रवार, 24 जुलाई, की सुबह एक सुखद खबर मिली कि देर रात करीब 12.40 बजे सोनम वांगचुक ने 26 दिन से जारी अपना अनशन तोड़ दिया। केंद्रीय मंत्रियों-जेपी नड्डा और डॉ. जितेन्द्र सिंह-ने 'मेदांता' अस्पताल जाकर उन्हें जूस पिलाया और यूं वांगचुक का अनशन टूटा। अब उन्हें प्रदर्शन कर रहे युवाओं का आह्वान करना चाहिए कि आंदोलन समाप्त करो, सरकार के आश्वासन पर भरोसा कर कुछ समय दो, लेकिन वांगचुक ने ऐसा नहीं किया है, हालांकि आंदोलनरत कॉकरोचों ने अनशन तोड़? को बड़ी राहत माना है। बहरहाल शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की शर्त वांगचुक और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की नहीं है। वे बेहतर शिक्षा-व्यवस्था और पेपरलीक सरीखे राष्ट्रीय मुद्दे पर संसद के भीतर सकारात्मक चर्चा के पक्षधर हैं। मंत्री का इस्तीफा तो कभी भी हो सकता है, लेकिन सरकार के विरोध में सबसे बुलंद और

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर सकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

खाकी से जेल तकः IPS संजीव भट्ट का विवादित और नाटकीय सफर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात कैडर के 1988 बैच के पूर्व IPS ऑफिसर संजीव भट्ट का नाम भारतीय ब्यूरोक्रेसी और कानूनी इतिहास के सबसे विवादित अध्यायों में से एक माना जाता है। ढूढ्ढञ्ज बॉम्बे जैसे देश के सबसे ऊंचे शिक्षण संस्थान से पढ़ाई करने के बाद, संजीव भट्ट का पूरा सर्विस पीरियड और उसके बाद का समय विवादों, आरोपों और कोर्ट केस में बीता है।

1. IITian, IPS बनने की शुरुआत

संजीव भट्ट ने IIT बॉम्बे से M.Tech. की पढ़ाई पूरी करने के बाद 1988 में UPSC पास करके इंडियन पुलिस सर्विस को चुना। शुरुआती दिनों में उन पर एक सख्त, गुस्सैल और निडर ऑफिसर होने का असर था। वे जामनगर, बनासकांठा और साबरमती जेल जैसे संवेदनशील इलाकों और विभागों में सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस और दूसरे अहम पदों पर तैनात रहे।

2. 1990 कस्टोडियल डेथ केस (जामनगर) उनके करियर का पहला और सबसे बड़ा विवाद 1990 में शुरू हुआ। जब वे जामनगर में एडिशनल SP के तौर पर काम कर रहे थे, तब जामजोधपुर में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान पुलिस ने 133 लोगों को हिरासत में लिया था। हिरासत में लिए गए लोगों में प्रभुदास वैष्णानी नाम के एक व्यक्ति की जेल से रिहा होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मृतक के परिवार ने संजीव भट्ट और दूसरे पुलिसवालों पर कस्टडी में मवेशियों को पीटने का आरोप लगाया था। यह मामला दशकों तक अदालतों में चलता रहा।

3. 1996 ड्रग प्लांटिंग केस (बनासकांठा)

1996 में, संजीव भट्ट बनासकांठा के SP थे। इसी दौरान, पालनपुर के एक होटल से राजस्थान के वकील सुमेरसिंह राजपुरोहित के कमरे में अफीम (ड्रग्स) मिलने का दावा करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में, राजस्थान पुलिस की जांच में पता चला कि होटल की प्रॉपर्टी खाली कराने के मकसद से वकील को झूठा फंसाने के लिए उसके यहां अफीम का पौधा लगाया गया था। यह मामला बाद में उनके लिए एक बड़ी समस्या बन गया।

4. 2002 के दंगे और एफिडेविट विवाद

संजीव भट्ट 2002 के गुजरात दंगों के बाद देश भर में चर्चा में आए थे। 2011 में, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एक एफिडेविट फाइल किया जिसमें दावा किया गया कि वह 27 फरवरी 2002 को उस समय के मुख्यमंत्री के घर पर हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में मौजूद थे। उन्होंने गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (स्ढूञ्ज) और बाद में कोर्ट ने सबूतों की कमी के कारण संजीव भट्ट के दावों को खारिज कर दिया।

5. सस्पेंशन और सर्विस से बर्खास्तगी

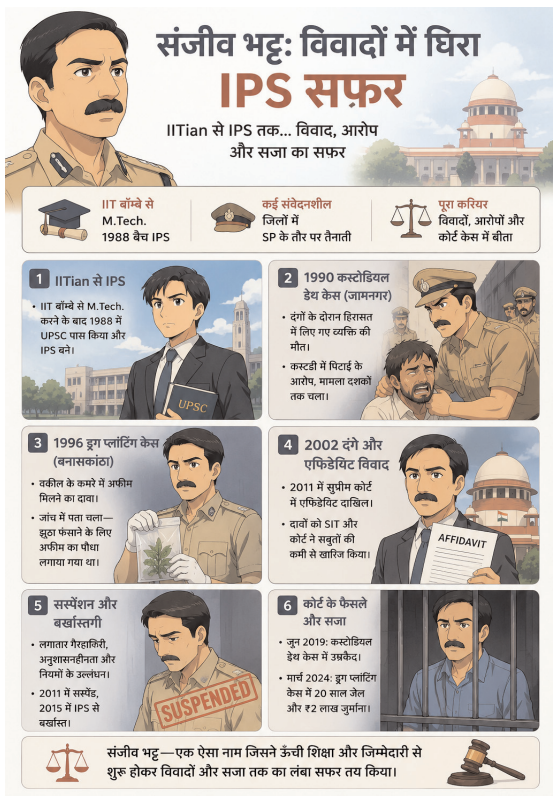
उन्हें 2011 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ड्यूटी से लगातार गैरहाजिर रहने, सरकारी गाड़ियों का बिना इजाज़त इस्तेमाल करने और अनुशासन तोड़ने जैसे कई कारणों से सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद अगस्त 2015 में उन्हें IPS से ऑफिशियली बर्खास्त कर दिया गया।

6. कोर्ट के फैसले और सज़ा का दौर

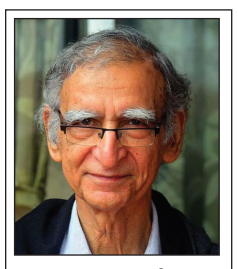
कानूनी लड़ाई आखिरकार एक अहम मोड़ पर पहुंची:

जून 2019: जामनगर सेशन कोर्ट ने संजीव भट्ट को 30 साल पुराने कस्टोडियल डेथ केस में इंडियन पीनल कोड की धारा 302 (मर्डर) के तहत दोषी ठहराया और उन्हें उम्रकैद की सज़ा सुनाई।

मार्च 2024: बनासकांठा (पालनपुर) की स्पेशल NDPS कोर्ट ने उन्हें 1996 के ड्रग प्लांटिंग केस में दोषी ठहराया और उन्हें 20 साल जेल और 2 लाख रुपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई। संजीव भट्ट का सफर, जो हायर एजुकेशन और ज़िम्मेदारी वाले पद से शुरू हुआ था, इंडियन ब्यूरोक्रेसी के इतिहास में एक बहुत चर्चित और स्टडी किया जाने वाला केस बन गया है।



इमारतें ढहाने से कमजोर होता है देश



राम पुनियानी

इन दिनों उत्तरप्रदेश के रामपुर में जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार पर धरना जारी है। समाजवादी पार्टी के सदस्य आजम खान, जो वर्तमान में जेल में हैं, इस विश्वविद्यालय का संचालन करने वाले न्यास के अध्यक्ष हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रामपुर विकास प्राधिकरण के उस नोटिस के खिलाफ धरना दे रहे हैं जिसमें विश्वविद्यालय के 40 में से 38 भवनों को ढ़हाए जाने का आदेश दिया गया है। ऐसा करना विश्वविद्यालय को बंद कर देने जैसा होगा। इंडियन एक्सप्रेस (20 जुलाई 2026) के अनुसार विश्वविद्यालय की विधि संकाय की एक छात्रा मेहरोजा खान ने कहा, 'हमारा करियर और भविष्य दांव पर लगा है। हमने धरने पर बैठने का फैसला इसलिए किया क्योंकि हम चाहते हैं कि सरकार विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। हम कहीं और अपनी शिक्षा जारी नहीं रख पाएंगे, विशेषकर बहुत दूर के कालेजों में। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां हमें विभिन्न शुल्कों में छूट मिलती है। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को 50 प्रतिशत छूट मिलती है। जिन छात्रों के माता-पिता का देहांत हो चुका है उन्हें भी छूट मिलती है। यहां बी. फार्मा और डी. फार्मा जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं, जिनकी पढ़ाई हममें से बहुत से छात्र अन्य संस्थानों में नहीं कर पाएंगे।'

रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का शिलान्यास 18 सितंबर 2006 को हुआ था। इसे मोहम्मद अली जौहर न्यास ने कई सालों में धीरे-धीरे विकसित किया। हालांकि इसमें विभिन्न निर्माण कार्य कब हुए यह कानूनी एवं प्रशासनिक विवाद का विषय बन गया है।

रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के अनुसार जहां विश्वविद्यालय के चिकित्सा महाविद्यालय और एक प्रशासनिक खंड का निर्माण विधिवत अनुमतियां एव स्वीकृतियां हासिल करने के बाद ही किया गया है, वहीं परिसर में स्थित 38 अन्य भवनों का निर्माण सक्षम शासकीय कार्यालयों की अनिवार्य अनुमतियां हासिल किए बगैर कर लिया गया। विश्वविद्यालय का कहना है कि इन भवनों का निर्माण वर्षों पहले किया गया था - उस समय जब यह स्थान (सिंगनखेड़ा गांव) आरडीए के क्षेत्राधिकार में नहीं था - और इन निमार्णों की अनुमति स्थानीय जिला पंचायत से ली गई थी।

आरडीए के अनुसार बगैर अनुमोदन के किए गए इन निमार्णों और भूमि उपयोग के कथित उल्लंघनों के चलते उसने इन 38 भवनों को हटाए जाने या ढहाए जाने का आदेश दिया। विद्यार्थियों और कई सामाजिक कार्यकताओं/राजनीतिज्ञों ने निवेदन किया कि विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाया जाना अनुचित होगा क्योंकि विश्वविद्यालय विभिन्न वर्गों के छात्रों की अमूल्य सेवा कर रहा है, विशेषकर मुस्लिम और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्रों की। उन्होंने दावा किया कि सरकार का मुख्य ध्येय मुसलमानों को शिक्षा से वंचित करना है। वैसे शिक्षा उन प्रमुख मुद्दों में से एक है जिनके प्रति मौजूदा सरकार का उपेक्षापूर्ण रवैया रहा है, जैसा कि इन दिनों चल रही युवाओं एवं विद्यार्थियों की आक्रोश की लहर से पता चलता है। जहां तक अल्पसंख्यकों की शिक्षा की बात है, उसकी राह में तो और अधिक बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। दूसरा पहलू है मुस्लिम पहचान वाले भवनों और ढांचों को तोड़ना। जौहर विश्वविद्यालय की इमारतों को ढहाया जाना इस सिलसिले की नवीनतम कड़ी है। काशी, मथुरा, संभल, अजमेर दरगाह और सहारनपुर की मस्जिद आदि वेटिंग लिस्ट में हैं। हाल में हमने देखा कि मध्यप्रदेश में स्थित कमाल मौला मस्जिद इस आधार पर हिन्दुओं को सौंप दी गई कि यह वाग्देवी का मंदिर है। कई अन्य मस्जिदें बाबरी मस्जिद की तर्ज पर निशाने पर हैं। इन पर दावा जताने के लिए रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान अपनाई गई रणनीति ही दुहराई जा रही है। मध्यकालीन इतिहास का दुरूपयोग राजनैतिक और साम्प्रदायिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किया जा रहा है। मस्जिदों और इसी तरह के अन्य विवाद इन कुतर्कों पर आधारित हैं कि मध्यकाल में मंदिरों को तोड़कर उसी स्थान पर मस्जिदों का निर्माण किया गया था। ये दावे अक्सर इतिहास की बढ़ा-चढ़ाकर की गई या विकृत व्याख्या पर आधारित होते हैं जिनमें औपनिवेशिक काल की टीका-टिप्पणियों का हवाला दिया जाता है। इस तरह के दावे 'उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991' के प्रावधानों के एकदम खिलाफ होते हैं जो बाबरी मस्जिद के अलावा सभी उपासना स्थलों के मामलों में 15 अगस्त 1947 की स्थिति बनाए रखने की बात करता है।

इस सिलसिले की शुरूआत हिन्दू दक्षिणपंथियों के बाबरी मस्जिद को ढहाने में सफलता हासिल करने के साथ हुई, जिसके संबंध में यह दावा था कि बाबर ने राममंदिर तुड़वाकर उसकी जगह मस्जिद का निर्माण करवाया था। इसके बावजूद कि न्यायालय का फैसला ह्यजनभावनाओंह्य और न्यायाधीशों के ह्यसपने में भगवान के आने परह्य आधारित था, फैसले में यह माना गया कि 1949 में वहां रामलला की मूर्ति की स्थापना किया जाना एक अपराध था। इसी तरह 6 दिसंबर 1992 को मस्जिद को ढहाए जाने को भी अपराध माना गया। इस घटना ने भाजपा की चुनावी सफलताओं को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया, जो अंततः 1996 में पहली बार, उसके बाद 1999 में और अंततः 2014 में केन्द्र की सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रही।

लेकिन बाबरी मस्जिद ढ़हाए जाने से भाजपा को जो लाभ मिला, उससे भाजपा-आरएसएस के मन में यह लालच आया कि इसी एजेंडे को आगे बढ़ाकर और अधिक कामयाबी हासिल की जा सकती है। इसलिए वह अन्य स्थानों के संबंध में ऐसे ही दावे करती रही और न्यायपालिका 1991 के अधिनियम को नजरअंदाज करते हुए इन दावों के संबंध में जांच-पड़ताल करने का आदेश देती रही जिससे ध्रुवीकरण बढ़ा और हिन्दू राष्ट्रवादियों को जबरदस्त फायदा हुआ। हिन्दू दक्षिणपंथी विचारकों के उर्वर दिमागों में अब एक विश्वविद्यालय को निशाना बनाने का विचार आया है। इस प्रस्तावित तोड़फोड़ से एक अतिरिक्त उद्धेश्य की पूर्ति होगी- वह है मुसलमानों को बदनाम करना और उसके साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा से महरूम करना, जिसकी उन्हें सख्त जरूरत है।

इसी तर्ज पर सहारनपुर की एक बहुत पुरानी छोटी सी मस्जिद को भी नोटिस जारी कर इस आधार पर हटाए जाने को कहा गया है कि उसके निर्माण के लिए जितनी अनुमतियां ली जानीं थीं, वे नहीं लीं गईं। हिन्दू दक्षिणपंथियों की नजरों में प्रतिकूल कब्जे का कानून मुसलमानों पर लागू नहीं होता। इसलिए येन केन प्रकारेण मुस्लिमों के निमार्णों को गैरकानूनी साबित करके उन्हें तुड़वाने का प्रयास निरंतर जारी रहता है। बुलडोजरों का मनमाना उपयोग कर समाज के कुछ वर्गों में अपनी लोकप्रियता बढ़ाना, मुसलमानों को अलग-थलग करने का एक अन्य तरीका है। लगता है तोड़फोड़ करना उनका ह्यराष्ट्रनिर्माणह्य का तरीका है। भवनों को इस तरह गिराए जाने से समाज की संपदा की कितनी जबरदस्त हानि होती है, इसकी आरएसएस-भाजपा को रत्ती भर परवाह नहीं है।

आजादी के बाद राष्ट्रनिर्माण के मायने बिल्कुल अलग थे। भारत के पहले प्रधानमंत्री का नजरिया था कि आईआईटी, एम्स, सार्वजनिक क्षेत्र के कल-कारखानों और सिंचाई की सुविधाओं के निर्माण की अधोसंरचना बनाकर ही हम देश में व्याप्त अभावों से कुछ हद तक छुटकारा पा सकते हैं। ऐसा लगता है कि हिन्दू दक्षिणपंथ के उभार के साथ ही हमारा रास्ता बदल गया है और अब हम मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने और मुस्लिमों के निमार्णों को गैर-कानूनी साबित करने में जुटे हुए हैं जिससे एक पार्टी को राजनैतिक लाभ मिलता है और समाज में ध्रुवीकरण और नफरत बढ़ती है।

क्या हमें सद्बुद्धि आएगी? क्या हम दुबारा संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्रनिर्माण के मार्ग पर चलना शुरू करेंगे? क्या हम बुलडोजर कार्यवाहियों और छोटी-मोटी बातों को तूल देकर मुसलमानों के निमार्णों के गैरकानूनी होने के दावे करने से बाज आएंगे?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पलभर में उजड़ा परिवारः मां की तेरहवीं में आई महिला और बेटे को ट्रक ने कुचला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां पलभर में उजाड़ दीं. अपनी मां की तेरहवीं में शामिल होने मायके आई महिला और उसके 11 वर्षीय बेटे की तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने दोनों शवों को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया. सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर जाम समाप्त कराया. यह हादसा कौड़िया थाना क्षेत्र के आर्यनगर चौराहे पर शुक्रवार देर रात करीब 11:50 बजे हुआ. पुलिस के मुताबिक ग्राम गंगादीनपुरवा थाना कटरा की रहने वाली रीता देवी उर्फ खुशबू अपने पति हरिओम जायसवाल और 11 वर्षीय बेटे लकी के साथ अपनी मां की तेरहवीं में शामिल होने आई थीं. कार्यक्रम समाप्त होने के बाद परिवार के लोग घर के बाहर बैठे थे. तभी बहराइच की ओर से आ रहा तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक उन्हें कुचलता हुआ निकल गया. हादसे में रीता देवी और उनके बेटे लकी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति हरिओम जायसवाल ने किसी तरह छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए. आक्रोशित लोगों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया, जिससे कुछ देर तक यातायात बाधित रहा. सूचना मिलते ही थाना कौड़िया पुलिस के साथ वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को कार्रवाई का भरोसा देकर जाम खुलवाया. इसके बाद दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. सीओ करनैलगंज आनंद राय ने बताया कि दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है और चालक को हिरासत में लिया गया है. परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है.



जहरीली गैस के शक में टैंक के भीतर दो लोगों की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। यहां के सेक्टर-150 स्थित एल्डिको सोसायटी में दर्दनाक हादसा हो गया है. पुलिस का कहना है कि यहां एक शख्स टैंक की सफाई करने उतरा. काफी देर तक बाहर नहीं आया तो सिक्योरिटी गार्ड अंदर गया. लेकिन वह भी बाहर नहीं निकल सका. इसके बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं. एक टैंक... दो लोग... और कुछ मिनटों में खत्म हो गई दो जिंदगियां. ग्रेटर नोएडा की एक पॉश हाउसिंग सोसायटी में शनिवार देर रात जो हुआ, उसने लोगों को झकझोर दिया. एक कर्मचारी एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) टैंक की सफाई करने के लिए अंदर उतरा. जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तो उसे बचाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड भी टैंक में उतर गया. लेकिन वह भी वापस नहीं लौट सका. जब तक पुलिस और फायर सर्विस की टीम पहुंची, तब तक बहुत देर हो चुकी थी. घटना ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-150 स्थित एल्डिको सोसायटी की है. पुलिस के मुताबिक, 25 और 26 जुलाई की दरमियानी रात सोसायटी में एसटीपी टैंक की सफाई का काम चल रहा था. करीब 40 वर्षीय शशिकांत शर्मा टैंक के अंदर सफाई के लिए उतरे. वे राजस्थान के करौली जिले के रहने वाले थे. कुछ समय बीत गया, लेकिन वह बाहर नहीं आए. बाहर मौजूद लोगों को लगा कि शायद अंदर कोई दिक्कत हो गई है. उन्हें बचाने के लिए 22 वर्षीय सिक्योरिटी गार्ड आकाश बिना किसी देरी के टैंक में उतर गया. आकाश उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद का रहने वाला था. लेकिन कुछ ही देर बाद आकाश भी बाहर नहीं निकला. दोनों के टैंक के अंदर फंसे होने की सूचना मिलते ही नॉलेज पार्क थाना पुलिस और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची. रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया. काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया और तुरंत अस्पताल ले जाया गया.



डेढ़ साल की बच्ची को हो गया था सूखा रोग, पिता ने हत्या कर विरोधियों पर लिखा दी FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। फर्रुखाबाद जिले के कमालगंज थानाक्षेत्र में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सूखा रोग से ग्रसित डेढ़ साल की बच्ची की उसके पिता ने गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या की वजह इलाज के कारण कर्जदार हो जाना था। अपराध का अहसास होने पर आरोपी पिता ने बचने के लिए विरोधियों पर ईंट-पत्थर चलाने से बेटी की मौत की एफआईआर लिखवाई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस जांच में सच सामने आया, तो आरोपी पिता को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया गया। कमालगंज क्षेत्र के गुगौरा गांव में बीते गुरुवार को एफआईआर दर्ज करवाई कि उसकी डेढ़ साल की बेटी जिज्ञासा पर पुरानी रंजिश में चार विरोधियों ने ईंट-पत्थर चलाए। इससे जिज्ञासा की मौत हो गई और उसे भी जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने बच्ची का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। रिपोर्ट में बच्ची की मौत की वजह गला दबाकर मारना बताया गया। पुलिस जांच के दौरान ईंट-पत्थर चलने की भी पुष्टि नहीं हुई।



लखनऊ एयरपोर्ट पर बम की झूठी खबर से हड़कंप, कानपुर से दबोचा गया फोन करने वाला श्याम सुंदर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात एक फर्जी कॉल ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी। डायल-112 पर आई इस सूचना के बाद बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड, CISF और फायर ब्रिगेड की टीमों ने मोर्चा संभाला। करीब एक घंटे तक चले गहन चेकिंग अभियान में पूरे एयरपोर्ट परिसर, कार्गो टर्मिनल और एंट्री गेट्स का कोना-कोना छाना गया, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब 11:45 बजे एक मोबाइल नंबर से डायल-112 पर बम होने की कॉल आई थी। इसके बाद रात 12 बजे से 1 बजे तक यात्रियों और उनके सामान की बारीकी से जांच की गई। सुरक्षा बल जब कॉलर से दोबारा संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे, तो उसका मोबाइल नंबर बंद मिला। पूरी जांच-पड़ताल के बाद जब यह साफ हो गया कि कॉल फर्जी थी, तब जाकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

कॉल करने की वजह तलाश रही पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए रविवार सुबह 11 बजे सरोजनीनगर थाने के उप निरीक्षक निशु चौधरी की तहरीर पर मोबाइल नंबर के आधार पर हृष्ट्रक दर्ज की गई। सर्विलांस की मदद से जब नंबर को ट्रेस किया गया, तो उसकी लोकेशन कानपुर में मिली। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कानपुर के बिधूना क्षेत्र (जयसिंहपुर) निवासी श्याम सुंदर (30 वर्ष, पिता- राज किशोर) को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर फर्जी कॉल करने की वजह जानने में जुटी है।



राजगढ़ में भीषण हादसा... खाटू श्याम के दर्शन को निकले श्रद्धालुओं की कार तालाब में गिरी, 5 की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़। शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पांच परिवारों की खुशियां पलभर में छीन लीं. खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए निकले पांच श्रद्धालुओं की कार राजगढ़ जिले के खुजनेर थाना क्षेत्र के भीलखेड़ी जोड़ के पास अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने तालाब में जा गिरी. हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक, स्विफ्ट कार (MP09 CC 6414) तेज रफ्तार से जा रही थी. भीलखेड़ी जोड़ के पास चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया और कार सीधे तालाब में जा गिरी. देखते ही देखते कार पानी में समा गई और उसमें बैठे श्रद्धालु बाहर नहीं निकल सके. हादसे की खबर मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. कुछ ही देर में खुजनेर थाना प्रभारी रवि ठाकुर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया.



श्रद्धा की यात्रा कुछ ही पलों में मातम में बदली

परिजनों के अनुसार, शाजापुर जिले के अरंडिया और अरंडिया खुर्द गांव निवासी विनीत तिवारी, कमल किशोर तिवारी, शंकर नाथ जी, अरिजीत और शंकर पटेल शुक्रवार सुबह श्रद्धा और आस्था के साथ खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए अपने गांव से रवाना हुए थे. परिवार ने भगवान के दर्शन कर सकुशल लौटने की कामना के साथ उन्हें विदा किया था. लेकिन रास्ते में राजगढ़ जिले के भीलखेड़ी जोड़ के पास उनकी यात्रा दर्दनाक हादसे में बदल गई. कार तालाब में गिरने के बाद ग्रामीणों ने काफी मशक्कत कर सभी श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और तत्काल खुजनेर अस्पताल पहुंचाया. अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद विनीत तिवारी, कमल किशोर तिवारी, शंकर नाथ जी और अरिजीत को मृत घोषित कर दिया. वहीं, शंकर पटेल में हल्की सांसें चल रही थीं. डॉक्टरों ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन आखिरकार उन्हें भी नहीं बचाया जा सका. हादसे में पांचों श्रद्धालुओं की मौत की खबर जैसे ही उनके गांव पहुंची, परिजनों में कोहराम मच गया. जिन घरों से सुबह भगवान खाटू श्याम के जयकारों के साथ अपने प्रियजनों को विदा किया गया था, वहीं कुछ घंटों बाद चीख-पुकार और मातम का माहौल छा गया. ग्रामीणों का कहना है कि सभी श्रद्धालु धार्मिक यात्रा के लिए बेहद उत्साहित थे. किसी ने भी नहीं सोचा था कि यह यात्रा उनकी जिंदगी की आखिरी यात्रा साबित होगी. एक साथ पांच लोगों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है. फिलहाल, पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई है. हादसे के कारणों की जांच की जा रही है. शुरुआती तौर पर तेज रफ्तार और वाहन के अनियंत्रित होने को दुर्घटना की वजह माना जा रहा है.

गैंगरेप का 50 हजारी आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर, पैर में लगी गोली, एक सिपाही भी जख्मी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सतना। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में 22 जुलाई को देवांगना घाटी में छात्रा से हुए सनसनीखेज सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मुख्य आरोपी जितेंद्र उर्फ भोला को शनिवार शाम एसओजी और बहिलपुरवा पुलिस की संयुक्त टीम ने भरकूप थाना क्षेत्र के मड़था जंगलों में शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी है, जबकि एक पुलिसकर्मी के हाथ में भी गोली लगी है। दोनों को शिवरामपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

10 राउंड की क्रॉस फायरिंग, दो अवैध तमंचे बरामद

चित्रकूट एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार शाम करीब 5 बजे मड़था के जंगलों में आरोपी की घेराबंदी की गई थी। खुद को घिरा देख 50 हजार के इनामी आरोपी जितेंद्र ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ तीन राउंड फायरिंग कर दी, जिससे एक सिपाही घायल हो गया। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई करते हुए 10 राउंड फायर किए। पुलिस की एक गोली आरोपी के पैर में लगी और वह बाइक समेत गिर पड़ा। पुलिस ने उसे दबोचकर उसके पास से दो अवैध तमंचे जब्त किए हैं।



जंगल में बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर की थी दरिंदगी

यह खौफनाक घटना 22 जुलाई को घटी थी। सतना की रहने वाली 20 वर्षीय छात्रा अपने 17 वर्षीय बॉयफ्रेंड के साथ देवांगना घाटी में बैठी थी। तभी एक बाइक पर आए तीन बदमाशों ने खुद को वनकर्मी बताकर दोनों को धमकाया। उन्होंने बॉयफ्रेंड को बेल्ट से पीटकर गमछे से बांध दिया और छात्रा को घसीटकर झाड़ियों में ले जाकर गैंगरेप किया। आरोपी बदहवास पीड़िता को छोड़कर भाग गए थे, जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी के जरिए उनकी पहचान की थी।

घटना स्थल: मड़था के जंगल, भरकूप थाना क्षेत्र (चित्रकूट)

मुख्य आरोपी: जितेंद्र उर्फ भोला (50 हजार का इनामी)

पुलिस कार्रवाई: एसओजी और बहिलपुरवा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शॉर्ट एनकाउंटर

बरामदगी: दो अवैध तमंचे और एक मोटरसाइकिल

घायल: मुख्य आरोपी के पैर में गोली, एक सिपाही भी जख्मी (शिवरामपुर सीएचसी में भर्ती)

पुलिस बोली NEET की छात्रा नही थी

एसपी ने सोशल मीडिया की अफवाहों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट किया कि पीड़िता नीट की तैयारी नहीं कर रही थी, बल्कि वह 12वीं की छात्रा है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को 72 घंटे के भीतर एनकाउंटर में दबोच लिया है। वारदात में शामिल दो अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कॉम्बिंग जारी है।

कान्हा टाइगर रिजर्व से दुखद खबरः ग्रामीण के घर में घुसे तेंदुए की इलाज के दौरान मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर कान्हा टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। रिजर्व के बफर क्षेत्र में आने वाले सिझोरा परिक्षेत्र के ग्राम खटोला में एक ग्रामीण के घर में घुसे तेंदुए की इलाज के दौरान मौत हो गई है। रेस्क्यू के बाद उसे मुक्की वन्यजीव चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था, जहां चिकित्सकीय निगरानी में उसका इलाज चल रहा था। वन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, जब तेंदुआ ग्रामीण के घर में घुसा था, तब रिजर्व की रेस्क्यू टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर उसे ट्रेंकुलाइज किया और सुरक्षित रेस्क्यू किया था। हालांकि, पकड़ने के दौरान ही तेंदुए के शरीर पर चोट के निशान पाए गए थे, जिसके बाद उसे तुरंत प्राथमिक उपचार देकर मुक्की वन्यजीव चिकित्सालय भेज दिया गया था मुक्की वन्यजीव चिकित्सालय के डॉक्टरों की टीम लगातार तेंदुए की सेहत पर नजर बनाए हुए थी और उसका इलाज कर रही थी, लेकिन गंभीर चोटों के चलते शनिवार को उसकी मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा तय की गई मानक संचालन प्रक्रिया का पूरी तरह पालन किया गया।तेंदुए की मौत का कच्चा चिट्ठाः एक नजर में घटना स्थलः ग्राम खटोला, सिझोरा परिक्षेत्र (कान्हा टाइगर रिजर्व) रेस्क्यू की स्थितिः ग्रामीण के घर से सुरक्षित ट्रेंकुलाइज कर पकड़ा गयाइलाज का स्थानः मुक्की वन्यजीव चिकित्सालय मौत का संभावित कारणः शरीर पर आई गंभीर चोटेंअंतिम प्रक्रियाः सक्षम अधिकारियों की मौजूदगी में एनटीसीए नियमों के तहत पोस्टमार्टम और दाह संस्कारपोस्टमार्टम के दौरान डॉक्टरों ने पुष्टि की कि तेंदुए के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं। मौत का प्राथमिक कारण शरीर पर आई पुरानी या रेस्क्यू के वक्त की चोटें माना जा रहा है। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद मृत तेंदुए का नियमानुसार दाह संस्कार कर दिया गया है।कान्हा टाइगर रिजर्व में लगातार वन्यजीवों की मौत होने से चिंता बढ़ गई है। इस क्षेत्र में बाघों और अन्य वन्यजीवों की मौतों के मामलों को लेकर पहले ही मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की जा चुकी है



अंग्रेजी के 'A' ने खोला राज, जिसे एक्सीडेंट समझा, वो निकली खौफनाक हत्या की साजिश

पुरानी रंजिश बनी छह जिंदगियों की दुश्मन, पुलिस की टेक्निकल जांच ने मर्डर प्लॉट का किया पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नरसिंहपुर। जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शुरुआत में जिसे पुलिस एक सामान्य और दर्दनाक सड़क दुर्घटना मानकर जांच कर रही थी, वह असल में एक सुनियोजित मर्डर प्लॉट निकला। वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों (टेक्निकल एविडेंस) ने इस पूरे मामले की परतें खोलकर रख दी हैं। नरसिंहपुर के एसपी ऋषिकेश मीणा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि यह साजिश सिर्फ एक शख्स को रास्ते से हटाने के लिए रची गई थी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि उस टारगेट के पास खड़े पांच अन्य लोगों की भी इस खूनी खेल में जान चली गई। जो घटना पहले महज एक सड़क हादसा लग रही थी, वह पुलिस की कड़ी जांच के बाद एक सोची-समझी हत्या की साजिश साबित हुई।

पुरानी रंजिश और मुखबिरों का जाल

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि मुख्य आरोपी राजेंद्र और आनंद पटेल के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। आरोप है कि इस दुश्मनी को पूरा करने के लिए राजेंद्र पर लगातार नजर रखी जा रही थी। आनंद ने उसके मूवमेंट पर नजर रखने और हर पल की लोकेशन शेयर करने के लिए कई गुर्गों को तैनात कर रखा था, ताकि सही मौका मिलते ही हमला किया जा सके।



मर्डर मिस्ट्री का कच्चा चिट्ठाः एक नजर में

खुलासा करने वाले अधिकारी: एसपी ऋषिकेश मीणा, नरसिंहपुर

शुरुआती मामला: सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

असली सच्चाई: राजेंद्र और आनंद पटेल की रंजिश का नतीजा, एक शख्स को मारने की साजिश

बड़ा सुराग (क्लू): आरोपी ट्रक के मोनोग्राम से टूटा हुआ अंग्रेजी का 'A' अक्षर

नतीजा: तकनीकी और वैज्ञानिक जांच से बेनकाब हुआ सुनियोजित मर्डर प्लॉट

ट्रक का टूटा हुआ अक्षर बना सबसे बड़ा सबूत

इस अंधे कत्ल और हादसे की गुत्थी को सुलझाने में पुलिस के लिए सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट दुर्घटनास्थल पर मिला एक छोटा सा सुराग साबित हुआ। जांचकर्ताओं के मुताबिक, मौके पर मिले आरोपी के ट्रक के मोनोग्राम से टूटा हुआ अंग्रेजी का 'A' अक्षर वह अहम क्लू था, जिससे कातिल गाड़ी की पहचान हो सकी और पुलिस इस सनसनीखेज साजिश की तह तक पहुंच गई।

टीआई ने 50 के स्टाम्प पर लिखा- आजीवन न नशा लूंगा और न गाली दूंगा, नियम तोड़ा तो छोड़ दूंगा नौकरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी अजाक थाना प्रभारी आचार्य डॉ. रणजीत सिंह रघुवंशी ने 50 रुपये के स्टाम्प पर शपथपत्र देकर आजीवन नशामुक्त और गाली-मुक्त रहने का संकल्प लिया है। नियम टूटने पर उन्होंने खुद को नौकरी से हटाने की बात कही है।शिवपुरी जिले से पुलिस महकमे के भीतर से एक बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायी खबर सामने आई है। यहां के अजाक थाने के प्रभारी आचार्य डॉ. रणजीत सिंह रघुवंशी ने समाज के सामने एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी चर्चा पूरे जिले में हो रही है। उन्होंने पूरी तरह स्वेच्छा से आजीवन नशामुक्त और गाली-मुक्त जीवन जीने का कड़ा संकल्प लिया है।डॉ. रघुवंशी ने 23 जुलाई 2026 को 50 रुपये के गैर-न्यायिक स्टाम्प पर एक ऐतिहासिक शपथपत्र जारी किया है। इस हलफनामे में उन्होंने साफ शब्दों में लिखा है कि वे चाय, कॉफी, बीड़ी, सिगरेट, मदिरा, मांस, मछली और अंडे समेत किसी भी प्रकार के नशे या व्यसन का सेवन नहीं करते हैं और अपनी अंतिम सांस तक ऐसा कोई काम नहीं करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी प्रण लिया है कि वे जिंदगी में कभी किसी भी व्यक्ति के लिए अपशब्द या गाली का इस्तेमाल नहीं करेंगे। इस शपथपत्र की सबसे खास और चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें खुद टीआई ने अपने ऊपर कड़ा अनुशासन लागू किया है। हलफनामे में उल्लेख किया गया है कि यदि भविष्य में उनकी किसी भी घोषणा का उल्लंघन साबित होता है, तो पुलिस विभाग यदि उन्हें नौकरी से बर्खास्त भी करता है, तो उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं होगी।अधिकारी का नामः आचार्य डॉ. रणजीत सिंह रघुवंशी (थाना प्रभारी, अजाक थाना, शिवपुरी) शपथ की तारीखः 23 जुलाई 2026माध्यमः 50 रुपये का गैर-न्यायिक स्टाम्प पेपर मुख्य संकल्पः आजीवन नशामुक्त, मांसाहार मुक्त और पूरी तरह गाली-मुक्त जीवनबड़ी शर्तः नियम टूटने पर पुलिस विभाग द्वारा सेवा से हटाने पर भी पूर्ण सहमति समाज और पुलिस विभाग के लिए बड़ा संदेश डॉ. रणजीत सिंह रघुवंशी का यह कदम न केवल पुलिस विभाग के भीतर बल्कि आम समाज के लिए भी एक बड़ा उदाहरण बन गया है। उनका मानना है कि एक पुलिस अधिकारी का आचरण हमेशा समाज के लिए प्रेरणादायी होना चाहिए। जब तक अधिकारी और कर्मचारी खुद संयमित और नशामुक्त जीवन नहीं जिएंगे, तब तक एक स्वस्थ और आदर्श समाज का निर्माण संभव नहीं है। उनकी इस पहल ने साबित कर दिया है कि अगर नीयत साफ हो, तो खाकी वर्दी के भीतर रहकर भी उच्च नैतिक मूल्यों की मिसाल कायम की



महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
27 जुलाई 2026

दिल्ली पुलिस ने पल्ला झाड़ा, पैलेट गन विवाद की जांच जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली । 20 जुलाई को जंतर मंतर पर स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान भड़की हिंसा के बीच कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। घटना के 6 दिन बाद भी इसकी अकाउंटेबिलिटी किसी भी फोर्स की तरफ से नहीं ली गई है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम की कई स्तरों पर जांच शुरू हो चुकी है। एक ओर दिल्ली पुलिस ने साफ कहा है कि उसके पास पैलेट गन उपलब्ध नहीं है और प्रदर्शन के दौरान उनका इस्तेमाल नहीं किया गया। दूसरी ओर घटना के समय RAF के जवान दिल्ली पुलिस के साथ तैनात थे। CRPF ने RAF के महानिरीक्षक को पूरे घटनाक्रम की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए है।शुरुआती जांच में ड्यूटी रिकॉर्ड, तैनाती, वायरल विडियो, चश्मदीदों के बयान और SOP के पालन की समीक्षा की जा रही है। दूसरी ओर मेडिकल साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान अलग तस्वीर पेश कर रहे हैं। ऐसे में अब CRPF ने अपनी विशेष दंगा-रोधी यूनिट रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की भूमिका की आंतरिक जांच शुरू कर दी है। सभी की नजर RAF की इसी इंटरनल इन्क्वायरी और पुलिस की फरेंसिक जांच रिपोर्ट पर टिकी है, जिनसे इस विवाद की वास्तविक तस्वीर सामने आने की उम्मीद है। उधर, दिल्ली पुलिस ने आरोपों से खुद को अलग करने के लिए कहा है उसके पास पैलेट गन ही नहीं है।दिल्ली ने पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े आंदोलन देखे हैं। शाहीन बाग से लेकर किसान आंदोलन तक पुलिस ने लंबी और जटिल कानून-व्यवस्था की परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि जंतर-मंतर पर CJP का 37 दिन तक चला आंदोलन कई मायनों में अलग और अधिक चुनौतीपूर्ण साबित हुआ।ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के मुताबिक, इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि शुरुआत से ही पुलिस को प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रति अधिकतम संयम बरतने और किसी भी स्थिति में अनावश्यक बल प्रयोग से बचने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के अनुसार, स्थिति 20 जुलाई को अचानक बदल गई।

खुल गए हैं दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशन, DMRC ने एंट्री-एग्जिट को लेकर दे दिया बड़ा अपडेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रोटेस्ट समाप्त होने के बाद अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। दिल्ली मेट्रो ने इस बीच अहम फैसला लिया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने रविवार को ऐलान किया कि दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी स्टेशनों पर नॉर्मल ऑपरेशन फिर से शुरू हो गए हैं। यात्रियों के लिए सभी स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट सर्विस फिर से शुरू कर दी गई हैं। इससे पहले डीएमआरसी ने शनिवार को अगली सूचना तक 18 मेट्रो स्टेशनों को कुछ समय के लिए बंद करने की घोषणा की थी।डीएमआरसी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रविवार को पोस्ट किया गया। इसमें बताया गया कि दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी स्टेशन यात्रियों की सेवा के लिए (आने और जाने, दोनों के लिए) खुले हैं। इससे पहले अधिकारियों ने वीकेंड में सेंट्रल दिल्ली के खास स्टेशनों पर पाबंदियां धीरे-धीरे हटाई हैं। शनिवार शाम को डीएमआरसी की ओर से यात्रियों को जानकारी दी गई थी कि जनपथ मेट्रो स्टेशन के एंट्री गेट फिर से खोल दिए गए हैं। इससे पहले, इसने राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों पर एंट्री सर्विस फिर से शुरू करने की घोषणा की, जो नॉर्मल ऑपरेशन के धीरे-धीरे बहाल होने का संकेत है।डीएमआरसी ने नीट पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर के पास बढ़ते विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से सेंट्रल दिल्ली के कई स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट सर्विस को कुछ समय के लिए रोका था। डीएमआरसी ने शनिवार को अगली सूचना तक 18 मेट्रो स्टेशनों को कुछ समय के लिए बंद करने की घोषणा की थी। जिन स्टेशनों पर असर पड़ा था, उनमें लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम, झंडेवालान और नई दिल्ली शामिल थे।धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद स्थिति सामान्य होने पर मेट्रो स्टेशनों के एंट्री और एग्जिट सर्विस को खोला गया है।

प्रहलाद जोशी ने शिक्षा मंत्री का पदभार संभाला, कहा- विनम्रता के साथ इस जिम्मेदारी को स्वीकार करता हूं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई ।नई दिल्लीः नए बने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने अपना पद संभाल लिया है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. धर्मेंद्र प्रधान के शनिवार को पद से इस्तीफा देने के बाद जोशी को शिक्षा मंत्री बनाया गया. जोशी को कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्टर के तौर पर उनकी भूमिका के अलावा शिक्षा मंत्रालय का एडिशनल चार्ज भी दिया गया है. नीट पेपर लीक विवाद को लेकर देश भर में कॉकरोच जनता पार्टी की अगुवाई में हुए स्टूडेंट प्रोटेस्ट के बाद प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था. अपने इस्तीफे में धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह उनके लिए 'व्यक्तिगत प्रतिष्ठा' का मामला नहीं है, और पिछले 10 दिनों में हुई घटनाओं को देखकर वह परेशान हैं.शनिवार रात रिपोर्टर्स से बात करते हुए प्रहलाद जोशी ने कहा कि उन्होंने ड्यूटी और विनम्रता के साथ जिम्मेदारी स्वीकार की है. उन्होंने कहा, 'मुझे अभी पता चला है कि प्रधानमंत्री ने मुझे एक जिम्मेदारी दी है. मैं ड्यूटी और विनम्रता के साथ इस जिम्मेदारी को स्वीकार करता हूं.'जोशी ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के पिछले 12 सालों में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं. पिछले चार से पांच सालों में धर्मेंद्र प्रधान ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी भी लागू की, और कई महत्वपूर्ण पहल की. उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री के गाइडेंस में मैं अपनी पूरी काबिलियत से काम करने और अपनी जिम्मेदारियों को पूरी लगन से पूरा करने की कोशिश करूंगा.'प्रहलाद जोशी को एजुकेशन मिनिस्ट्री का एडिशनल चार्ज मिलने पर कॉकरोच जनता पार्टी के चीफ स्पोक्सपर्सन सौरव दास ने चेतावनी दी कि जो कोई भी एजुकेशन मिनिस्टर बन रहा है, उसे यह समझना चाहिए कि युवा करीब से देख रहे हैं. सौरव दास ने कहा, 'हमारी चिंताओं और मांगों पर ध्यान दिया गया है. वे मांगें पूरे देश के युवाओं के साथ जुड़ीं, यही वजह है कि इस मूवमेंट को देश भर में सपोर्ट मिला.'उन्होंने कहा, 'जो कोई भी एजुकेशन मिनिस्टर बने उसे पता होना चाहिए कि युवा देख रहे हैं. वे अकाउंटेबिलिटी की मांग करेंगे. इसलिए जब समय आएगा, युवाओं के हित में काम करेंगे.' सौरव ने पेपर लीक रोकने और सरकार से डिमांड चार्टर में बताए गए पांच पॉइंट्स को लागू करने की युवाओं की मांगों को दोहराया. उन्होंने आगे बताया कि वे 'बहुत जल्द' नए एजुकेशन मिनिस्टर से मिलेंगे. उन्होंने आगे कहा, 'सरकार ने एक महीने के अंदर मीटिंग करने का वादा किया है, और फिर हम देखेंगे कि क्या होता है.'

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा दिल्ली की सत्ता के गलियारों के लिए सबसे बड़ा झटका क्यों बना?

मोदी सरकार पहली बार एक बड़े आंदोलन के आगे झुकी...

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। केंद्रीय राजनीति के इतिहास में एक ऐसी घटना हुई है जिसने दिल्ली में सत्ता के समीकरणों को हिलाकर रख दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा सिर्फ़ एक मंत्री का इस्तीफ़ा नहीं है, बल्कि इसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए अब तक का सबसे बड़ा नैतिक और राजनीतिक झटका माना जा रहा है। एक दशक से ज़्यादा के शासनकाल में यह पहली बार है जब सत्ताधारी पार्टी के किसी मंत्री को एक बड़े जन-आंदोलन और छात्रों के आक्रोश के आगे झुककर इस्तीफ़ा देना पड़ा है।

'अजेय' छवि को बड़ा झटका

मोदी सरकार की पहचान अब तक ऐसी रही है कि वह किसी भी विरोध, विपक्ष के हंगामे या आंदोलन के बीच भी अपने फ़ैसलों या नेताओं का बचाव करती रही है। देश में पहले भी कई बड़े आंदोलन हुए हैं, लेकिन आंदोलन के दबाव में कैबिनेट के किसी सदस्य का इस्तीफ़ा नहीं लिया गया। लेकिन नीट पेपर लीक और परीक्षा घोटाले के बाद, देश भर में छात्रों और युवा शक्ति द्वारा सड़कों पर उतरकर अपनाए गए आक्रामक रुख ने सरकार को बचाव की मुद्रा में ला खड़ा किया। छात्रों और कई संगठनों के विरोध-प्रदर्शन के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा जिस तरह सामने आया है, उसने यह साबित कर दिया है कि जब जनता का गुस्सा हद पार कर जाता है, तो सत्ता की कुर्सियाँ भी डगमगाने लगती हैं।

इस घटना को 'गेम चेंजर' क्यों माना जाएगा?

1. युवा शक्ति की जीतः देश के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ हुई गड़बड़ी के ख़िलाफ़ उठाई गई आवाज़ आख़िरकार दिल्ली के सत्ता के गलियारों तक पहुँची। इस घटना ने साबित कर दिया कि अगर छात्र और युवा एकजुट हों, तो वे केंद्र सरकार पर भी दबाव बना सकते ह ।
2. विपक्ष को मिला नया संजीवनी बूस्टरः अब तक विपक्षी दल सरकार के ख़िलाफ़ मुद्दे तो उठा रहे थे, लेकिन वे सरकार से कोई बड़ा इस्तीफ़ा लेने में नाकाम रहे थे। अब धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े के साथ, विपक्ष को अन्य मुद्दों पर भी सरकार को घेरने के लिए एक बड़ा हथियार मिल गया है। 3. सरकार के लिए 'चेतावनी का संकेत': सत्ता के गलियारों में इस घटना को भविष्य के लिए एक बड़े संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अब से, सरकार के लिए जनता के विरोध को नज़रअंदाज़ करना या आंदोलनों को हल्के में लेना आसान नहीं होगा।

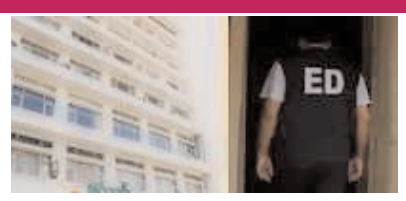
इसका भविष्य की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा?

शिक्षा मंत्रालय में हुई इस घटना और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े के बाद, अब दूसरे मंत्रालयों में भी जवाबदेही का मुद्दा ज़ोर पकड़ेगा। इस फ़ैसले ने मोदी सरकार की 'कभी न झुकने वाली' छवि को तोड़ दिया है और यह साफ़ कर दिया है कि लोकतंत्र में असली ताक़त सिर्फ़ जनता की आवाज़ में ही होती है।

मुंबई में प्रभुदास वीरचंद लोटिया की 332 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त

ED ने बांद्रा में 'होटल रंगशारदा' और प्रभादेवी में जमीन का एक टुकड़ा जब्त किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने प्रभुदास वीरचंद लोटिया और अन्य के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है। इस आदेश में लगभग 332.24 करोड़ रुपए के कुल मूल्य की 2 अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है। कुर्क की गई संपत्तियों में मुंबई के बांद्रा स्थित होटल रंगशारदा और मुंबई के प्रभादेवी में स्थित एक भूमि का टुकड़ा शामिल है, जो मेसर्स रंग शारदा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के कब्जे और नियंत्रण में हैं।मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की। यह एफआईआर रंग शारदा प्रतिष्ठान के ट्रस्टियों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर आधारित थी। शिकायत में प्रभुदास वीरचंद लोटिया और मेसर्स रंग शारदा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड पर धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप लगाए गए थे।

क्या है पूरा मामला आरोप है कि म्हाडा ने 'रंग शारदा प्रतिष्ठान ट्रस्ट' को मराठी थिएटर, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए रियायती दर पर ज़मीन का एक टुकड़ा आवंटित किया था। लेकिन आरोपियों ने इसका व्यावसायिक इस्तेमाल करके गलत फायदा उठाया। श्वष्ठ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है। यह जांच बांद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज FIR के आधार पर की जा रही है, जो 'रंग शारदा प्रतिष्ठान' के ट्रस्टियों की शिकायत पर दर्ज की गई थी। ट्रस्टियों ने लोटिया और 'रंग शारदा होटल्स' पर धोखाधड़ी और विश्वासघात का आरोप लगाया था।ED ने कहा कि जांच के दौरान उन्हें पता चला कि लोटिया ने 'रंग शारदा होटल्स' के ज़रिए ट्रस्ट को आवंटित जमीन पर गलत तरीके से कब्ज़ा किया और उसका नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। साथ ही, उन्होंने आवंटन की शर्तों और जरूरी मंजूरियों का उल्लंघन करते हुए उस ज़मीन का व्यावसायिक इस्तेमाल किया।

जांच में क्या आया सामने जांच में यह भी सामने आया है कि मेसर्स रंग शारदा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड ने ट्रस्ट को नाटक थिएटर और कलाकारों के आवास सौंपने में विफल रहने के बजाय, आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त किए बिना ही संपत्ति का उपयोग होटल, लॉजिंग हाउस, रेस्तरां, शराब बार, बैंक्वेट हॉल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालन के लिए किया। इसके अलावा, प्रभुदास वीरचंद लोटिया ने मेसर्स रंग शारदा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से रंग शारदा प्रतिष्ठान ट्रस्ट को आवंटित भूमि पर व्यावसायिक परिसरों की अनधिकृत बिक्री करवाई और उस आय का उपयोग मुंबई के प्रभादेवी में एक अन्य संपत्ति खरीदने के लिए किया।

NEET UG पेपर लीक केस में राउज एवेन्यू की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी पहली सुनवाई

दिनेश-विकास ने दायिर की थी याचिका

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली।देशभर में चर्चित NEET UG 2026 पेपर लीक मामले में सोमवार को बड़ा न्यायिक घटनाक्रम होने जा रहा है। दिल्ली के राउज एवेन्यू स्थित विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट में इस मामले की पहली सुनवाई होगी। यह अदालत सार्वजनिक परीक्षा (गलत तरीकों से बचाव) अधिनियम, 2024 के तहत गठित की गई है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक जैसे मामलों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करना है।इस पहली सुनवाई में अदालत का मुख्य फोकस मामले में गिरफ्तार आरोपियों दिनेश बिवाल और विकास बिवाल की जमानत याचिका पर रहेगा। दोनों आरोपियों को NEET UG 2026 प्रश्नपत्र लीक करने की साजिश में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसियों का दावा है कि पेपर लीक नेटवर्क की जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर कार्रवाई की गई।राउज एवेन्यू में स्थापित यह विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट सार्वजनिक परीक्षा (गलत तरीकों से बचाव) अधिनियम, 2024 लागू होने के बाद ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए बनाई गई पहली विशेष अदालतों में शामिल है। इस कानून के तहत परीक्षा में धांधली, पेपर लीक, संगठित नकल और अन्य अनियमितताओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी सजा और त्वरित न्याय का प्रावधान किया गया है। सोमवार की सुनवाई इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह इस हाई-प्रोफाइल मामले में स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट की पहली न्यायिक कार्यवाही होगी। अदालत आरोपियों की जमानत पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनेगी और जांच एजेंसी द्वारा पेश किए गए साक्ष्यों पर भी विचार करेगी। यदि आवश्यक हुआ तो कोर्ट आगे की सुनवाई की तारीख और ट्रायल की प्रक्रिया को लेकर भी निर्देश जारी कर सकती है। NEET UG देश की सबसे महत्वपूर्ण मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जिसमें हर वर्ष लाखों छात्र-छात्राएं शामिल होते हैं। ऐसे में पेपर लीक के आरोप सामने आने के बाद परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे थे। अब इस मामले की सुनवाई विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट में शुरू होने से उम्मीद की जा रही है कि जांच और न्यायिक प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी तथा दोषियों के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी।

पुणे में ताबड़तोड़ क्राइम के बाद चला कमिश्नर का डंडा, कई पुलिसवाले ट्रांसफर, देखिए किसे कहां मिली पोस्टिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुणे । खड़क पुलिस स्टेशन के इलाके में कई बार गोलीबारी की घटनाओं के बाद, पुणे शहर के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने खड़क पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर और क्राइम ब्रांच के अधिकारियों का तबादला कर दिया। आदेश के मुताबिक, इन अधिकारियों को पुलिस कंट्रोल रूम में भेजा गया है। इसके अलावा दूसरे पुलिसवालों के भी ट्रांसफर किए गए हैं। घोरपड़े पेठ पुलिस चौकी के बाहर मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने गोली चलाई, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया, जबकि उसका दोस्त बाल-बाल बच गया। घायल व्यक्ति, गणेश पेठ के रहने वाले ख्वाजाउद्दीन शेख (29) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध पिछले कुछ महीनों से उसकी तलाश में थे।

दो गुटों में हुआ था मामला

एक अलग मामले में शुक्रवार शाम करीब 6 बजे लोहियानगर में नाबालिगों ने दो बार गोली चलाई। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। खड़क पुलिस ने शनिवार को बताया कि नाबालिगों के दो गुटों के बीच करीब तीन महीने पहले हुए एक क्रिकेट मैच को लेकर झगड़ा हुआ था। एक गुट ने दूसरे गुट को सबक सिखाने का फैसला किया और उस गुट के एक सदस्य ने बंदूक लाने के लिए मध्य प्रदेश का दौरा किया। पुलिस ने इस मामले में नाबालिगों को हिरासत में लिया है।

6 पुलिसवाले हुए ट्रांसफर पुणे पुलिस आयुक्तालय ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से छह पुलिस निरीक्षकों के अंतरिम तबादले किए हैं। यह निर्णय महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 22 के तहत शनिवार को आयोजित पुणे शहर पुलिस स्थापना मंडल की बैठक में लिया गया। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने तबादलों से संबंधित आदेश जारी किए हैं। पुलिस प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, विभिन्न पुलिस थानों और शाखाओं में कार्यरत अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि वे तत्काल प्रभाव से नई तैनाती वाले स्थानों पर कार्यभार संभालें और इसकी अनुपालन रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को प्रस्तुत करें।

अजित महादेव जाधव का ट्रांसफर

पहले आदेश के तहत शशिकांत भरत चव्हाण, जो खड़क पुलिस स्टेशन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के पद पर कार्यरत थे, उन्हें पुलिस नियंत्रण कक्ष में पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं, अपराध शाखा में तैनात अजित महादेव जाधव का तबादला पुलिस नियंत्रण कक्ष में किया गया है।

अंजुम कासिम बागवान क्राइम ब्रांच में

इसके अलावा यातायात शाखा में कार्यरत धनंजय विठ्ठल पिंगळे को खड़क पुलिस स्टेशन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के पद पर पदस्थ किया गया है। उन्हें अब थाने की कानून-व्यवस्था और पुलिस संचालन की जिम्मेदारी संभालनी होगी। दूसरे आदेश के अनुसार, अंजुम कासिम बागवान को येरवडा पुलिस स्टेशन से अपराध शाखा में स्थानांतरित किया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बड़ी लापरवाही की भेंट चढ़ा मासूम , सोसाइटी के बने ग` में डूब कर मौत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/नोएडा ।ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बड़ी लापरवाही सामने आयी है. यहां सोसाइटी कला धाम के अंदर खोदा गया गड्ढें जिसकी गहराई करीब 10 से 15 फीट है. इस गहरे गड्ढें में गिरकर 6 साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई.जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया. वहीं सोसायटी वाले काफी डरे हुए है. नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में हुए इस घटना के बाद मौके पर एसडीएम और पुलिस अधिकारी पहुंचे.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.लापरवाही के गड्ढें में गिर कर 6 साल के मासूम की मौतः बताया जै रहा है कि 6 साल के मासूम की जान केवल प्राधिकरण और प्राधिकरण के ठेकेदार की बड़ी लापरवाही की भेंट चढ़ गया. यहां मौके पर कोई सेफ्टी उपकरण भी उपलब्ध नहीं था. जिसके चलते गड्ढें में भरे पानी में डूब कर बच्चे की मौत हो गई. डीसीपी, एडीसीपी, एसडीएम पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना को लेकर पुरी जानकारी हासिल की.ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बड़ी लापरवाही भेंट चढ़ा मासूम सोसाइटी में रहने वाले मौके पर पहुंचे युवक ने दी जानकारीः सोसाइटी में रहने वाले प्रांजल ने बताया कि जिस मासूम बच्चे की डूब कर मौत हुई है, उसके संबंध में मौके पर खेल रहे बच्चों ने हमें जानकारी दी और हम सोसाइटी के कुछ लोग मौके पर रेस्क्यू करने गए, पर तब तक बच्चा डूब चुका था और उसे लेकर हम अस्पताल गए, जहां डॉक्टर द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया. एडीएम सदर आशुतोष गुप्ता ने बताया कि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्रान्तर्गत एक बच्चा कलाधाम कालोनी नॉलेज पार्क 2 में खोदे हुये गड्ढे में अचानक गिर गया. गड्ढा जिसमें पानी भरा हुआ था जिसमें डूब कर बच्चा अचेत हो गया. बच्चे के परिजनों द्वारा उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया. उक्त सूचना पर तत्काल थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है. पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत करते हुये अग्रिम विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है. पीड़ित परिवार द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच करने की बात कह रही है. पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत करते हुये अग्रिम विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है. पीड़ित परिवार द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच करने की बात कह रही है.

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जश्न मनाने उमड़ा युवाओं का सैलाब, उद्धव बोले- वोट चुराए जा सकते हैं, लोग नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जश्न मनाने के लिए रविवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में बड़ी संख्या में युवा राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के पोस्टर लेकर एकत्र हुए। छात्रों और कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों के समर्थन में यह संयुक्त 'तिरंगा' मार्च शिवसेना (यूबीटी) और मनसे द्वारा आयोजित किया गया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचकर सीजेपी के आंदोलन का समर्थन किया था। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे भी कुछ दिन पहले शिवाजी पार्क पहुंचे थे और उन्होंने छात्रों से 26 जुलाई के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया था। शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद ठाकरे परिवार ने कहा था कि रविवार को प्रस्तावित 'तिरंगा' सभा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी, ताकि देशभर के युवाओं का आभार व्यक्त किया जा सके। **उद्धव ने भरी हुंकार**

छात्रों को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह प्रदर्शन बीजेपी के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई की शुरुआत है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया है कि वोट चुराए जा सकते हैं, लेकिन लोग नहीं। उद्धव ने कहा कि युवाओं ने अपनी एकता का प्रदर्शन करते हुए भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 'स्वर्णिम अध्याय' लिखा है। उन्होंने कहा कि छात्रों का यह आंदोलन अब देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का रूप ले चुका है। लोग हमसे पूछते हैं कि जब चुनाव में अभी तीन साल का समय बचा है तो हम इस बारे में बात क्यों कर रहे हैं। इसका जवाब सीधा है। मोदी को अब यह अहसास हो चुका है कि वोट चुराए जा सकते हैं, लेकिन लोग नहीं।

देशभक्तों ने अंधभक्तों को हरा दिया उन्होंने दावा किया कि आज कोई चुनाव नहीं जीता गया है। देशभक्तों ने अंधभक्तों को हरा दिया है। यह एक बड़े संघर्ष की शुरुआत है। यह लड़ाई भाजपा और भारत के बीच है। उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी से कहना चाहता हूं कि अब देश पर ध्यान देने का समय आ गया है। आपके मंत्री राजनीतिक दलों को तोड़ने में व्यस्त हैं। उनसे कहिए कि वे देश के लिए काम करना शुरू करें। परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए उद्धव ठाकरे ने सवाल किया कि मैं प्रधानमंत्री मोदी से पूछना चाहता हूं कि अपने पसंदीदा धर्मेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाना कितना पीड़ादायक था? क्या यह पीड़ा उस पीड़ा से बड़ी थी जो उन छात्रों के परिवारों ने तब सही जब उनके बच्चों ने अपनी जान **दी थी?**

शिनोर तालुका में 'जनता के समर्पण पर ग्रहण': 40 लाख रुपये की स्कूल बिल्डिंग



महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिनोर। एक तरफ सरकार 'सौनो साथ, सौनो विकास' के बोर्ड लगाकर करोड़ों रुपये खर्च करके प्रचार कर रही है, लेकिन वडोदरा जिले के शिनोर तालुका में सरकार के इस दावे की पोल खुल गई है। 'महानगर मेट्रो न्यूज़' की एक कड़ी रिपोर्ट ने शिनोर तालुका की एक कड़वी और शर्मनाक सच्चाई सामने लाई है, जहाँ जनता के टैक्स के पैसे से करोड़ों रुपये की लागत से बनी आंगनवाड़ी, पंचायत घर और प्राइमरी स्कूल की बिल्डिंगें पूरी तरह बनकर तैयार हैं, लेकिन ढह रही हैं! वजह सिर्फ इतनी है कि किसी नेता या अधिकारी के पास रिबन काटने की 'खाली फुर्सत' नहीं है!

1. मंजरोल गांव: बने-बनाए नंदघर में कुत्ते, किराए के मकान में कैद आवारा कुत्ते!

शिनोर के मंजरोल गांव में जलाराम मंदिर के पास सभी सुविधाओं वाला नया 'नंदघर' (आंगनवाड़ी) बनाया गया है। लेकिन प्रशासन और नेताओं की घोर अनदेखी के कारण करीब 15 छोटे मासूम बच्चे आज भी बहुत ही तंग और असुविधाजनक किराए के मकान में खेलने और पढ़ने को मजबूर हैं।

शर्मनाक मंजर: जहां नंदघर में बच्चों को चहकना चाहिए, वहां कुत्ते दरवाजे पर बैठकर बच्चों का इंतजार कर रहे हैं! क्या सरकार के पौष्टिक भोजन और बाल विकास के दावे सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं?

2. अवाखल गांव: पंचायत टूटी-फूटी बिल्डिंग में, नई बिल्डिंग 3 महीने से धूल फांक रही है!

अवाखल गांव में पंचायत घर कम तलाटी-कम-मंत्री आवास की नई बिल्डिंग पिछले 3 महीने से बनकर तैयार है। दूसरी तरफ, ग्राम पंचायत का काम एक बहुत ही जर्जर, टूटी-फूटी और कभी भी गिरने वाली बिल्डिंग में चल रहा है। कानून-व्यवस्था की बात करने वाले बाबुओं और नेताओं को इस नई बिल्डिंग का उद्घाटन करने का समय नहीं मिलता। क्या उद्घाटन किसी बड़े हादसे के बाद ही होगा?

3. मांडवा गांव: 40 लाख रुपये का नया स्कूल बनकर तैयार, मंडप के खर्च के बावजूद MLA नहीं आए

साल 2025-26 में समग्र शिक्षा अभियान के तहत मांडवा गांव में 40 लाख रुपये की भारी लागत से एक नई प्राइमरी स्कूल बिल्डिंग बनाई गई। उद्घाटन 25 जून को 'स्कूल प्रवेश उत्सव' के मौके पर होना था।

सिटी कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्यवाही



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव छत्तीसगढ़। राजनांदगांव जिले के थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने पैसों के लेन-देन के नाम पर सुनियोजित धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और भारी ब्याज वसूलने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों द्वारा पीड़ित पक्ष की गिरवी जमीन को धोखे से अपने नाम पर रजिस्ट्री कराकर, ब्लैंक चेक के जरिए झूठे मामले दर्ज कराने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों निर्मल चंद कोठारी पिता उमेद चंद कोठारी उम्र 58 वर्ष नलिन चंद कोठारी पिता उमेद चंद कोठारी 54 वर्ष निवासी कामठी लाईन थाना कोतवाली राजनांदगांव को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया की शिकायतकर्ता रोहित कुमार साहू (उम्र 46 वर्ष, निवासी पार्टीकला, थाना कोतवाली, राजनांदगांव) ने दिनांक 26.07.2026 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 25 नवंबर 2021 को उनके पिता आनंद राम साहू को पैसों की आवश्यकता थी। इस दौरान उन्होंने अपनी स्वामित्व की भूमि (खसरा नंबर 138/6, रकबा 40 डिसमिल) निर्मल कोठारी के पास गिरवी रखी थी। इसके एवज में निर्मल कोठारी से 2 प्रतिशत मासिक ब्याज की दर पर 5,11,000/- रुपये प्राप्त किए गए थे।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की संपत्ति होगी जब्त: सीएम योगी आदित्यनाथ

फतेहपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पेपर लीक वाला नकल माफिया इन्हीं दलों की विरासत है, जिसे मिट्टी में मिला दिया जाएगा। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं- जेल या जहन्नुम।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नकल माफिया के खिलाफ ऐसा सख्त कानून ला रही है, जिसके तहत दोषियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और ?10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहपुर सदर और अयाह-शाह विधानसभा क्षेत्रों के लिए ?489 करोड़ से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही 'जय श्रीराम', 'मोदी-योगी जिंदाबाद' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉल्स पर लोगों से बातचीत की तथा बच्चों को गोद में लेकर दुलार किया, उन्हें तिलक लगाया और खिलौने भेंट किए।

कोई नहीं रोक सकता नकल माफिया को मिट्टी में मिलने से : अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने युवाओं का शोषण किया, छात्रों के सामने अंधकारमय जीवन खड़ा



किया, पूरी की पूरी पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहाने का काम कर रही हैं। हम प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं, जिन्होंने छात्रों के भविष्य को देखते हुए पिछले तीन दिनों में बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं। ये नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे, कोई रोक नहीं सकता इन माफिया को मिट्टी में मिलने से। ये नकल माफिया कांग्रेस व सपा की विरासत हैं। इन्होंने ही माफिया को पाला-पोसा और संरक्षण दिया था।

पेपर लीक पर पीएम मोदी जी ने उठाए कड़े कदम : मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा समय सीमा के भीतर कराई गई, ताकि छात्रों का पूरा वर्ष खराब न हो, और निर्धारित समय सीमा में उसका परिणाम भी घोषित कर दिया गया। कुछ माफिया ने प्रश्नपत्र लीक कराया था, उनकी गिरफ्तारी हुई और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के तमाम अधिकारियों को बर्खास्त किया गया। कुछ लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनकी संपत्तियां जब्त होंगी और उन्हें सजा मिलेगी। ये छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर पीएम मोदी जी द्वारा उठाए गए कड़े कदम हैं। मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं और आभार व्यक्त करता हूं।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी जी ने छात्रों व युवाओं के लिए पिछले 12 वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री स्टार्टअप योजना और प्रधानमंत्री स्टैंडअप योजना के माध्यम से भारत के नौजवानों में आशा की नई किरण जगाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति देकर नौजवानों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का अवसर दिया। आज भारत के नौजवानों को दुनिया में सम्मान मिलता है। मोदी जी ने युवाओं को एक वर्ष में 12 लाख सरकारी नौकरियां दीं और गत 12 वर्षों में करोड़ों युवाओं को रोजगार के अवसर देकर उनके जीवन को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर किया है। आज जब युवाओं के मन में कुछ कसक थी, तब पीएम स्वयं सामने आए, युवाओं के साथ संवाद किया और संसद में सख्त कानून लाने के लिए कैबिनेट से नए अधिनियम के मसौदे को पारित कराया, यह अभिनंदनीय है।

माफिया पर नकेल कसी और दीं 9 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां : मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यूपी के नौजवानों से कहना चाहता हूं कि जिसने छात्रों व युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, उस माफिया के लिए दो ही जगह होंगी- जेल या जहन्नुम। माफिया के बाप-दादा की कमाई गई संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी। हमने माफियाओं पर सख्ती से लगाम कसी है। ऐसा न किया होता तो हम 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी नहीं दे पाते।

भाजपा की जमीन पर था पूर्व सपा विधायक का कब्जा : सीएम ने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास कभी नहीं था और न है। सपा के लोग अब बेरोजगारों की तरह घूम रहे हैं, क्योंकि ठेके, पट्टे और अवैध जमीनों पर कब्जे का उनका धंधा चौपट हो चुका है। इसलिए वे हताश-निराश बैठे हुए हैं। पहले वे किसी भी खाली जमीन या प्लॉट पर कब्जा कर लेते थे। भाजपा ने 1990 में लखनऊ में एक कार्यालय के लिए जमीन ली थी। जब कार्यकर्ताओं ने चंदा इकट्ठा कर कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई तो पता चला कि उस जमीन पर भी सपा के एक पूर्व विधायक ने कब्जा कर रखा था। कल हमने बुलडोजर भेजकर उस कब्जे को हटवाया है। यही इनका धंधा था। खेत बोता कोई और था, लेकिन फसल काटने ये लोग पहुंच जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गरीब को मुफ्त राशन व आवास की सुविधा मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना के तहत ?5 लाख तक की स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है और गरीब के घर में रसोई गैस का चूल्हा पहुंचा है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया संसद में एनडीए पर नीट का दबाव बनाए रखेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी गठबंधन इंडिया नीट/ सीबीएसई की गड़बड़ियों को लेकर एनडीए पर दबाव कम करने के मूड में नहीं है, जबकि देश भर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के कारण शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा. एकजुट विपक्ष ने 20 जुलाई को मॉनसून सेशन शुरू होने के दिन से ही नीट पेपर लीक मामले पर जवाबदेही की मांग करते हुए संसद का कामकाज रोक दिया. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि सदन में किसी भी बहस के लिए शिक्षा मंत्री का इस्तीफा एक शर्त है. एनडीए ने संसद में रुकावट खत्म करने की कोशिश में नीट मामले पर बहस करने की पेशकश की थी. हालांकि शनिवार को वह शर्त पूरी हो गई थी, लेकिन इंडिया. गठबंधन ने कहा कि वह सरकार पर दबाव बनाना जारी रखेगा और सोमवार को जब सदन की बैठक फिर से होगी तो विपक्ष की बाकी दो मांगों को पहले ही आगे बढ़ाएगा. कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन ने बताया, 'हमारी एक मुख्य मांग (शिक्षा मंत्री का इस्तीफा) पूरी हो गई है. इसका मतलब है कि संसद सोमवार से काम करना शुरू कर सकती है. हालांकि, ऐसा होने से पहले हमारी बाकी दो मांगें पूरी होनी चाहिए. प्रधानमंत्री को पूरे मामले पर सदन में बयान देना चाहिए और गृह मंत्री को 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की बर्बरता पर बयान देना चाहिए. तभी हम शिक्षा सुधारों के बड़े मुद्दे पर बहस कर सकते हैं, जिसमें नीट का मामला भी शामिल है.' उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन के नेता सोमवार को विपक्ष के दो नेताओं, राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में राहुल गांधी की लीडरशिप में अगले हफ़्ते के लिए अपनी स्ट्रैटेजी का रिव्यू करेंगे.' सूत्रों ने कहा कि देश भर में फैल रहे स्टूडेंट प्रोटेस्ट की वजह से सरकार को एजुकेशन मिनिस्टर का इस्तीफ़ा लेना पड़ा, इसलिए केंद्र अपनी इज्जत बचाने के लिए पेपर लीक मामलों में कड़ी कार्रवाई का सुझाव देने वाला एक बिल लाने की योजना बना रहा है. सूत्रों ने आगे कहा कि बिल में जेल की सजा 2 साल से बढ़ाकर 10 साल, पेनल्टी 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने और ऐसे मामलों का फैसला फास्ट ट्रैक कोर्ट में करने का सुझाव दिया गया है. कांग्रेस के लोकसभा सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने बताया, 'वे 2024 के नीट पेपर लीक के बाद पहले एक बिल लाए थे. कानून की वजह से असल में कुछ नहीं हुआ और वही घटना बिना किसी सज़ा के दोहराई गई. सिस्टम में सड़ांध बहुत गहरी है. इसलिए हमारे नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और एजुकेशन सिस्टम में पूरी तरह से बदलाव की मांग कर रहे हैं.' हालांकि पार्लियामेंट की स्ट्रैटेजी इंडिया ब्लॉक के नेता मिलकर तय करते हैं, लेकिन एजुकेशन रिफॉर्म का मुद्दा हमारे लिए एक गंभीर मामला है. हम बीमार लोगों को ठीक करने के लिए एजुकेशन सिस्टम में सुधार की मांग करते रहेंगे।

छात्र बनकर आए और मचाया बवाल! कोलकाता हिंसा मामले में 11 गिरफ्तार, 70 की पहचान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में पुलिस ने शनिवार को 11 लोगों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां एक दिन पहले छात्रों और युवाओं के जुलूस के दौरान हुई अशांति के सिलसिले में की गईं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कोई भी छात्र नहीं था और दो आरोपी दूसरे राज्य भागने की योजना बना रहे थे। उन्हें पश्चिम बर्धवान जिले के अंडाल से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल में कोलकाता पुलिस ने 24 जुलाई को कोलकाता में छात्रों की रैली के दौरान हुई हिंसा के मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल सीपी कुणाल अग्रवाल ने कहा, 'कल हुई हिंसा और पत्रकारों पर हमलों के सिलसिले में कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो कल सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोड़-फोड़ में शामिल थे।' गिरफ्तार किए गए 11 लोगों के नाम हैं- इरफान खुर्शीद (30), अरशद अली उर्फ साजिद (50), मो. मोइनुद्दीन (26), मो. आलमगीर उर्फ राजू (48), इमरान अहमद उर्फ गोपी (19), खालिद रजा उर्फ रिंकू (47), जमीर अहमद उर्फ मिंकू (42), मोहसिन खान (30), दीपक भौमिक उर्फ विक्की (38), मो. आजाद और मो. अफरोज। एडिशनल सीपी (क्राइम) कुणाल अग्रवाल ने बताया कि मो. आजाद और मो. अफरोज पश्चिम बंगाल से भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें अंडाल के पास दुर्गापुर एक्सप्रेसवे पर पकड़ लिया गया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा अशांति फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देने के 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद अफरोज नाम का एक आरोपी भी शामिल है। वह कोलकाता के मेतियाब्रुज के राजाबागन इलाके का निवासी है। पुलिस ने वीडियो फुटेज देखने के बाद उसकी पहचान कर ली। पुलिस शुक्रवार से ही उसकी तलाश कर रही थी। आखिरकार, पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी युवक पश्चिम बर्धमान के अंडाल में है। कोलकाता के गार्डन रीच इलाके के निवासी मोहम्मद आजाद को भी अंडाल से गिरफ्तार किया गया।

भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भव्य सोने के आभूषणों से सजे महाप्रभु श्री जगन्नाथ, लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

पुरी, एजेंसी। भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र की 'सुना बेषा' देखने के लिए लाखों भक्त पुरी के ग्रैंड रोड पर इकट्ठा हुए हैं. दर्शन शनिवार को देर रात तक जारी रहेंगे. भगवान के सोने के कपड़े (सुना बेषा) को 'बड़ा तधौ बेषा' भी कहा जाता है. परंपरा के अनुसार, बहुड़ा यात्रा (एकादशी) के अगले दिन, श्रीमंदिर के सिंहद्वार के सामने 'रथरुढ़ चतुर्धमूर्ति' (रथों पर सवार त्रिमूर्ति) को सोने के कपड़े पहनाए जाते हैं. दिन में पहले, रथ पर महाप्रभु की धूप-बत्ती की रस्म की गई. फिर पलिया भंडारी मेकप, पलिया खुंटिया के सेवक मजिस्ट्रेट, पुलिस और मंदिर के अधिकारियों की मौजूदगी में मंदिर के खजाने से सोने के गहने लाए. शाम 5:30 से 6:30 बजे के बीच भगवान जगन्नाथ को सोने के गहनों से सजाया गया. पौराणिक कथा के मुताबिक, रथ यात्रा के पहले दिन,



उस समय के राजा इंद्रद्युम्न ने महाप्रभु को यह दुर्लभ सोने का कपड़ा पहनाया था. बाद में, दक्षिणात्य की जीत के बाद, गजपति कपिलेंद्र देब 16 हाथी गाड़ियों में भरकर सोने के गहने लाए और उन्हें भगवान जगन्नाथ के चरणों में चढ़ा दिया. उस समय, राजा कपिलेंद्र देब ने तधौकरण की सलाह पर बहुदा एकादशी पर महाप्रभु का सुनहरा पहनावा किया था. चूंकि महाप्रभु का सुनहरा पहनावा सिंहासन पर किया गया था, इसलिए दूसरे वर्ग के भक्त यह नजारा देखने से वंचित रह गए थे. इसलिए, राजा की इजाजत से, रथ यात्रा की बहुड़ा एकादशी पर रथ पर त्रिदेवों का दिव्य सुनहरा पहनावा किया जाता है. चूंकि यह पहनावा तधौकरण के कहने पर किया जाता है, इसलिए रथ पर महाप्रभु के सुनहरे पहनावे को 'बड़ा तधौ बेषा' कहा जाता है. इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि शनिवार शाम को रथों पर 'सुना बेषा' (सुनहरे कपड़े) की रस्म से पहले, नेशनल हाईवे-316 पर भारी ट्रैफिक जाम की खबर मिली, जो तीर्थ नगरी पुरी को भुवनेश्वर से जोड़ता है. अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा पुलिस शुक्रवार रात से पुरी-भुवनेश्वर रोड पर हर एक घंटे में ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर रही है. पुलिस ने ट्रैफिक कंट्रोल रूम पुरी से जारी अपनी नई एडवाइजरी में कहा है कि भुवनेश्वर की तरफ से पुरी की तरफ गाड़ियों का बहुत ज़्यादा आना-जाना है, जिससे रास्ते में बहुत ज़्यादा जाम लग गया है. इसमें कहा गया है कि पुरी शहर के पास एंट्री पॉइंट, माल्टीपटपुर पर इंतज़ार का समय अब बढ़कर लगभग 150 मिनट हो गया है और दिन चढ़ने के साथ इसके और बढ़ने की संभावना है. पुलिस ने आने-जाने वालों से कहा है कि वे अपनी यात्रा उसी हिसाब से प्लान करें और आगे की ट्रैफिक एडवाइजरी से अपडेट रहें. पुलिस ने लोगों से भी कहा है कि वे इस त्योहार के समय में ट्रैफिक को आसान बनाने और सभी भक्तों की सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर मौजूद लोगों के साथ सहयोग करें।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अमित शाह ने कहा, बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए पद से बड़ा देश और छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा देश, युवाओं और छात्रों को किसी भी पद से ज्यादा महत्वपूर्ण मानती है. एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा, 'बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए देश, हमारे युवा और छात्र किसी भी पद से कहीं ज़्यादा जरूरी हैं. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का अपने पद से इस्तीफ़ा इसी सिद्धांत का उदाहरण है.'

उन्होंने आगे कहा, 'मोदी सरकार देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती है और पेपर लीक के खिलाफ जरूरी सुधार लागू करने के लिए कमिटेड है. पेपर लीक के दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए मोदी जी के फैसले तारीफ के काबिल हैं. मुझे पूरा भरोसा है कि इन कदमों से नीट परीक्षा में



सफल हुए स्टूडेंट्स को पूरा इंसाफ मिलेगा.' शिक्षा मंत्री के तौर पर धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल के बारे में बताते हुए शाह ने कहा, 'अपने कार्यकाल के दौरान, धर्मेंद्र प्रधान ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को असरदार तरीके से लागू करने, पीएम श्री स्कूलों को बढ़ाने, डिजिटल एजुकेशन को बढ़ावा देने, स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री-एकेडेमिया के बीच तालमेल को मजबूत करने में बड़े सुधार किए हैं. उनका कार्यकाल भारत को एक विकसित देश बनाने के उनके इरादे के प्रति उनके समर्पण का सबूत है.' इस बीच पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रधान के इस्तीफे के बाद उनका 'दिल भारी' है. मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर कहा,'आज जब धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से अपना इस्तीफा दिया तो मेरा 'दिल भारी' है. पब्लिक लाइफ में अक्सर मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं, लेकिन देश बनाने में उन्होंने जो योगदान दिया है, वह पीढ़ियों तक याद रहेगा. नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के जरिए उन्होंने एक ऐसे एजुकेशन सिस्टम की नींव रखी जो मजबूत बुनियादी लिटरेसी को बढ़ावा देता है. मल्टीडिसिप्लिनरी लर्निंग को बढ़ावा देता है और हमारे युवाओं को ग्लोबल स्टेज पर कॉन्फिडेंस के साथ मुकाबला करने के लिए एडवांस्ड स्किल्स से तैयार करता है. उनका विजन सिर्फ पढ़ाना नहीं था, बल्कि हर युवा भारतीय को भारत के मूल्यों से जुड़ा एक ग्लोबल नागरिक बनने के लिए मज़बूत बनाना था.' नीट पेपर लीक पर स्टूडेंट्स के विरोध के बाद प्रधान ने पद छोड़ दिया. उन्होंने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने स्टूडेंट्स के हित में और यह पक्का करने के लिए कि परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर चल रहे विरोध का फायदा 'देश-विरोधी ताकतें' न उठा पाएं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के इस बयान पर विवाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने माफी मांगने को कहा

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर यह आरोप लगा है कि उन्होंने आतंकवाद का हवाला देते हुए कश्मीर में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों द्वारा किए गए बल प्रयोग या हिंसा को एक तरह से सही ठहराया है. इसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है. दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने कथित तौर पर कहा था कि कश्मीर में आतंकवाद और सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष की स्थिति होने के कारण वहां प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग कुछ हद तक समझ में आता है. अपनी बेटी इल्तिजा मुफ्ती के साथ नई दिल्ली में जंतर-मंतर गईं मुफ्ती ने कॉकरोच जनता पार्टी को समर्थन देने के दौरान यह बात कही. हालांकि, उसी वीडियो क्लिप में मुफ्ती बिना हथियार वाले स्टूडेंट्स के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की बुराई करती दिख रही हैं. मुफ्ती ने कहा, 'सिर्फ दिल्ली पुलिस ही नहीं, बल्कि दंगाई भी स्टूडेंट्स को पीटने में उनकी मदद कर रहे थे. हमने कश्मीर में कई सालों से यह देखा है, लेकिन वहां आतंकवाद है, जहां एक तरफ सुरक्षा बल हैं और दूसरी तरफ आतंकवादी हैं. इसलिए, यह कुछ हद तक समझ में आता है. लेकिन ये छात्र बिना हथियार के, अहिंसक थे और उनके पास कोई पत्थर नहीं था. फिर भी, दिल्ली पुलिस और दंगाई उन्हें बेरहमी से पीट रहे थे. मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता और विधायक तनवीर सादिक ने मुफ्ती की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की और पीडीपी से माफी की मांग की. उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि, क्या जम्मू-कश्मीर का हर नागरिक आतंकवादी है. क्या रिजर्वेशन के मुद्दे या दूसरे मुद्दों पर प्रदर्शन करने वाले आतंकी हैं. उन्होंने महबूबा की टिप्पणी को 'शर्मनाक' बताया.

तनवीर ने कहा कि कश्मीरी भी देश के नागरिक हैं, लेकिन मुफ्ती ने कश्मीर में हर प्रदर्शनकारियों को 'मिलिटेंट' कहा है. उन्होंने कहा, 'कश्मीरी छात्र या प्रदर्शनकारी का दर्द, इज्जत और हक किसी भी दूसरे भारतीय से कम नहीं हैं. दुख की बात है कि पीडीपी अक्सर कश्मीरियों के साथ खुलकर खड़ी होने के बजाय उनके दुख को सही ठहराती रही है. यह नेतृत्व नहीं, बल्कि पद छोड़ना है.'

यह तब हुआ जब मुफ्ती और दूसरी जम्मू कश्मीर पार्टियों ने जम्मू कश्मीर को अलग राज्य बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन में शामिल होने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निमंत्रण को ठुकरा दिया था. 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन इस प्रदर्शन को नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लीड किया.

एनसी नेता ने दूसरे राजनीतिक पार्टियों पर निशाना साधते हुए उन पर चुप रहने का आरोप लगाया, जबकि, नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों के हक के लिए लड़ रही थी. तनवीर ने कहा, 'यह दुख की बात है कि यहां बैठे कई राजनीतिक नेता अपने घरों से ट्वीट कर रहे थे।

करगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ: राजनाथ बोले, 'देश की सेना हर चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार'

श्रीनगर, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत की सेना किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने कहा कि देश के दुश्मन बार-बार नाकाम होने के बावजूद प्रॉक्सी वॉर और घुसपैठ जैसी 'नापाक चालें' अपनाते रहते हैं. रविवार को सशस्त्र बल करगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मनाएंगे. यह दिवस 1999 के करगिल युद्ध में भारत को जीत दिलाने वाले ऑपरेशन विजय की सफलता की याद में मनाया जाता है. 27वें करगिल विजय दिवस की एक शाम पहले द्रास में एक यादगार कार्यक्रम के दौरान सैनिकों को संबोधित करते हुए, सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी. उन्होंने कहा कि उनकी हिम्मत, देशभक्ति और बलिदान सेना और देश दोनों को प्रेरणा देते रहते हैं. सिंह ने कहा, 'भले ही दुश्मन के इरादे बदले नहीं हैं और वह प्रॉक्सी वॉर (परोक्ष युद्ध) और घुसपैठ जैसे खतरनाक तरीके अपना रहा है, फिर भी भारतीय रक्षा बल किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है.' उन्होंने कहा कि करगिल लड़ाई के दौरान भारतीय सैनिकों ने जो बहादुरी दिखाई, वह आज भी हिम्मत और देश के गर्व की निशानी है. सेना पर भरोसा जताते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सुरक्षा उसके सैनिकों के पक्के इरादे पर टिकी है. उन्होंने कहा, 'जब तक देश के बहादुर सैनिकों की देशभक्ति और इरादा पक्का है, तब तक कोई भी भारत पर बुरी नजर डालने की हिम्मत नहीं कर सकता. उनकी हिम्मत हर नागरिक को बिना किसी डर के अपने सपने पूरे करने और उन्हें पूरा करने में मदद करती है.'

सैनिकों के साथ पारंपरिक बड़ाखाना खाने पर बातचीत के दौरान, सिंह ने कहा कि, देश को करगिल में मिली जीत का जश्न मनाना चाहिए और साथ ही बदलती सुरक्षा चुनौतियों के प्रति भी अलर्ट रहना चाहिए. उन्होंने कहा, 'करगिल की जीत को याद करके हमें गर्व महसूस होता है, लेकिन हमें



यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे सामने आने वाली चुनौतियां कम नहीं हुई हैं.' सिंह ने नरेंद्र मोदी सरकार के सेवारत कर्मियों और पूर्व सैनिकों की भलाई के लिए वादे को दोहराया. उन्होंने कहा कि सरकार सशस्त्र बलों को एडवांस्ड हथियार, बेहतर ट्रेनिंग और आधुनिक क्षमताओं से लैस करके उन्हें मॉडर्न बनाने पर ध्यान दे रही है. उन्होंने नई टेक्नोलॉजी अपनाने और भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए सेना की भी तारीफ की. सिंह ने कहा, 'यह सदी हमारी है. भविष्य भी हमारा है. आत्मनिर्भरता की दिशा में हमने जो कदम उठाए हैं, उसे देखते हुए मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी रक्षा सेना दुनिया में सबसे अच्छी बनेगी. शौर्य भोज नाम का यह यादगार कार्यक्रम द्रास के विश्वनाथन स्टेडियम में हुआ. इसमें ड्रोन, रोबोटिक खच्चरों और आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन ड्रिल का प्रदर्शन किया गया, जिसमें भारतीय सेना द्वारा ऊंचाई वाले ऑपरेशन में टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल को दिखाया गया. इस कार्यक्रम में लद्दाख की रिच हेरिटेज दिखाने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शन और छात्र की देशभक्ति वाली प्रस्तुति भी शामिल थीं. लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर बैंड ने देशभक्ति की धुनों के साथ प्रोग्राम की शुरुआत की, इसके बाद कॉर्प्स ऑफ़ मिलिट्री पुलिस सेंटर और स्कूल की श्वेत अश्व टीम ने मोटरसाइकिल का प्रदर्शन किया, जिसमें सटीक राइडिंग और प्रोफेशनल एक्सीलेंस दिखाया गया.

प्रोग्राम का समापन विजय भोज के साथ हुआ, जिसमें ऑपरेशन विजय के नायकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सेवारत सैनिक, वेटरन, गैलेंट्री अवार्ड विजेता, वीर नारी, शहीद सैनिकों के परिवार, सिविल गणमान्य और स्थानीय निवासी एक साथ आए. इससे पहले शाम को, सिंह ने करगिल वॉर मेमोरियल पर शौर्य संध्या में भाग लिया, जहां देशभक्ति के प्रदर्शन के बाद ऑपरेशन विजय के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के सम्मान में एक समारोह हुआ।

नेपाल में भारतीय 200 और 500 नोटों को मिली वैधता, सीमा 25,000

नौ नवंबर 2016 के बाद जारी नोटों पर लागू होगा नियम

काठमांडू ।

नेपाल ने नौ नवंबर 2016 के बाद जारी भारतीय 200 और 500 रुपये के नोटों को अपने देश में लाने और बाहर ले जाने की अनुमति दे दी है। हालांकि, इसकी अधिकतम सीमा प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये रखी गई है। इस कदम से भारत और नेपाल के बीच यात्रा तथा व्यापारिक लेनदेन और सुगम हो सकेंगे। भारत द्वारा 2016 में नोटबंदी किए जाने के बाद नेपाल में सिर्फ 100 रुपये के भारतीय नोटों को ही लाने-ले जाने की अनुमति थी। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने एक नया नोटिस जारी कर स्पष्ट किया कि नौ नवंबर, 2016 के बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट अब 25,000 रुपये की सीमा के साथ मान्य होंगे। हालांकि, नौ नवंबर, 2016 से पहले जारी पुराने 500 और 1,000 रुपये के नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे। एक एनआरबी प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि नेपाली नागरिक भारत के अलावा किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ला सकते और न ही ले जा सकते हैं। यह नियम 11 फरवरी को राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से पहले ही लागू कर दिया गया था, लेकिन केंद्रीय बैंक ने इसे दोहराकर क्रियान्वयन को और स्पष्ट किया है। इस नए प्रावधान से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों तथा भारत के साथ व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी, और सीमा पार लेनदेन अधिक सुगम हो सकेगा।

चालू वित्त वर्ष में टाटा टेक्नोलॉजीज को बड़ी छलांग की उम्मीद

वैश्विक ऑटो निर्माताओं के बढ़ते आउटसोर्सिंग और निवेश से कंपनी को सीधा लाभ

नई दिल्ली।

वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 उसके लिए 'विकास का बड़ा साल' साबित होगा। कंपनी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि दुनिया भर की वाहन विनिर्माता कंपनियां नए उत्पादों के विकास में निवेश बढ़ा रही हैं और अधिक कार्य बाहरी कंपनियों को सौंप रही हैं, जिसका सीधा लाभ उन्हें मिल रहा है। अ धिकारी ने एक साक्षात्कार में बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कई पूर्ण वाहन कार्यक्रम परियोजनाएं हासिल की हैं। इनमें टेनेको के साथ 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुबंध, एक जापानी ओईएम से पूर्ण वाहन इंजीनियरिंग और एक यूरोपीय लक्जरी वाहन निर्माता के साथ बहुवर्षीय समझौता शामिल है। उन्होंने मजबूत दो अंक की वार्षिक वृद्धि के लक्ष्य पर विश्वास व्यक्त किया। उनके अनुसार वाहन विनिर्माता अब ब्रांड से जुड़े मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, शेष इंजीनियरिंग कार्य विशेषज्ञ कंपनियों को सौंप रहे हैं। उनका मानना है कि पूर्ण वाहन विकास की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनियां ही भविष्य में सर्वाधिक लाभ कमाएंगी। कंपनी ने पहली तिमाही में 1,664.6 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व हासिल किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 33.8 प्रतिशत अधिक है। हैरिस ने इसे 'बड़ी उपलब्धि' और मजबूत वृद्धि का संकेत बताया।

टाटा कंज्यूमर की बढ़ती लागत, मुनाफे के बावजूद उत्पादों के दाम बढ़ने की संभावना

टाटा टी, टेटली जैसे ब्रांड्स पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली ।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने संकेत दिया कि यदि इनपुट लागत में अस्थिरता बनी रहती है, तो वह अपने चुनिंदा उत्पादों की कीमतें बढ़ा सकती है। यह चेतावनी तब आई है जब कंपनी ने खाने-पीने की चीजों की दमदार बिक्री और ग्रामीण भारत की मजबूत मांग के कारण एक मजबूत तिमाही लाभ दर्ज किया है। कंपनी के एक कार्यकारी ने स्पष्ट किया कि कमोडिटी और पैकेजिंग की बढ़ती लागत मार्जिन पर दबाव डाल रही है, जिससे कीमतें बढ़ाना एक मजबूरी बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति ने व्यापार मार्गों को बाधित किया है और वैश्विक स्तर पर इनपुट लागत में वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से यह दबाव और बढ़ गया है, जिससे भारतीय कंपनियों को अपने मार्जिन बचाने के लिए कीमतें बढ़ाने, पैक का आकार घटाने या लागत में कटौती जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। 30 जून को समाप्त तिमाही में, टाटा कंज्यूमर का शुद्ध लाभ 28 फीसदी बढ़कर 4,027 करोड़ रुपये रहा, हालांकि यह विश्लेषकों के अनुमान (4,200 करोड़ रुपये) से थोड़ा कम था।

कच्चा तेल, कंपनियों के परिणाम और भू-राजनीतिक तनाव तय करेंगे बाजार की चाल

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक पर रहेगी नजर, जो बाजार की दिशा तय करेगी



मुंबई

बीते सप्ताह पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव के चलते घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली देखने को मिली। बीएसई का सेंसेक्स पांच कारोबारी दिनों में 2,091 अंक लुढ़क गया। अब आने वाले सप्ताह में भी निवेशकों की नजर मुख्य रूप से पश्चिम एशिया की स्थिति, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, कंपनियों के तिमाही परिणामों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक पर रहेगी, जो बाजार की दिशा तय करेगी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के कारण लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए यह स्थिति चिंताजनक है, जिसके चलते बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में पांचों दिन गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित तनाव आगे भी बाजार पर दबाव बनाए रख सकता है और निवेशक इस क्षेत्र की हर खबर पर पैनी नजर रखेंगे। आने वाले सप्ताह में कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही परिणाम जारी होने हैं, जिनमें बीईएल, केनरा बैंक, कोल इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलएंडटी और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं। इन नतीजों से कंपनियों के वित्तीय स्वास्थ्य और भविष्य की आय का स्पष्ट संकेत मिलेगा, जो बाजार के रुख को प्रभावित करेगा। इसके अतिरिक्त, विदेशी संस्थागत निवेशकों का रुख भी महत्वपूर्ण रहेगा; उनकी बिकवाली या लिवाली बाजार की अस्थिरता को बढ़ा या घटा सकती है। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक के फैसलों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी, खासकर ब्याज दरों को लेकर किसी भी संकेत का असर वैश्विक बाजारों पर पड़ सकता है। तकनीकी रूप से निफ्टी के लिए 23,600 का स्तर एक महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में काम कर रहा है। यदि यह स्तर टूटता है, तो बाजार में 23,300 से 23,450 तक की और गिरावट आ सकती है। वहीं ऊपर की ओर 24,000 का स्तर एक मजबूत प्रतिरोध बना हुआ है। कुल मिलाकर आगामी सप्ताह में शेयर बाजार की दिशा कमजोर और सतर्क रहने की उम्मीद है।

एचजेडएल चालू वित्त वर्ष में 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करेगी पूंजीगत निवेश

नई दिल्ली,।

मेटल किंग अनिल अग्रवाल की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) चालू वित्त वर्ष में करीब 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर का पूंजीगत निवेश करेगी। कंपनी के सीईओ ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस निवेश का करीब 80 फीसदी हिस्सा पहले से चल रही परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा, जबकि 20 फीसदी राशि नई परियोजनाओं के लिए रखी गई है, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी।सीईओ ने बताया कि समूह की कुल परियोजना क्षमता 10 लाख टन है, जिसमें से 2.5 लाख टन क्षमता को पहले ही 12,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ मंजूरी मिल चुकी है। इनमें खनन और खनिजीकरण से जुड़े कार्य शामिल हैं। खनन संबंधी उपकरणों के ऑर्डर दिए जा चुके हैं और स्मेल्टर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जबकि मिलिंग और कन्सट्रेट से जुड़े ऑर्डर अभी जारी होने बाकी हैं।कंपनी के सीईओ ने कहा कि बाकी 6.5 लाख टन क्षमता के विस्तार के लिए भी लगभग इसी अनुपात में निवेश किया जाएगा। इसके लिए निवेश चरणबद्ध तरीके से अगले चार से पांच साल में किया जाएगा। इसके तहत कंपनी का औसत वार्षिक पूंजीगत व्यय 7-8 हजार करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में इस निवेश का केवल 15-20 फीसदी ही वास्तविक नकद खर्च के रूप में दिखाई देगा।

मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज का खुल रहा आईपीओ, जीएमपी 50 रुपए पर पहुंचा

रिटेल निवेशकों के लिए 29 जुलाई को खुलेगा, 31 तक लगा सकेंगे दांव

नई दिल्ली।

मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने 560 रुपए से 590 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। शुक्रवार को इसका ऐलान हुआ। इस आईपीओ पर दांव लगाने की सोच रहे निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट में स्थिति अच्दी है, जिसकी वजह से पहले दिन ही पॉजिटिव लिस्टिंग की उम्मीद बंध गई है।मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 जुलाई को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 31 जुलाई तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका मिलेगा। इस आईपीओ का साइज 9275.22 करोड़ रुपए का है। कंपनी इश्यू के जरिए 13.56 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के जरिए 2.16 करोड़ शेयरों की बिक्री होगी। कंपनी ने 25 शेयरों का एक लॉट बनाया है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14750 रुपए का निवेश करना होगा। बता दें, कंपनी बीएसई और एनएसई दोनों जगह लिस्ट होगी। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 56 रुपए की छूट दी है।मौजूदा बाजार की खराब स्थिति होने के बाद भी यह मेनबोर्ड आईपीओ ग्रे मार्केट में आईपीओ अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ग्रे मार्केट में शुक्रवार को यह 50 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड किया। आईपीओ का कम से कम 75 फीसदी हिस्सा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए अधिकतम 10 फीसदी हिस्सा और एनआईआई के लिए भी अधिकतम 10 फीसदी हिस्सा ही इश्यू का रिजर्व रहेगा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का मार्केट कैप 2.74 लाख करोड़ घटा

एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा नुकसान, सिर्फ हिंदुस्तान यूनिलीवर फायदे में

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। स्थानीय बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2.74 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट में एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा झटका लगा, जबकि सिर्फ हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ही अपने

बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज कर सका। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,091.68 अंक टूट गया, वहीं एनएसई निफ्टी भी 566.85 अंक यानी 2.32 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

इस बिकवाली के माहौल में सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ,

जिसका बाजार पूंजीकरण 1,18,383.91 करोड़ रुपये घटकर 11,43,985.90 करोड़ रुपये रह गया। बैंक के शेयर में मार्जिन संबंधी चिंताओं के चलते 9.40 प्रतिशत की भारी गिरावट आई।

अन्य प्रमुख कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 65,429.82 करोड़ रुपये कम होकर 17,29,661.44 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 26,814.94 करोड़ रुपये घटकर 9,36,953.84 करोड़ रुपये पर आ गई

, जबकि बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 26,802.74 करोड़ रुपये घटकर 6,30,471.54 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 15,116.74 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 5,33,007.56 करोड़ रुपये पर आ गया।

आईसीआईसीआई बैंक की हैसियत 6,223.84 करोड़ रुपये घटकर 10,28,217.93 करोड़ रुपये रह गई। भारती एयरटेल का पूंजीकरण 6,021.64 करोड़ रुपये कम होकर 11,85,046.13 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 5,191.95 करोड़ रुपये घटकर 8,15,480.75 करोड़ रुपये पर आ गया।

तेज प्रताप समेत छात्रों की गिरफ्तारी पर तेजस्वी का सरकार को अल्टीमेटम

बोले- गिरफ्तार छात्रों को रिहा नहीं किया गया तो बिहारभर में होगा बड़ा आंदोलन

पटना,।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विदेश यात्रा से लौटते ही राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए मांग की कि गिरफ्तार छात्रों को तत्काल रिहा किया जाए और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं। तेजस्वी यादव ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें तय समय में नहीं मानी गईं तो राजद पूरे बिहार में व्यापक आंदोलन शुरू करेगा।

पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि पटना सहित कई जिलों में छात्र-छात्राओं पर लाठीचार्ज किया गया और बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों के साथ इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, सरकार को संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना चाहिए था।राजद नेता ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि अगले दिन तक छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस नहीं लिए गए और गिरफ्तार छात्रों को रिहा नहीं किया गया, तो उनकी पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ेगी। तेजप्रताप की गिरफ्तारी को तानाशाही बताया तेजस्वी यादव ने अपने बड़े भाई और राजद नेता तेज प्रताप यादव के खिलाफ दर्ज मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेज प्रताप यादव सहित कई विधायकों पर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं, जिसे उन्होंने तानाशाही करार दिया। उनका कहना था कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि तेज प्रताप यादव को शनिवार को पटना में छात्र आंदोलन के समर्थन के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था। हालांकि, उनके अधिवक्ता का दावा है कि गिरफ्तारी प्रदर्शन स्थल से नहीं, बल्कि एक शॉपिंग मॉल से की गई।

आरबीआई लाएगा प्लास्टिक के नोट, 34 करोड़ पॉलीमर शीट्स के लिए टेंडर जारी

टिकाऊपन और सुरक्षा की दिशा में नई क्रांति, बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी



मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश की मुद्रा प्रणाली में एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है, जिसके तहत जल्द ही प्लास्टिक (पॉलीमर) के नोट प्रचलन में आ सकते हैं। आरबीआई की सहायक कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) द्वारा लगभग 34 करोड़ पॉलीमर शीट्स खरीदने के लिए जारी किया गया हालिया टेंडर इस ओर स्पष्ट संकेत देता है कि पारंपरिक कागजी नोटों का स्थान भविष्य में प्लास्टिक नोट ले सकते हैं। यह कदम चरणबद्ध तरीके से लागू होगा, जो 2012-13 में कुछ शहरों में परीक्षण की पूर्व योजना के अधूरे रहने के बाद अब साकार होता दिख रहा है। विश्लेषण दुनिया के कई देश पहले से ही प्लास्टिक नोटों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं और अब भारत भी इस वैश्विक चलन का हिस्सा बनने की तैयारी में है। प्लास्टिक नोटों को अपनाने के पीछे कई ठोस कारण हैं। सबसे प्रमुख लाभ इनका अत्यधिक टिकाऊपन है; ये कागजी नोटों की तुलना में 2 से 6 गुना अधिक चलते हैं, पानी, गंदगी और फटने के प्रति अधिक प्रतिरोधी होते हैं। इससे आरबीआई को नोटों की छपाई, वितरण और नष्ट करने पर होने वाले सालाना हजारों करोड़ रुपये के खर्च में भारी कमी आएगी, क्योंकि बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी। पिछले दस वर्षों में नोटों की छपाई पर 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये बेहतर विकल्प हैं, क्योंकि इनकी लंबी उम्र संसाधनों (कागज, स्याही, पानी, ऊर्जा) की खपत कम करती है और पुराने नोटों को आसानी से रीसाइकिल करके अन्य उपयोगी उत्पाद बनाए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी प्लास्टिक नोटों को आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस करना आसान होता है, जिससे इनकी नकल करना बेहद मुश्किल हो जाता है और नकली नोटों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। आम जनता को भी फटे-गंदे नोटों से मुक्ति मिलेगी, क्योंकि ये नोट लंबे समय तक नए जैसे बने रहेंगे, जिससे उनके उपयोग का अनुभव बेहतर होगा।

हिंदुस्तान जिंक की 5,000 करोड़ के पूंजीगत निवेश की योजना

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) चालू वित्त वर्ष में करीब 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 5,000 करोड़ रुपये) का पूंजीगत निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस निवेश का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पहले से चल रही परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा, जबकि 20 प्रतिशत राशि नई परियोजनाओं के लिए रखी गई है, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने बताया कि समूह की कुल परियोजना क्षमता 10 लाख टन है, जिसमें से 2.5 लाख टन (25 प्रतिशत) क्षमता को पहले ही 12,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मंजूरी मिल चुकी है। इनमें खनन और खनिजीकरण से जुड़े कार्य शामिल हैं।मिश्रा के अनुसार, खनन संबंधी उपकरणों के ऑर्डर दिए जा चुके हैं और स्मेल्टर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जबकि मिलिंग और कन्सट्रेट से जुड़े ऑर्डर अभी जारी होने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि शेष 6.5 लाख टन क्षमता के विस्तार के लिए भी लगभग इसी अनुपात में निवेश किया जाएगा। इसके लिए निवेश चरणबद्ध तरीके से अगले चार से पांच साल में किया जाएगा। इसके तहत कंपनी का औसत वार्षिक पूंजीगत व्यय 7,000-8,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में इस निवेश का केवल 15-20 प्रतिशत ही वास्तविक नकद खर्च के रूप में दिखाई देगा। हालांकि, उन्होंने नई परियोजनाओं की समयसीमा या उनसे संबंधित वित्तीय ब्योरा नहीं दिया।वेदांता लि. की अनुषंगी हिंदुस्तान जिंस देश की प्रमुख जस्ता उत्पादक कंपनियों में से है। यह हाल के वर्षों में परिचालन के मोर्चे पर अपनी क्षमता बढ़ाने और दक्षता सुधारने के लिए लगातार निवेश कर रही है।यह जस्ता, सीसा और चांदी उत्पादन के मामले में अग्रणी कंपनियों में शामिल है। बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध हिंदुस्तान जिंक में वेदांता लिमिटेड की 60.71 प्रतिशत और केंद्र सरकार की 27.92 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

तेल-तिलहन बाजार में उठापटक, आयातकों की मजबूरी और त्योहारी मांग का असर

पैसे की दिक्कतों के कारण आयातित तेलों की कीमत गिरी, वहीं घरेलू तेलों में मामूली सुधार



नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में विपरीत रुझान देखने को मिला। जहां वित्तीय दबाव झेल रहे आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के कारण आयातित खाद्य तेलों (सोयाबीन और पाम-पामोलीन) के दाम में गिरावट आई, वहीं आगामी त्योहारी मौसम की मांग ने घरेलू तेलों जैसे सरसों और मूंगफली को मामूली मजबूती दी। बाजार सूत्रों के अनुसार पिछले सप्ताह आयातित तेलों की कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण आयातक की वित्तीय दिक्कतें रहीं। ये आयातक अपना माल जल्द खपाकर बैंक ऋण चक्र बनाए रखने के लिए सोयाबीन और पाम-पामोलीन तेल को लागत से भी कम दाम पर बेच रहे हैं। इसी क्रम में सोयाबीन प्लांट मालिक भी किसानों से सस्ते दाम पर सोयाबीन खरीदने की कोशिश में खरीद मूल्य घटा रहे हैं। इससे किसान अपनी आवक कम कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पहले बेहतर दाम मिल चुके हैं और अब वे सस्ते में बेचने से बचते हैं। इस दबाव ने भी सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम प्रभावित किए। कमोबेश पाम-पामोलीन का भी यही हाल रहा जिसे आयातक लागत से नीचे बेचते नजर आए। इसके विपरीत आने वाले जन्माष्टमी और रक्षा बंधन जैसे त्योहारों के लिए मिठाई और नमकीन निर्माताओं की निरंतर बढ़ती मांग ने घरेलू तेलों को सहारा दिया। इस वजह से सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार देखा गया। नगण्य उपलब्धता के बावजूद औद्योगिक मांग बढ़ने से बिनौला तेल में भी मामूली तेजी दर्ज की गई।सरसों तेल दादरी 75 रुपये के मामूली सुधार के साथ 16,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,705-2,805 रुपये और 2,705-2,855 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुए।

पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती

निफ्टी 24,000 के नीचे, अब निगाहें कच्चे तेल और तिमाही नतीजों पर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसने कच्चे तेल की कीमतों को एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचा दिया है। इस महीने अब तक 32 फीसदी महंगा हुआ कच्चा तेल भारत के लिए आयात बिल और महंगाई बढ़ाने की चिंता पैदा कर रहा है। इसके साथ ही, अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 4.7 फीसदी के बहु-वर्षीय उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिससे वैश्विक निवेशक जोखिम भरे उभरते बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित जगहों की तरफ रुख कर रहे हैं। इसका असर रुपये पर भी दिख रहा है, जो अपने सर्वकालिक निचले स्तर के करीब पहुंच रहा है। तकनीकी रूप से बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, निफ्टी का ढांचा कमजोर हुआ है। इसके लिए तत्काल सपोर्ट 23,600 के स्तर पर है, जिसके टूटने पर बिकवाली तेज होकर 23,300 तक जा सकती है। ऊपर की तरफ 24,000 का स्तर एक बड़ी रुकावट बना हुआ है, और जब तक यह पार नहीं होता, हर तेजी पर बिकवाली की रणनीति ही उचित रहेगी।

रेलवे की पहल से सशक्त होंगे दलित और आदिवासी उद्यमी

वेंडर डेवलपमेंट मीट में स्थानीय विनिर्माण, सरकारी योजनाओं और रेलवे में कारोबार के अवसरों पर विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

अहमदाबाद

7 आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत (2047) के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, अहमदाबाद मंडल के सामग्री प्रबंधन विभाग ने दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई) के सहयोग से एक वेंडर डेवलपमेंट मीट कासफल आयोजन किया।

यह आयोजन समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, ज़मीनी स्तर पर उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और नीति निर्माताओं एवं छोटे व्यवसायियों के बीच की दूरी को कम करने के लिए एक रणनीतिक मंच साबित हुआ।

इस मीट का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के प्रथम पीढ़ी के उद्यमियों को भारतीय रेलवे में उपलब्ध विशाल खरीद और व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूक करना था।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एससी/एसटी पृष्ठभूमि के कुल 55 उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रमुख गणमान्य और अधिकारियों की उपस्थितिकार्यक्रम में कई प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें शामिल हैं-विहार ठाकर (वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, अहमदाबाद)स्वयंदीप सिंह (उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, साबरमती)नीरज कुमार (अध्यक्ष, डीआईसीसीआई गुजरात चैप्टर)उमेश शर्मा (सहायक निदेशक, एमएसएमई-डीएफओ)डॉ. मुंजाल दवे (महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, अहमदाबाद)भूमिका पटेल (जीईएम बिजनेस एसोसिएट, गुजरात)इन अधिकारियों की उपस्थिति से प्रतिभागियों को सीधे बहु-विभागीय मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला।



गोपनीय स्वरूप है भगवती छिन्नमस्ता का

ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है।



भगवती छिन्नमस्ता का स्वरूप अत्यंत ही गोपनीय है। इसे कोई अधिकारी साधक ही जान सकता है। महाविद्याओं में इनका तीसरा स्थान है। इनके प्रादुर्भाव की कथा इस प्रकार है- एक बार भगवती भवानी अपनी सहचरी जया और विजया के साथ मन्दाकिनी में स्नान करने के लिए गयीं। स्नान के बाद क्षुधाग्नि से पीड़ित होकर वे कृष्णवर्ण की हो गयीं। उस समय उनकी सहचरियों ने भी उनसे कुछ भोजन करने के लिए मांगा। देवी ने उनसे कुछ समय प्रतीक्षा करने के लिए कहा। थोड़ी देर प्रतीक्षा करने के बाद सहचरियों ने जब पुनः भोजन के लिए निवेदन किया, तब देवी ने उनसे कुछ देर और प्रतीक्षा करने के लिए कहा। इस पर सहचरियों ने देवी से विनम्र स्वर में कहा कि मां तो अपने शिशुओं को भूख लगने पर अविलम्ब भोजन प्रदान करती है। आप हमारी उपेक्षा क्यों कर रही हैं? अपने सहचरियों के मधुर वचन सुनकर कृपामयी देवी ने अपने खड्ग से अपना सिर काट दिया। कटा हुआ सिर देवी के बायें हाथ में आ गिरा और उनके कबन्ध से रक्त की तीन धाराएं प्रवाहित हुईं। वे दो धाराओं को अपनी दोनों सहचरियों की ओर प्रवाहित कर दीं, जिसे पीती हुई दोनों प्रसन्न होने लगीं और तीसरी धारा को देवी स्वयं पान करने लगीं। तभी से देवी छिन्नमस्ता के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है। छिन्न यज्ञशीर्ष की प्रतीक ये देवी श्वेतकमल पीठ पर खड़ी हैं। दिशाएं ही इनके वस्त्र हैं। इनकी नाभि में योनिचक्र है। कृष्ण (तम) और रक्त (रज) गुणों की देवियां इनकी सहचरियां हैं। ये अपना शीश काटकर भी जीवित हैं। यह अपने आप में पूर्ण अन्तर्मुखी साधना का संकेत है। विद्वानों ने इस कथा में सिद्धि की चरम सीमा का निर्देश माना है। योगशास्त्र में तीन ग्रंथियां बतायी गयी हैं, जिनके भेदन के बाद योगी को पूर्ण सिद्धि प्राप्त होती है। इन्हें ब्रम्हाग्रन्थि, विष्णुग्रन्थि तथा रुद्रग्रन्थि कहा गया है। मूलाधार में ब्रम्हग्रन्थि, मणिपूर में विष्णुग्रन्थि तथा आज्ञाचक्र में रुद्रग्रन्थि का स्थान है। इन ग्रंथियों के भेदन से ही अद्वैतानन्द की प्राप्ति होती है। योगियों का ऐसा अनुभव है कि मणिपूर चक्र के नीचे की नाड़ियों में ही काम और रति का मूल है, उसी पर छिन्ना महाशक्ति आरुढ़ हैं, इसका ऊर्ध्व प्रवाह होने पर रुद्रग्रन्थि का भेदन होता है।

छिन्नमस्ता का वज्र वैरोचनी नाम शाक्तों, बौद्धों तथा जैनों में समान रूप से प्रचलित है। देवी की दोनों सहचरियां रजोगुण तथा तमोगुण की प्रतीक हैं, कमल विश्वप्रपंच है और कामरति चिदानन्द की स्थूलवृत्ति है। बृहदारण्यक की अश्वशिर विद्या, शाक्तों की हयग्रीव विद्या तथा गाणपत्यों के छिन्नशीर्ष गणपति का रहस्य भी छिन्नमस्ता से ही संबंधित है। हिरण्यकशिपु, वैरोचन आदि छिन्नमस्ता के ही उपासक थे। इसीलिये इन्हें वज्र वैरोचनीया कहा गया है। वैरोचन अग्नि को कहते हैं। अग्नि के स्थान मणिपूर में छिन्नमस्ता का ध्यान किया जाता है और वज्रानाड़ी में इनका प्रवाह होने से इन्हें वज्र वैरोचनीया कहते हैं। श्रीभैरवतन्त्र में कहा गया है कि इनकी आराधना से साधक जीवभाव से मुक्त होकर शिवभाव को प्राप्त कर लेता है।

सोमवार को ही शिव का वार क्यों कहा जाता है



पुराणशिरोमणि शिवमहापुराण के अनुसार- आरोग्यंसंपद चैव व्याधीनांशांतिरेव च। पुष्टिरायुस्तथाभोगोमृतेर्हानिर्यथाक्रमम॥
अर्थात स्वास्थ्य, संपत्ति, रोग-नाश, पुष्टि, आयु, भोग तथा मृत्यु की हानि के लिए रविवार से लेकर शनिवार तक भगवान शंकर की आराधना करनी चाहिए। सभी दिनों में शिव फलप्रद हैं। पुराणों के अनुसार सोम का अर्थ चंद्रमा होता है और चंद्रमा भगवान शंकर के शीश पर मुकुटायमान होकर अत्यन्त सुशोभित होता है। भगवान शंकर ने जैसे कुटिल, कलंकी, कामी, वक्री एवं क्षीण चंद्रमा को उसके अपराधी होते हुए भी क्षमा कर अपने शीश पर स्थान दिया वैसे ही भगवान हमें भी सिर पर नहीं तो चरणों में जगह अवश्य देंगे। यह याद दिलाने के लिए सोमवार को ही लोगों ने शिव का वार बना दिया और सोम का अर्थ सौम्य होता है। भगवान शंकर अत्यन्त शांत समाधिस्थ देवता हैं। इस सौम्य भाव को देखकर ही भक्तों ने इन्हें सोमवार का देवता मान लिया। सहजता और सरलता के कारण ही इन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। सोम का अर्थ चंद्रमा भी होता है और चंद्रमा मन का प्रतीक है। जड़ मन को चेतनता से प्रकाशित करने वाला परमेश्वर ही है। मन की चेतनता को पकड़कर हम परमात्मा तक पहुंच सके इसलिए देवाधिदेव भूतभावन पूतपावन परमेश्वर की उपासना सोमवार को की जाती है।



जप में माला का प्रयोग क्यों होता है

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग ध्यान करने के लिए और भगवान का नाम जपने के लिए माला का प्रयोग करते हैं। कुछ लोग उंगलियों पर गिन कर भी ध्यान जप करते हैं। लेकिन शास्त्रों में माला पर जप करना अधिक शुद्ध और पुण्यदायी कहा गया है। इसके पीछे धार्मिक मान्याताओं के अलावा वैज्ञानिक कारण भी है। धार्मिक दृष्टि से देखें तो अंगिरा ऋषि के कथन पर ध्यान देना होगा। अंगिरा ऋषि के अनुसार असंख्या तु यज्जसं, तत्सर्वं निष्फलं भवेत। यानी बिना माला के संख्याहीन जप का कोई फल नहीं मिलता है। इसका कारण यह है कि, जप से पहले जप की संख्या का संकल्प लेना आवश्यक होता है। संकल्प संख्या में कम ज्यादा होने पर जप निष्फल माना जाता है। इसलिए त्रुटि रहित जप के लिए माला का प्रयोग उत्तम माना गया है। जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से यह माना जाता है कि अंगूठे और उंगली पर माला का दबाव पड़ने से एक विद्युत तरंग उत्पन्न होती है। यह धमनी के रास्ते हृदय चक्र को प्रभावित करता है जिससे मन एकाग्र और शुद्ध होता है। तनाव और चिंता से मुक्ति मिलती है। माना जाता है कि मध्यमा उंगली का हृदय से सीधा संबंध होता है। हृदय में आत्मा का वास है इसलिए मध्यमा उंगली और उंगूठे से जप किया जाता है।



धरती पर ब्रह्माजी का निवास पुष्कर तीर्थ



जयपुर के दक्षिण पश्चिम में स्थित अजमेर हिन्दू-मुस्लिम धर्म का संगम स्थल रहा है। अजमेर हिन्दू तीर्थ यात्रियों में उतना ही लोकप्रिय है जितना कि मुसलमानों में। अजमेर से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पुष्कर मंदिरों और झीलों के लिए प्रसिद्ध है। अरावली पर्वत श्रृंखला का नाग पर्वत अजमेर और पुष्कर को अलग करता है। यह भगवान ब्रह्मा के एकमात्र मंदिर के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। इसे भगवान ब्रह्मा का निवास स्थान भी कहा जाता है। मन्दिर के बगल में ही एक मनोहर झील है जिसे पुष्कर झील के नाम से जाना जाता है। पुष्कर झील हिन्दुओं एक परमपावन स्थान के रूप में जानी जाती है। कार्तिक के महीने में श्रद्धालु बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर इस पवित्र झील में डुबकी लगाते हैं।

धार्मिक मान्यता

हिन्दू श्रद्धालुओं के लिए पुष्कर बहुत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार पुष्कर की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। पुष्कर हिन्दू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थो में से एक है। इसका बनारस या प्रयाग की तरह ही महत्व है । बद्रीनारायण, जगन्नाथ, रामेश्वरम, द्वारका इन चार धामों की यात्रा करने वाले किसी तीर्थयात्री की यात्रा तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक वह पुष्कर के पवित्र जल में स्नान नहीं कर लेता।

पौराणिक कथा

हिन्दू धर्म ग्रन्थों के अनुसार भगवान ब्रह्मा त्रिदेवों में से एक देव हैं। तीनों देवों का कार्य ,जीवन चक्र (जन्म,पालन,विनाश) के आधार पर विभाजित है। ब्रह्मा जी का कार्य जन्म देना है। ब्रह्मा जी को दाढ़ीयुक्त चार सिरों वाला ,जिसके चार हाथ हैं, के रूप में चित्रित किया गया है। ब्रह्मा जी के प्रत्येक हाथ में वेद (ज्ञान) हैं। ब्रह्मा जी का वाहन हंस है। एक बार भगवान ब्रह्मा पवित्र उद्देश्य के लिए यज्ञ करने का निश्चय किया। यह यज्ञ वह सबसे शुभ समय पर करना चाहते थे। किन्तु उनकी पत्नी सरस्वती, जिनका यज्ञ के समय रहना अत्यावश्यक था, ने उन्हें इन्तजार करने को कहा। इससे झुंझलाकर ब्रह्मा जी ने गायत्री जो कि एक ग्वालिन थी, से विवाह कर उन्हें यज्ञ में बैठा दिया। सरस्वती जी ने जब अपने स्थान पर दूसरे को देखा तो वे क्रोध से भर गयी। उन्होंने ब्रह्मा जी को श्राप दे दिया कि पृथ्वी के लोग उन्हें भुला देंगे और कभी पूजा नहीं होगी। किन्तु अन्य देवताओं की प्रार्थना पर वो पिघल गयी और कहा कि ब्रह्मा जी केवल पुष्कर में पूजे जाएंगे। इसी कारण यहाँ के अलावा और कहीं भी ब्रह्माजी का मंदिर नहीं है।

पुष्कर का अर्थ

विद्वानों के अनुसार पुष्कर का अर्थ है ऐसा तालाब जिसका निर्माण फूल से हुआ। पद्म पुराण के अनुसार पुष्कर झील का निर्माण उस समय हुआ जब यज्ञ के स्थान को सुनिश्चित करते समय ब्रह्मा जी के हाथ से कमल का फूल पृथ्वी पर गिर पड़ा। इससे पानी की तीन बूदें पृथ्वी पर गिर गयी, जिसमें एक बूंद पुष्कर में गिर गयी। इसी बूंद से पुष्कर झील का निर्माण हुआ।

ब्रह्मा मंदिर

चमक दमक से युक्त पुष्कर कस्बा धार्मिक मिथों और विश्वासों से भरा है। यहाँ का सबसे बड़ा आकर्षण ब्रह्माजी का मंदिर है। मंदिर का निर्माण संगमरमर पत्थर से हुआ है तथा इसे चाँदी के सिक्कों से सजाया गया है। इन चाँदी के सिक्कों पर दानदाता के नाम भी खुदे हुए हैं। इसके अलावा मंदिर के दीवालों पर भी दानदाताओं के नाम लिखे हैं। यहाँ मंदिर के फर्श पर एक रजत कछुआ है। ज्ञान की देवी सरस्वती के वाहन मोर के चित्र भी मंदिर की शोभा बढ़ाते हैं। यहां गायत्री देवी की एक छोटी प्रतिमा और किनारे ब्रह्माजी की चार मुखों वाली मूर्ति को चौमूर्ति कहा जाता है। इस पवित्र मंदिर का प्रवेश द्वार संगमरमर का और दरवाजे चांदी के बने हैं। यहां भगवान शिव को समर्पित एक छोटी गुफा भी बनी है।

पुष्कर झील

पुष्कर झील अपनी पवित्रता और सुंदरता के लिए पूरे विश्व में जानी जाती है। ऐसा मान्यता है कि पुष्कर झील उतना ही पुराना है जितना कि सृष्टि और तीर्थयात्रा के रूप में यह अत्यंत प्राचीन काल से ही जाना जाता है। इस झील में नहाने के लिए के लिए 52 घाट बने हुए हैं जहां दिल में गहरी धार्मिक आस्था लिए श्रद्धालु डुबकी लगाते हैं। पुष्कर समय के झंझावातों में सदैव खड़ा रहा है। यह भगवान राम के समय से लेकर अब तक बदलते इतिहास का शांत गवाह है। इसका उल्लेख चौथी शताब्दी में आये चीनी यात्री फाह्यान ने भी किया है।

पुष्कर मेला

पुष्कर मेला, ऊंट मेला के लिए जाना जाता हैं। यह भारत के सबसे बड़े मेलों में से एक है और अपनी तरह का विश्व में अकेला है। मेले के दौरान भारत के ग्रामीण क्षेत्रों से लाखों लोग अपने ऊटों और अन्य पशुओं के साथ यहाँ कई दिनों तक रहकर तीर्थयात्राओं और धार्मिक उत्सवों में अपना व्यापार करते हैं। मेले के दौरान यह छोटा कस्बा अद्भुत सांस्कृतिक छटा बिखेरने लगता है। इस समय रंग-बिरंगे कपड़े पहने श्रद्धालु, जादूगर, कलाबाज, लोक नर्तक, व्यापारी, भांड, साधू, पर्यटक यहां पहुंचते हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार कार्तिक महीने के अष्टमी के दिन मेला शुरू होकर पूर्णिमा के दिन तक चलता है। मेले के पहले भाग में पशुओं के व्यापार पर जोर रहता है तो दूसरे भाग में धार्मिक गतिविधियों पर जोर रहता है। इस समय श्रद्धालु पवित्र झील के जल में डूबकी लगाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस जल में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मेले में ऊटों, पशुओं, महिलाओं के श्रृंगार के सभी सामान एक ही जगह पर बिकते हैं। हाथों से बने छोटे सामान यादगार के लिए खरीदना सबसे अच्छा होता है। ऊटों और घोड़ो की दौड़ को जनता खूब प्रोत्साहित करती है। ऊटों की दौड़ पशु प्रमियों में खूब लोकप्रिय है। प्रत्येक शाम को यहां अलग-अलग राजस्थानी लोक नृत्य और संगीत का आयोजन किया जाता है। जिसमें खूब भीड़ उमड़ती है। इस मेले का अपना जादू है जो यात्रायों के जीवन भर का अनुभव बन जाता है। मेले के दौरान शिल्पग्राम द्वारा कला और शिल्प की प्रदर्शनी लगायी जाती है।



उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे, विजय दिवस पर सहवाग-जाधव ने वीर जवानों को किया नमन

नई दिल्ली, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर पूरा देश 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दे रहा है। इस अवसर पर भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और केदार जाधव ने भी भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति को याद करते हुए भावुक संदेश साझा किए।





सहवाग बोले- सैनिकों का बलिदान कभी नहीं भुलाया जाएगा

वीरेंद्र सहवाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कारगिल युद्ध की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए लिखा कि भारतीय सैनिक 16 हजार फीट की ऊंचाई पर बर्फ से ढकी चोटियों पर दुश्मन का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर कदम देश की रक्षा के लिए उठाया गया था।

सहवाग ने अपने संदेश में लिखा, 'अगर दुनिया में निस्वार्थ लोगों को देखना हो तो एक सैनिक की जिंदगी देखिए। वह सिर्फ इतना चाहता है कि उसके पीछे का देश सुरक्षित रहे। 527 सैनिकों ने अपनी जान दी ताकि हम आज चैन की नींद सो सकें। 27 साल बीत चुके हैं, लेकिन हम उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे। उन सभी वीरों को सलाम। जय हिंद।'

केदार जाधव ने भी वीर जवानों को किया नमन

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर केदार जाधव ने भी कारगिल विजय दिवस पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि कारगिल के रणक्षेत्र में भारतीय जवानों ने वीरता, बलिदान और देशभक्ति की अमर गाथा लिखी। जाधव ने कहा कि आज देश का तिरंगा जिस गर्व के साथ लहरा रहा है, वह इन वीर सैनिकों के बलिदान का परिणाम है।

1999 में मिला था ऐतिहासिक विजय का गौरव

कारगिल युद्ध मई से जुलाई 1999 के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था। यह संघर्ष लद्दाख के कारगिल, द्रास, बटालिक, मुश्कोह और काक्सर जैसे दुर्गम पहाड़ी इलाकों में हुआ। बेहद कठिन मौसम, बर्फीली चोटियों और चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तानी घुसपैठियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

'ऑपरेशन विजय' के दौरान 527 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता और अनुशासन की मिसाल आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है। कारगिल विजय दिवस उन सभी अमर शहीदों के साहस और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

मुक्केबाजी में भारत का जलवा कायम

सचिन सिवाच ने कनाडा के अल-अहमदिएह को 4-1 से चटाई धूल



ग्लासगो। भारत के मुक्केबाज सचिन सिवाच ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पुरुषों की 60 किग्रा स्पर्धा के पहले दौर में कनाडा के केओमा अल-अहमदिएह को कड़े मुकाबले में 4-1 के विभाजित निर्णय (स्प्लिट डिसीजन) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अगला मुकाबला प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा

स्काटिश इवेंट कैंपस में शनिवार को खेले गए इस मुकाबले के बाद अब उनका सामना सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा। 26 वर्षीय पूर्व राष्ट्रमंडल युवा खेल चैंपियन सचिन ने तीनों राउंड में संयम बनाए रखा।मुकाबले की शुरुआत तेज गति से हुई, जहां दोनों मुक्केबाजों ने रिंग के बीचोंबीच जमकर पंचों का आदान-प्रदान किया। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में जीत दर्ज करने वाले सचिन दूसरे भारतीय मुक्केबाज बने हैं।उनसे पहले पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 32 में जादुमणि सिंह ने आसान जीत हासिल की थी। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 14 सदस्यीय टीम उतारी है, जिसमें सात पुरुष और सात महिला मुक्केबाज विभिन्न भार वर्गों में हिस्सा ले रहे हैं।

अनाहत सिंह ने 18 साल की उम्र में रचा इतिहास



नई दिल्ली। एक तरफ जहां पूरे देश की नजरें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय दल के प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं तो वहीं दूसरी तरफ जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में भारत की 18 साल की बेटी अनाहत सिंह ने इतिहास रचते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। अनाहत सिंह की फाइनल मुकाबले में भिड़ंत मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुकय्या सालेम से था जिसमें उन्होंने लगातार तीन सेट को अपने नाम करने के साथ खिताब जीतने में सफलता हासिल की। अनाहत सिंह जहां 21 साल में भारत की पहली खिलाड़ी हैं जो फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हो सकी थी तो वहीं खिताब जीतने वाली भी पहली खिलाड़ी बन गई हैं।साल 2028 में होने लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक गेम्स में स्क्वैश को भी शामिल किया गया है, जिसमें अनाहत सिंह की इस जीत से उनका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ गया होगा। जूनियर लेवल पर अपना कमाल दिखाने के बाद अब अनाहत से सभी को सीनियर स्तर पर भी उसी प्रदर्शन की उम्मीद है। अनाहत अभी सीनियर पीएसए टूर की विश्व रैंकिंग में टॉप-20 खिलाड़ियों में शामिल हैं।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना एशियाई चैंपियन महिला टीम ने रजत जीता, विश्व कप का टिकट कटाया



मस्कट, एजेंसी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं महिला टीम फाइनल में चीन से 2-4 से हार गई, लेकिन उपविजेता रहते हुए विश्व कप का टिकट हासिल करने में सफल रही। दोनों भारतीय टीमों ने पहले एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भारत का दबदबा

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी।भारत ने पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा और शाहरुख अली ने 13वें मिनट में तीसरा गोल कर मुकाबले को लगभग भारत की झोली में डाल दिया। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने अंत तक बढ़त कायम रखते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत एलीट पूल तालिका में भी शीर्ष स्थान पर पहुंच गया।महिला वर्ग के फाइनल में चीन ने तेज शुरुआत करते हुए पहले छह मिनट में तीन गोल कर भारत पर दबाव बना दिया। भारत की ओर से नौशीन नाज ने 13वें मिनट में पहला गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन चीन ने एक और गोल कर बढ़त 4-1 कर दी। मैच के अंतिम मिनट में पुष्पा मांझी ने गोल कर अंतर जरूर कम किया, लेकिन भारतीय टीम 2-4 से मुकाबला हार गई।

विश्व जूनियर स्क्वैश का खिताब जीतने वाली बनी पहली खिलाड़ी

मिस्र की खिलाड़ी को नहीं दिया वापसी का मौका

अनाहत सिंह ने कनाडा में हुए जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में मिस्र की रुकय्या सालेम को पहले सेट में जहां 11-3 के अंतर से मात दी तो वहीं उसके बाद दूसरे सेट को 11-7 के अंतर से जीतने में कामयाब रही। अब सभी की नजरें इस मुकाबले के तीसरे सेट पर टिकी हुई थी जिसको अनाहत सिंह 11-9 के अंतर से जीतने के साथ खिताब अपने नाम करने में कामयाब रही। अनाहत सिंह जहां साल 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी, जिसमें चिनप्पा ने इस टूर्नामेंट के फाइनल तक का सफर तक का किया था, लेकिन वह टाइटल जीतने से चूक गई थीं। वहीं अनाहत की इस ऐतिहासिक जीत पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी बधाई दी, जिसमें उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इतिहास रचा गया! अनाहत सिंह को विश्व स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई! यह अभूतपूर्व उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

भारत को दूसरा मेडल: वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर जीता



नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का दूसरा मेडल मिल गया है। ऋषिकांत सिंह ने गेम्स के चौथे दिन मेंस वेटलिफ्टिंग की 60 केजी कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने कुल 264 केजी वजन उठाकर दूसरा (स्नैच 121 केजी और क्लीन एंड जर्क 143 केजी)। इससे पहले मेंस पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज जीता था। भारत अब 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के साथ मेडल टेबल में 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 23 मेडल के साथ पहले नंबर पर है।दिनभर में कुल 14 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 9 स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, 3 वेटलिफ्टिंग और 2 आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स में होंगे।भारत को विमेंस पेयर्स लॉन बॉल्स में नामीबिया से टाई-ब्रेक में हार का सामना करना पड़ा। टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इंग्लैंड को हराना होगा। रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह की जोड़ी के लिए यह मुकाबला करो या मरो का होगा। इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में जगह बना लेगी और मेडल की उम्मीदें बरकरार रहेंगी।ऋषिकांत सिंह का वेटलिफ्टिंग मेंस 60 किग्रा का इवेंट जारी है। इसके बाद शाम 5:30 बजे मीराबाई चानू महिला 49 किग्रा फाइनल में गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगी।

यामागुची अकाने ने चेन युफेई को हराकर दूसरी बार जीता महिला एकल का खिताब

टोक्यो (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की यामागुची अकाने ने बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में मेजबान चीन की चेन युफेई को सीधे गेमों में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अकाने ने दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब जीता और टूर्नामेंट के इतिहास में महिला एकल का खिताब जीतने वाली इकलौती जापानी खिलाड़ी बनी रहीं।

सीधे गेमों में चेन युफेई को हराया

चांगझोउ में खेले गए फाइनल मुकाबले में विश्व नंबर-3 यामागुची अकाने ने टोक्यो ओलंपिक 2020 की स्वर्ण पदक विजेता और चीन की स्टार शटलर चेन युफेई को 21-18, 21-16 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

शुरुआत में लड़खड़ाईं, फिर की दमदार वापसी

लगातार छठे फाइनल में खेल रहीं दो बार की ओलंपियन यामागुची ने मुकाबले की शुरुआत धीमी की। हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल कर ली और पहले गेम में शानदार वापसी करते हुए 21 मिनट में बढ़त बना ली।



घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद नहीं टिक सकीं चेन

दूसरे गेम में घरेलू दर्शकों के जोरदार समर्थन के बीच चेन युफेई ने कड़ी चुनौती पेश की। लेकिन यामागुची ने धैर्य और अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और 44 मिनट में जीत दर्ज कर ली।

ट्रिनिडाड टेस्ट: पाक के खिलाफ वेस्टइंडीज की अच्छी शुरूआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए; कावेम हॉज 83 रन बनाकर नाबाद

ट्रिनिडाड (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ



14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी।

लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की।

कप्तान बाबर आजम ने आमेर जमाल को गेंद थमाई और उन्होंने अपने पहले ही ओवर में चंद्रपॉल को स्लिप में सलमान आगा के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद आमिर जांगू को मोहम्मद अब्बास ने डीआरएस की मदद से एलबीडब्ल्यू आउट किया। 106 रन तक वेस्टइंडीज के 3 विकेट गिर चुके थे।

तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद कावेम हॉज और शाई होप ने पारी संभाली। हॉज ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक अली उस्मान की गेंद पर कवर में चौका लगाकर पूरा किया।दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 88 रन जोड़ लिए हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने आखिरी सत्र में दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई और सफलता नहीं मिली।

दिन के आखिरी सत्र में रन गति धीमी रही। इस दौरान एक भी चौका नहीं लगा। हॉज और होप ने जोखिम लेने के बजाय क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया। शाम को खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने पहले दिन का खेल समय से पहले समाप्त कर दिया। दूसरे दिन का खेल तय समय पर शुरू होगा।



क्रिएटिव डिफरेंस के बाद आमिर ने छोड़ी अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान भारतपे के पूर्व को-फाउंडर और बिजनेसमैन अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक से बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से आमिर ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया है। पहले खबर थी कि आमिर इस फिल्म में अश्नीर ग्रोवर का किरदार निभाने वाले थे और उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थीं। आमिर के फिल्म छोड़ने के बावजूद मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर काम जारी रखेंगे। अब श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी अश्नीर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं।

आमिर खान को स्टार्टअप्स की दुनिया काफी पसंद है। वे अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक को लेकर काफी उत्सुक थे। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने खुद फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम किया था और इसे अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश की। हालांकि, स्क्रिप्ट और फिल्म के डायरेक्शन को लेकर डायरेक्टर राहुल मोदी और आमिर के विचार अलग थे। लगातार बातचीत के बाद भी जब सहमति नहीं बनी, तो आमिर ने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया।

फिल्म में एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन भी संभालेंगी श्रद्धा



इस बायोपिक में श्रद्धा कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगी। वे फिल्म में अश्नीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर का किरदार निभा सकती हैं। इसके साथ ही श्रद्धा कपूर एक बड़े स्टूडियो के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर यह फिल्म श्रद्धा के करियर का बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है।



‘इश्क़नामा’ के ‘नरक’ को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज़ से पहले शहनाज़ गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज़ दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक ‘नरक’ को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज़ में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्ज़न इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज़ किए गए ‘नरक’ ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नज़रिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज़ में गाया है, जिसमें नसीमा के जज़्बात साफ महसूस होते हैं।

अपने कवर वर्ज़न को लेकर शहनाज़ गिल ने कहा, ‘‘नरक’ ‘इश्क़नामा’ के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्ज़न रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज़ में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्ज़न से भी जुड़ेंगे।’

शहनाज़ पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब ‘नरक’ के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज़ से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज़ में महसूस करने का मौका देता है।

निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्क़नामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज़ गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है। ‘नरक’ के अपने कवर वर्ज़न के साथ शहनाज़ गिल ने फैंस को इश्क़नामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज़ को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी है

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज ‘मुसाफिर कैफे’ को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। खास बातचीत में महिमा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।’

महिमा ने कहा, ‘’मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।’’ काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ‘’अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।’’ उन्होंने कहा, ‘’किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।’’ वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही ‘मुसाफिर कैफे’ में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं।

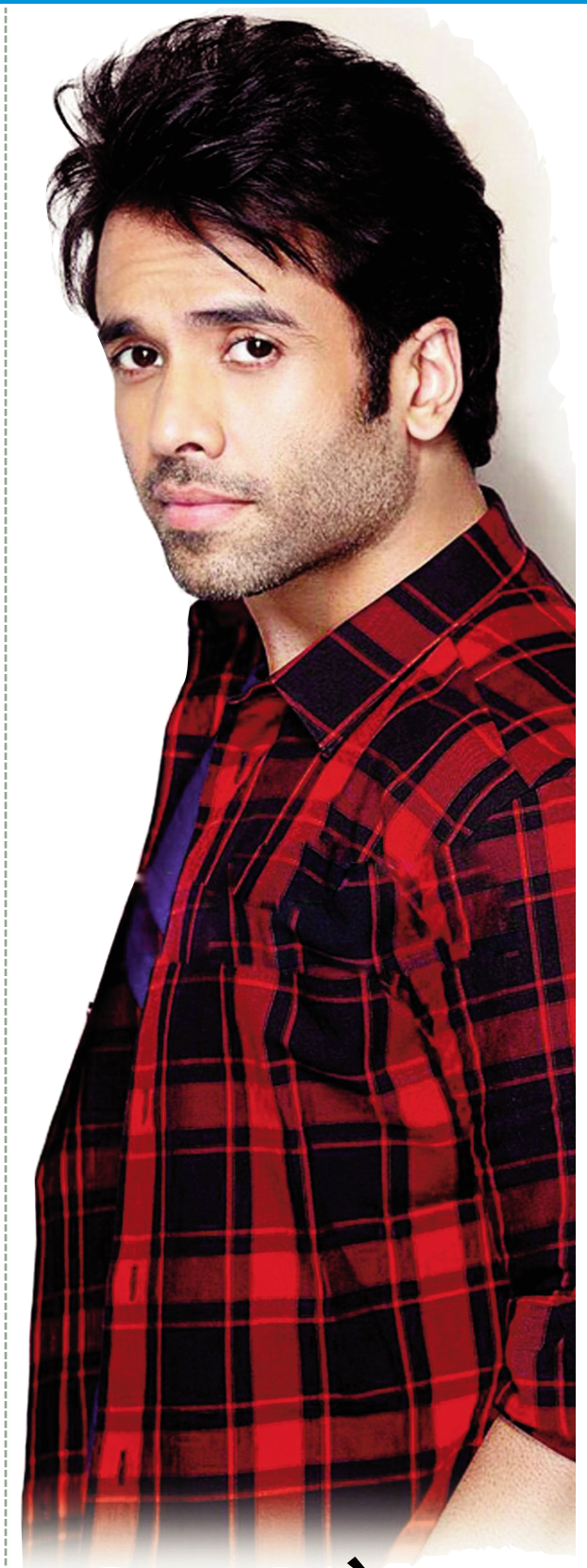


कॉमेडी-थ्रिलर ‘एमआरपी’ से किया डोनल बिष्ट ने तेलुगु सिनेमा में डेब्यू

टीवी अभिनेत्री डोनल बिष्ट कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म ‘एमआरपी’ से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। तेलुगु सिनेमा में अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि खुद को पहली



बार बड़े पर्दे पर देखना उनके लिए एक यादगार पल में से एक था। हैदराबाद में एमआरपी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने खुद को बड़े पर्दे पर देखने के इमोशनल पल को याद करते हुए कहा, ‘एक अलग माध्यम और भाषा में काम करना मेरे लिए बेहद शानदार था। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अपनी शानदार कहानियों और फिल्म निर्माताओं की वजह से दुनियाभर में अलग पहचान रखता है और ऐसी जगह से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।’ डोनल बिष्ट ने कहा कि हिंदीभाषी दर्शक भी तेलुगु फिल्मों को उतना ही प्यार देते हैं। मैं बहुत खुश हूं कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया।



तुषार कपूर ने प्रकाश झा की ‘जनादेश’ को बताया समाज का आईना

तुषार कपूर अपनी आने वाली नई फिल्म ‘जनादेश’ को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म की खास बात यह है कि तुषार पहली बार मशहूर निर्देशक प्रकाश झा के साथ काम कर रहे हैं। तुषार के करियर की यह पहली पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे होने पर तुषार कपूर ने अपनी नई फिल्म ‘जनादेश’ के बारे में खुलकर बात की। तुषार ने कहा, ‘फिल्म ‘जनादेश’ देश के राजनीतिक माहौल पर बनी एक गंभीर और गहरा असर छोड़ने वाली कहानी है।’ तुषार ने आगे कहा, ‘हालांकि, यह फिल्म आज के समाज का आईना है। प्रकाश झा जैसे बेहतरीन डायरेक्टर के साथ काम करना और ऐसा दिलचस्प किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया और अनोखा अनुभव है।’ फिल्म ‘जनादेश’ के निर्देशक प्रकाश झा हैं, जो इससे पहले ‘राजनीति’, ‘आरक्षण’, ‘सत्याग्रह’ जैसी बेहतरीन फिल्में और ‘आश्रम’ जैसी सुपरहिट वेब सीरीज बना चुके हैं। ‘जनादेश’ में तुषार कपूर के साथ इस फिल्म में शेखर सुमन, राहुल बोस, प्रगति श्रीवास्तव और इश्वक सिंह जैसे मंझे हुए कलाकार दिखाई देंगे।

‘गोलमाल 5’ में भी दिखेंगे तुषार

‘जनादेश’ के अलावा तुषार कपूर जल्द ही रोहित शेट्टी की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म ‘गोलमाल 5’ में भी नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग इसी साल मार्च में शुरू हो चुकी है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी, श्रेयस, कुणाल खेमू और शरमन जोशी जैसे कई बड़े सितारे एक साथ नजर आने वाले हैं।



ऑडियंस के सामने कॉन्टेंट की कमी नहीं है

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय से स्क्रीन पर देख रहे हैं। फिर चाहे वह रिएलिटी शो ‘अंताक्षरी’ में होस्ट रहे हों या ‘विकी डोनर’ और ‘ड्रीम गर्ल’ में उनके बेहतरीन कॉमेडी रोल, वह हर अंदाज में जंचते हैं। फिल्मी दुनिया में साढ़े चार दशक लंबा समय बिता चुके अन्नू कपूर कहते हैं कि मुझे इस दुनिया में जो मिला वह काफी है। मैं कहूंगा कि मेरे भाग्य में जितना था, उतना ही मिला। साल 2012 में आई ‘विकी डोनर’ में अपने अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले अन्नू मानते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर कमाई सीरियस फिल्में ज्यादा करती हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या हमेशा से कॉमेडी फिल्में दर्शकों की पसंदीदा रही हैं? तो उन्होंने कहा, ‘नहीं, ऐसी बात नहीं है। आप ताज्जुब करेंगे कि जिन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की है और जो कॉन्टेंट आधारित फिल्में रही हैं, उनमें से 80 फीसदी फिल्में ट्रैजिडी और सीरियस जॉनर की रही हैं। अगर आप ऑस्कर का इतिहास देखेंगे, तो सवा सौ सालों में सिर्फ दो कॉमेडी फिल्म को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। अगर ऐसा होता तो जिन डायरेक्टर्स ने सिर्फ कॉमेडी फिल्में बनाई हैं, उनका नाम भारत के बेस्ट डायरेक्टर्स में आता, लेकिन उनका नाम टॉप 50 में भी नहीं है।’

करीब पांच दशक पहले नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान अन्नू ने दिल्ली में भी काफी वक्त गुजारा। जब उनसे कुछ यादें साझा करने को कहा गया, तो उन्होंने वह मजेदार किस्सा साझा किया, जब वह एक बार में 23 रोटियां खा गए थे। बकौल अन्नू, ‘अभी जब मैं इंटरव्यू के लिए आ रहा था, तो रास्ते में रेफ्यूजी मार्केट से गुजरा। तब मुझे वो जवानी के दिन याद आ गए, जब मेरे सामने खाने के लाले होते थे। मुझे आज भी याद है वह मई-जून की चिलचिलाती गर्मी का दिन इसी रेफ्यूजी मार्केट में, जब दो-तीन दिन से पेट में कुछ ठीक से गया नहीं था। उस दौरान कहीं से काम के बदले 75 रुपए का चेक मिला। इतना भूखा था मैं कि मैं उस दिन 23 रोटियां खा गया था। उस दिन 23 रोटियां, दो टिक्की मक्खन की और एक रुपए का नत्थू स्वीट्स से छोले का कुल्हड़ और दाल फ्राई खा के मैं मस्त हाथी की तरह चलता हुआ पैदल अपने हॉस्टल पहुंचा, क्योंकि अब ऑटो का किराया नहीं बचा था। हॉस्टल जाकर मैं नहाया और सो गया। उस दिन मुझे जो नींद आई, तो फिर मैं सीधा रात को साढ़े नौ बजे उठा।’

अन्नू जल्द अपनी नई फिल्म ‘उत्तर दा पुत्तर’ में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका किरदार हमेशा भविष्य में होने वाली चीजों की चिंता करता है। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को उन्होंने क्या सोचकर हां किया, तो उन्होंने जवाब दिया, ‘इसका टॉपिक वाकई अच्छा है और अच्छे कॉन्टेंट के लिए मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री का कोई कोई भी एक्टर ना कहेगा, क्योंकि उनको भी पता चल गया है कि हमारी ऑडियंस के पास इतनी चॉइस आ चुकी हैं कि आप अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी। अब गली-गली के मोड़ पर इतने कॉन्टेंट क्रिएटर्स हो गए हैं। तो यह कॉम्पटीशन पूरे समाज के लिए बहुत अच्छा है। एक इसका पहलू यह भी है कि अब लोग अच्छा कॉन्टेंट लेकर आएंगे।’

मैंने गुरु नानक जी से सीखा है

जब हमने अन्नू से पूछा कि क्या कभी उन्हें भविष्य की चिंता नहीं हुई, तो उन्होंने बताया, ‘ मुझे भय जैसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि मैंने सद्गुरु श्री नानक देव जी से एक सीख ली है। मैं आपको एक कहानी सुनाता हूं। जब बाबा नानक 12 साल के थे तो घर से गायब हो गए थे। पूरे गांव में हल्ला मच गया कि बालक नानक कहां चले गए। जब उनके लिए तलाश शुरू हुई, तो वह एक श्मशान में मिले। जब गांव वालों ने पूछा कि आप मरघट यानी मरने के घर में क्यों बैठे हैं? तो उन्होंने कहा कि यह कोई मरने का घर नहीं हो सकता, क्योंकि यहां आकर कोई मरता नहीं है। यहां तो लोग मरकर आते हैं। और जिस घर को, जिस जगह को तुम घर की निशानी बोल रहे हो, वहां पर लोग मरते हैं। मरघट तो असलियत में वह है। यहां तो लोग चार लोगों के कंधे का सहारा लेकर आते हैं। तो मुझे ऐसा लगा कि मैं चार लोगो का सहारा लेकर क्यों आऊं। इतना कमजोर क्यों बनूं? तो मैं पहले यहां आकर बैठ गया। इससे पता चलता है कि उन्होंने मृत्यु को वैसे ही स्वीकार किया जैसे जीवन को। इसलिए मुझे भी कोई डर की बात नहीं है।’

संक्षिप्त समाचार

यौन उत्पीड़न में आईसीसी के मुख्य अभियोजक पद से हटाए गए

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के सदस्य देशों ने शुक्रवार को मुख्य अभियोजक करीम खान को पद से हटाने के लिए मतदान किया। आईसीसी के 125 सदस्य देशों ने महिला सहायक से यौन उत्पीड़न के दोषी करीम खान को हटाया। यह पहला मौका है, जब किसी मुख्य अभियोजक को निकाला गया है। 56 वर्षीय खान ने आरोप का लगातार खंडन किया है। अदालत की निगरानी संस्था ने अपनी रिपोर्ट में खान को गंभीर दुराचार का दोषी पाया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका आईसीसी को खत्म करने के लिए अभियान चला रहा है।

रंगभेद विरोधी योद्धा शांति नायडू का 91 वर्ष की आयु में दक्षिण अफ्रीका में निधन

केप टाउन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की स्वतंत्रता सेनानी और रंगभेद विरोधी कार्यकर्ता शांति नायडू का शुक्रवार को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह महात्मा गांधी के सहयोगी थम्बी नायडू की पोती थीं। 6 मार्च 1935 को प्रिटोरिया में जन्मीं शांति नायडू ने ट्रांसवाल इंडियन यूथ कांग्रेस और एएनसी के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। रंगभेद के दौर में उन्होंने 371 दिनों की एकांत कैद और प्रताड़ना सही, लेकिन विनी मडिकीजेला-मंडेला समेत अपने साथियों के खिलाफ गवाही देने से इन्कार कर दिया। उनका परिवार दक्षिण अफ्रीका में भारतीय समुदाय और स्वतंत्रता संग्राम का प्रमुख केंद्र रहा था।

वेस्ट बैंक में भीषण गोलीबारी, चार फलस्तीनियों और एक इस्राइली की मौत, कई घायल

नाबलुस , एजेंसी। उत्तरी वेस्ट बैंक में नाबलुस शहर के पास हुई गोलीबारी में चार फलस्तीनियों और एक इस्राइली नागरिक की मौत हो गई। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, चारों फलस्तीनियों को इस्राइली बलों ने मार गिराया। वहीं कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन फलस्तीनियों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस्राइली सेना के मुताबिक, हवात गिलाद बस्ती के पास घूम रहे नागरिकों पर हुए हमले की सूचना के बाद सैनिकों ने यह कार्रवाई की। घटना के बाद इस्राइली सेना ने नाबलुस और आसपास के क्षेत्रों की घेराबंदी कर दी है तथा दो घायल इस्राइलियों को एयरलिफ्ट किया गया है।

सिएटल में 11 लोगों को ले जा रहा सीप्लेन दुर्घटनाग्रस्त, सभी सुरक्षित बचाए गए

सिएटल , एजेंसी। अमेरिका में सिएटल के उत्तर में स्थित सुशिया द्वीप के पास 11 लोगों को ले जा रहा एक सीप्लेन दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की चपेट में आ गया। विमान में एक पायलट और 10 यात्री सवार थे। तत्काल चलाए गए बचाव अभियान में सभी को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। यह डी हैविलैंड डीएचसी-3 ओटर विमान सिएटल के लेक यूनियन से सैन जुआन द्वीप जा रहा था। विमान चट्टानी तट से टकराकर आंशिक रूप से पानी में डूब गया। केनमोर एयर के सीईओ डेविड गजेल ने हादसे पर दुख जताते हुए शुक्रवार की सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एफएए ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कैलिफोर्निया का दिवाली अवकाश कानून विवाद में

सैक्रामेंटो , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में दिवाली को आधिकारिक राज्य अवकाश घोषित करने वाला कानून कानूनी चुनौती का सामना कर रहा है। कैलिफोर्निया की सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश स्टीफन अक्विस्टो ने कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित एबी 268 कानून संघीय और राज्य संविधान के कई प्रावधानों का उल्लंघन करता है, क्योंकि इसमें दिवाली को उसके धार्मिक महत्व के आधार पर विशेष दर्जा दिया गया है और इसके पीछे पर्याप्त धर्मनिरपेक्ष आधार नहीं बताया गया। यह फैसला सैन फ्रांसिस्को टैक्सपेयर्स एसोसिएशन की याचिका पर सुनाया गया। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका फैसला केवल एबी 268 की संवैधानिक वैधता तक सीमित है और भविष्य में संवैधानिक आधारों पर दिवाली को राज्य अवकाश घोषित करने का रास्ता बंद नहीं करता।

कनाडा में पंजाब की छात्रा की गला घोंटकर हत्या, लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

एडमंटन , एजेंसी। कनाडा के एडमंटन शहर में पंजाब की 23 साल की छात्रा दमनप्रीत कौर की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में उनके 22 साल के भारतीय लिव-इन पार्टनर रितिश कुमार को गिरफ्तार किया है। दमनप्रीत पंजाब के लुधियाना जिले के समराला की रहने वाली थीं। वह स्टूडेंट वीजा पर करीब 5 साल पहले कनाडा गई थीं। एडमंटन पुलिस के मुताबिक, 9 जुलाई को उन्हें एक घर में गंभीर हालत में पाया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान 12 जुलाई को उनकी मौत हो गई।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने दिया इस्तीफा, शेख हसीना के पूर्व सहयोगी थे

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अपने कार्यकाल के खत्म होने से दो साल पहले ही शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया. शहाबुद्दीन अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पूर्व सहयोगी थे. 'द डेली स्टार' अखबार के मुताबिक, 76 वर्षीय नेता ने अपने इस्तीफे की वजह के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कहा, ''मैं स्वास्थ्य संबंधी कई दिक्कतों से जूझ रहा हूं.'' वहीं राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' के एक प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि शहाबुद्दीन के प्रतिनिधि उनका त्यागपत्र लेकर संसद के लिए निकल चुके हैं. त्यागपत्र संसद के अध्यक्ष हफीजुद्दीन अहमद को सौंपा दिया जाएगा, जो बांग्लादेश के संविधान के मुताबिक नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर काम संभालेंगे. साथ ही प्रवक्ता ने कहा, ''जब तक संसद के अध्यक्ष को त्यागपत्र नहीं मिल जाता, मैं इस्तीफे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं कर सकता. वर्ष 1971 के मुक्ति संग्राम में भूमिका निभाने के अलावा और निचली अदालत के न्यायाधीश रहे शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में पांच साल के कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी. उनको देश की पिछली संसद ने सर्वोच्च पद के लिए चुना था और वह एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे, जो जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद भी अपने संवैधानिक पद पर बने हुए थे. हालांकि इन विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी. वहीं हसीना भारत चली गई थीं और पांच अगस्त 2024 से वहीं रह रही हैं.

कौन बनेगा बांग्लादेश के अगला राष्ट्रपति : मोहम्मद शहाबुद्दीन के इस्तीफे के बाद अटकलें हैं कि कैबिनेट सचिव नसीमुल गनी बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं. उनका नाम शीर्ष संभावित उत्तराधिकारी के रूप में सामने आ रहा है. हाल में ही ब्रिटेन में रहने वाले बांग्लादेशी पत्रकार जुल्करनैन साएर ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन इस्तीफा दे सकते हैं और सरकार मौजूदा कैबिनेट सचिव नसीमुल गनी को उत्तराधिकारी नामित कर सकती है.

हसीना के देश छोड़ने के बाद भी पद नहीं छोड़ा था : मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति पद संभाला था। जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के बाद अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। उस आंदोलन के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद शहाबुद्दीन ही अवामी लीग सरकार के दौर के एकमात्र संवैधानिक पदाधिकारी थे, जो 2 साल बाद भी पद पर बने हुए थे।

लंदन दौरे पर शेख हसीना से बातचीत का आरोप : वह 9 मई को इलाज के लिए लंदन गए थे और 18 मई को ढाका लौटे थे। बांग्लादेशी समाचार पत्रों की रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ने



भारत में रह रहीं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर बातचीत की थी। जैसे ही इस बातचीत की भनक बीएनपी के शीर्ष नेतृत्व को लगी, उन्होंने इसे बहुत गंभीरता से लिया। इसके बाद राष्ट्रपति तक यह मैसेज पहुंचाया कि शेख हसीना से संपर्क साधना या बातचीत करना मौजूदा राजनीतिक माहौल में स्वीकार्य नहीं है और उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अखबार प्रोथोम आलो ने भी सरकार के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि सरकार इस बात से नाराज है कि राष्ट्रपति ने हाल ही में शेख हसीना से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की थी।

'शेख हसीना के ऐलान की वजह से कुर्सी गई' : शहाबुद्दीन का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कुछ दिन पहले रॉयटर्स से कहा था कि वह भारत में निर्वासन खत्म कर बांग्लादेश लौटेंगी और अदालत में चल रही कानूनी कार्रवाई का सामना करेंगी। शेख हसीना के इस ऐलान के बाद सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेताओं ने राष्ट्रपति शहाबुद्दीन पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ा दिया। द डेली स्टार ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के एक सीनियर नेता के हवाले से बताया कि शेख हसीना के ऐलान के बाद देश का राजनीतिक माहौल और ज्यादा संवेदनशील हो गया। अगर शेख हसीना की वापसी के दौरान राष्ट्रपति अपने पद पर बने रहते तो वे उनके फायदे के लिए कदम उठा सकते थे और किसी फैसले को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते थे। अगर कोई संवैधानिक विवाद पैदा होता, तो वह उसे संभालने में भूमिका निभा सकते थे। यही वजह रही कि उन पर इस्तीफे का दबाव ज्यादा बढ़ गया।

अब स्पीकर राष्ट्रपति की जिम्मेदारी निभाएंगे : बांग्लादेश के संविधान के अनुच्छेद 54 के मुताबिक, नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक संसद के स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद कार्यवाहक राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके बाद संसद को 90 दिनों के भीतर नया राष्ट्रपति चुनना होगा, जो मौजूदा कार्यकाल का बाकी समय पूरा करेगा।

मोहम्मद शहाबुद्दीन का कार्यकाल अप्रैल 2028 तक चलना था। स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद 19 जुलाई को इलाज के लिए थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक गए थे। उनकी वापसी रविवार को तय थी, लेकिन उन्होंने अपना दौरा बीच में ही खत्म कर दो दिन पहले ढाका लौटने का फैसला किया। ढाका हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा था कि विदेश में होने के कारण उन्हें राष्ट्रपति के इस्तीफे के फैसले की जानकारी नहीं थी।

आसिम मुनीर ने चुन लिया अपना उत्तराधिकारी! बनाया पाकिस्तान का पहला फोर-स्टार जनरल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल आमेर रजा को प्रमोट कर फोर-स्टार जनरल बनाने का ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्हें देश का पहला कमांडर, नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड नियुक्त किया गया है। यह पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था में नया और बेहद अहम पद माना जा रहा है। इस नियुक्ति के बाद आमेर रजा को सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के बाद सबसे प्रभावशाली सैन्य अधिकारियों में गिना जा रहा है।



प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि आमेर रजा को फोर-स्टार जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया है। वह पहले से नेशनल कमांड अथॉरिटी के तहत नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब उन्हें आधिकारिक रूप से इस नए सैन्य कमांड का पहला प्रमुख बनाया गया है। उन्हें पहले हिलाल-ए-इम्तियाज (सैन्य) और सितारा-ए-बसालात जैसे सम्मान भी मिल चुके हैं। रजा को फोर-स्टार जनरल बनाए जाने के बाद सोशल मीडिया में दावा किया जा रहा है कि वो आगे चलकर आसिम मुनीर की जगह लेंगे।

सेना में काम करने का लंबा अनुभव : आमेर रजा का सैन्य करियर तीन दशक से ज्यादा लंबा रहा है। वह 1988 में {th लांसर्स रेजिमेंट में कमीशन हुए थे। इसके बाद उन्होंने 41वें चीफ ऑफ जनरल स्टाफ,4 कोर के कमांडर और हैवी इंडस्ट्रीज टैक्सिला के चेयरमैन जैसे महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। उन्होंने दक्षिण वजीरिस्तान में इन्फैंट्री ब्रिगेड, एक आर्मर्ड ब्रिगेड और इन्फैंट्री डिवीजन की भी कमान संभाली है। आमेर रजा ने कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, क्वेटा और नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, इस्लामाबाद से सैन्य शिक्षा प्राप्त की है। उनके पास यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम से इंटरनेशनल रिलेशंस की डिग्री भी है। इसके अलावा उन्होंने डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज और आर्ट्स एंड साइंस ऑफ वॉरफेयर में मास्टर डिग्री हासिल की है। उनके अनुभव और शैक्षणिक पृष्ठभूमि को इस नियुक्ति की बड़ी वजह माना जा रहा है।

नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड में कर चुके हैं काम : हालिया संवैधानिक संशोधनों के बाद चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद समाप्त कर नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड बनाया गया है। यह कमांड नेशनल कमांड अथॉरिटी के अधीन काम करेगी और पाकिस्तान की रणनीतिक संपत्तियों तथा परमाणु हथियारों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेगी। नेशनल कमांड अथॉरिटी की स्थापना 2 फरवरी 2000 को हुई थी, जबकि यह नया सैन्य पद 2025-26 के रक्षा सुधारों के तहत बनाया गया है।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला, टैंक जिले में 12 सैनिकों समेत 15 की मौत, 12 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवादियों ने एक बहुत ही बड़ा और खौफनाक आत्मघाती हमला किया है। आतंकियों ने विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी को सीधे एक सुरक्षा चौकी से ले जाकर टकरा दिया। इस भयानक हमले में 12 सैनिकों समेत कुल 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। यह हमला टैंक जिले में हुआ है जो लंबे समय से इस्लामी आतंकवादियों का एक बहुत बड़ा गढ़ रहा है। पाकिस्तानी सेना के अनुसार यह हमला गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात अफगानिस्तान की सीमा के पास हुआ। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी 12 आतंकवादियों को मौके पर ही ढेर कर दिया है। जब आतंकवादी चौकी की सुरक्षा को भेदने में नाकाम रहे तो उन्होंने विस्फोटक भरी गाड़ी दीवार से टकरा दी। इस भीषण हमले के बाद पूरे इलाके में भारी दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। स्थानीय आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस बड़े आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने एक बयान जारी करके यह दावा किया है कि इस हमले में उनके 4 आत्मघाती हमलावर शामिल थे। टीटीपी लंबे समय से पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ अपनी हिंसक लड़ाई लड़ रहा है और लगातार हमले कर रहा है। उनका मुख्य उद्देश्य सरकार को उखाड़ फेंकना और देश में अपना इस्लामी कानून लागू करना है। पाकिस्तान सरकार लंबे समय से आरोप लगाती आ रही है कि आतंकी अफगानिस्तान में मौजूद सुरक्षित ठिकानों का इस्तेमाल करते हैं। उनका कहना है कि आतंकी वहां ट्रेनिंग लेते हैं और पाकिस्तान में बड़े हमलों की योजना आसानी से बनाते हैं। दूसरी तरफ अफगानिस्तान की सरकार इन सभी आरोपों से हमेशा पूरी तरह से इनकार करती रही है। अफगानिस्तान का स्पष्ट कहना है कि आतंकवाद पूरी तरह से पाकिस्तान की अपनी घरेलू और आंतरिक समस्या है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान साल 2007 से ही पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ बहुत ही भारी विद्रोह कर रहा है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में हाल के कुछ महीनों में इन आतंकी गतिविधियों के मामले काफी ज्यादा बढ़े हैं। सेना और पुलिस इस संयुक्त चौकी पर मिलकर काम कर रहे थे।

सऊदी प्रिंस की लंदन में ड्रग्स-शराब के ओवरडोज से हुई थी मौत! ब्रिटिश कोर्ट का बड़ा फैसला

लंदन, एजेंसी। लंदन में 29 वर्षीय सऊदी प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद बिन अब्दुल्ला बिन अब्दुलअजीज बिन जलावी अल सऊद की हुई मौत के रहस्यों पर से पूरी तरह पर्दा उठ गया है. ब्रिटिश अदालत की कानूनी सुनवाई में यह साफ हो गया है कि प्रिंस की जान किसी आपराधिक साजिश या आत्महत्या की वजह से नहीं, बल्कि विभिन्न नशीले पदार्थों और अत्यधिक शराब के एक साथ सेवन के कारण हुए घातक हादसे में गई थी.

होटल के बाथरूम में मिला था शव : यह पूरी घटना 25 नवंबर 2025 की है. प्रिंस अब्दुल्ला वेस्ट लंदन के केंसिंग्टन इलाके में स्थित प्रसिद्ध मैरियट होटल के एक महंगे सुइट में ठहरे हुए थे. सफाई कर्मचारी जब अंदर दाखिल हुआ तो वहां का नजारा बेहद चौंकाने वाला था. प्रिंस अपने बंद बाथरूम के फर्श पर अचेत अवस्था में पड़े हुए थे. होटल



प्रबंधन ने तत्काल सुरक्षाकर्मियों और पैरामेडिक्स को मौके पर बुलाया. डॉक्टरों ने उन्हें होश में लाने के कई प्रयास किए, लेकिन तब तक उनका निधन हो चुका था.

रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य : इनर वेस्ट लंदन कोरोनर कोर्ट में पेश की गई मेडिकल और टॉक्सिकोलॉजी (विष विज्ञान) रिपोर्ट के मुताबिक, प्रिंस की मौत का मुख्य कारण गंभीर रूप से 'कार्डियक अरेस्ट' था, जो शरीर के भीतर पहुंचे खतरनाक रसायनों के मिश्रण की वजह से हुआ. प्रिंस के खून में अल्कोहल की मात्रा बहुत अधिक पाई गई, जो ब्रिटेन में कानूनी रूप से निर्धारित ड्राइविंग सीमा से कई गुना अधिक थी. उनके शरीर से कुछ प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के अंश बरामद हुए. प्रिंस कुछ तनाव और अवसाद रोधी दवाओं का भी सेवन कर रहे थे, जिनका स्तर शरीर में खतरनाक पाया गया।

रिहैब सेंटर में चला था इलाज : अदालत को दी गई जानकारी के अनुसार, सऊदी शाही परिवार के सदस्य प्रिंस अब्दुल्ला लंबे समय से शराब और दवाओं की लत से जूझ रहे थे. अपनी मौत से करीब तीन महीने पहले, उन्होंने लंदन के 'प्रायरी क्लिनिक' और मर्सिसाइड स्थित 'रेनफोर्ड हॉल' नामक निजी नशामुक्ति केंद्रों में समय बिताया था. जहां उनका डिटॉक्सीफिकेशन इलाज भी हुआ था। 19 नवंबर को वे अस्पताल से छुट्टी पाकर एक सप्ताह के लिए इस होटल में रहने आए थे. घटना की पूर्व संध्या पर उन्हें सीसीटीवी में अकेले बाहर सिगरेट पीते हुए देखा गया था और कमरे में उनके अलावा किसी दूसरे व्यक्ति की मौजूदगी के सबूत नहीं मिले।

अदालत का अंतिम निष्कर्ष : असिस्टेंट कोरोनर जीन हार्किन ने मामले की गहराई से समीक्षा करने के बाद इस मौत को 'मिसएडवेंचर' (दुर्घटनावश हुई मौत) के रूप में दर्ज किया है. अदालत ने पूरी तरह स्पष्ट किया कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला और न ही प्रिंस ने किसी से अपनी जान लेने की बात कही थी, जिससे आत्महत्या की संभावना खारिज होती है।

नेपाली प्रधानमंत्री की तानाशाही! बालेन शाह सरकार पर सुप्रीम कोर्ट के 3 जजों को धमकाने का आरोप

काठमांडू, एजेंसी। बालेन शाह ने जब से नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली है, उनके फैसलों को लेकर कई बार विवाद हो चुका है। इसी बीच नेपाली प्रधानमंत्री एक बार फिर विवादों में फंसते नजर आ रहे हैं। उन पर न्यायपालिका में राजनीतिक दखल बढ़ाने के आरोप लगे हैं। इसके चलते बालेन शाह की न सिर्फ नेपाल में बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ जूरिस्ट्स ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि नेपाल सरकार के हालिया फैसले अदालतों की स्वतंत्रता को कमजोर कर सकते हैं। संगठनों का कहना है कि यदि न्यायपालिका पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ा तो कानून का शासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

कॉन्स्टिट्यूशनल काउंसिल एक्ट संशोधन पर आपत्ति : मानवाधिकार संगठनों ने सरकार द्वारा कार्यकारी आदेश (ऑर्डिनेंस) के जरिए 'कॉन्स्टिट्यूशनल काउंसिल एक्ट' में किए गए संशोधन पर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इतने महत्वपूर्ण कानून में संसद के बजाय ऑर्डिनेंस से बदलाव करना संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। इससे मुख्य न्यायाधीश सहित कई अहम संवैधानिक पदों पर नियुक्तियों की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं। द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, संशोधन के बाद संवैधानिक परिषद के कोरम और वोटिंग से जुड़े नियम बदल दिए गए हैं। यही परिषद मुख्य न्यायाधीश और अन्य संवैधानिक अधिकारियों की नियुक्ति की सिफारिश करती है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि परिषद में पहले से ही सरकार का बहुमत है, इसलिए नए नियम न्यायिक नियुक्तियों पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ा सकते हैं।

मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति पर विवाद : संगठनों ने मनोज कुमार शर्मा को मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नेपाल में लंबे समय से सबसे वरिष्ठ कार्यरत न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश बनाने की परंपरा रही है। लेकिन इस बार उस परंपरा का पालन नहीं किया गया। साथ ही, उनके नामांकन के खिलाफ दर्ज शिकायतों की सार्वजनिक और निष्पक्ष जांच भी नहीं कराई गई। जबकि मनोज कुमार से सीनियर जज पहले से मौजूद हैं।

नेपाल के संविधान के अनुसार, किसी जज के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होते ही वह स्वतः निलंबित हो जाता है, जब तक संसद अंतिम फैसला नहीं ले लेती। मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होती है, तो अदालत के कामकाज पर गंभीर असर पड़ सकता है। खासकर तब, जब सुप्रीम कोर्ट सरकार के फैसलों और संवैधानिक मामलों से जुड़ी महत्वपूर्ण याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है।

स्पेसएक्स ने स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की, पहली बार छोड़े इतने स्टारलिंक उपग्रह

केप कैनावेरल , एजेंसी। अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने शुक्रवार को दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की। इस मिशन में पहली बार कंपनी ने अपने सबसे उन्नत 20 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रह अंतरिक्ष में तैनात किए। यह मिशन नासा के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि भविष्य में इसी स्टारशिप का इस्तेमाल आर्टेमिस-III मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने के लिए किया जाना है। 407 फीट (124 मीटर) ऊंचे स्टारशिप ने टेक्सास के दक्षिणी छोर पर स्थित स्पेसएक्स के स्टारबेस लॉन्च साइट से उड़ान भरी। पिछले सप्ताह इंजन में आई तकनीकी समस्या के कारण लॉन्च अंतिम क्षणों में रोकना पड़ा था। इस बार उड़ान की शुरुआत सफल रही और सभी इंजन सही तरीके से चालू हुए। हालांकि, रॉकेट के पहले चरण (बूस्टर) की वापसी के दौरान सभी इंजन दोबारा चालू नहीं हो सके। इसके कारण बूस्टर नियंत्रित तरीके से लौटने के बजाय तेज गति से नीचे आया और मैक्सिको की खाड़ी में गिर गया। इसके बावजूद मिशन का मुख्य हिस्सा पूरी तरह सफल रहा।

भारतीय महासागर में सुरक्षित उतरा स्टारशिप : बूस्टर से अलग होने के बाद स्टारशिप अंतरिक्ष की ओर बढ़ता रहा और लगभग 200 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक-एक करके 20 उन्नत स्टारलिंक उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ा। करीब एक घंटे की उड़ान के बाद स्टारशिप ने भारतीय महासागर में स्प्लैशडाउन किया। यह इतनी सफल रही कि यान कुछ समय तक पानी की सतह पर तैरता भी रहा। स्पेसएक्स के कर्मचारियों ने इस सफलता पर खुशी जताई। नए लॉन्च किए गए स्टारलिंक उपग्रहों ने अंतरिक्ष में पहले से मौजूद स्टारलिंक उपग्रहों से लेजर तकनीक के जरिए सफल संपर्क स्थापित किया। फिलहाल स्पेसएक्स के 10,000 से अधिक स्टारलिंक उपग्रह दुनिया भर में इंटरनेट सेवा दे रहे हैं, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा उपग्रह नेटवर्क बन गया है। इस मिशन में छह नए स्टारलिंक उपग्रहों पर कैमरे लगाए गए थे, जिन्होंने उड़ान के अंत में स्टारशिप की हीट शील्ड की तस्वीरें भेजीं। वैज्ञानिकों ने हीट शील्ड पर सेंसर भी लगाए थे, ताकि पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश के दौरान उस पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव और तापमान का अध्ययन किया जा सके। कुछ टाइलों को जानबूझकर सफेद रंग से रंगा गया था, ताकि यह जांचा जा सके कि कुछ टाइलें खराब होने की स्थिति में भी हीट शील्ड कितनी सुरक्षित रहती है। स्पेसएक्स की इंजीनियर केट टाइस ने इसे 'लकी फ्लाइट 13' बताते हुए कहा कि कंपनी इस मिशन के नतीजों से बेहद उत्साहित है। नासा चाहता है कि स्टारशिप जल्द पूरी तरह परीक्षण पूरा कर कक्षा में नियमित उड़ान भरने के लिए तैयार हो जाए। इसके बाद आर्टेमिस-III मिशन के तहत तीन अमेरिकी और एक इतालवी अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की यात्रा से पहले अपने कैप्सूल को स्टारशिप से डॉकिंग का अभ्यास करेंगे।

अमेरिका चीन के साथ एआई साइंस की दौड़ में आगे बढ़ रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने इस सप्ताह अमेरिका के वैज्ञानिक रिसर्च सिस्टम में बड़े बदलाव का बचाव किया। प्रशासन का तर्क है कि आने वाले दशकों में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में चीन से आगे रहने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग अहम होंगे। इस रणनीति का भारत जैसे अहम सहयोगियों पर भी असर पड़ेगा। साइंस, स्पेस और टेक्नोलॉजी पर बनी हाउस कमेटी के सामने पेश होते हुए व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी (ओएसटीपी) के डायरेक्टर माइकल क्रैट्सियोस ने 'साइंस का नया सुनहरा दौर' की रूपरेखा पेश की। वहीं, फंडिंग, रिसर्च की प्राथमिकताओं और अमेरिकी साइंस की भविष्य की दिशा को लेकर कानून बनाने वाले नेता पार्टी के आधार पर बंटे हुए दिखे। क्रैट्सियोस ने कानून बनाने वालों से कहा, 'तेजी से बदलती दुनिया में हमारी आर्थिक लीडरशिप और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हमारे दबदबे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अमेरिका अब अकेला औद्योगिक और वैज्ञानिक सुपरपावर नहीं रहा। अमेरिकी साइंस के सुनहरे दौर की शुरुआत करने के लिए नए फोकस और सुधारों की जरूरत है।'

क्रैटसियोस ने कहा कि उनके ऑफिस की एक रिपोर्ट में फेडरल रिसर्च को अधिक लचीला बनाने, अलग-अलग वैज्ञानिकों की मदद करने, वैज्ञानिक खोज और मैन्युफैक्चरिंग के बीच संबंध मजबूत करने और भविष्य की रिसर्च में एआई को केंद्र में रखने के लिए सुधारों का प्रस्ताव दिया गया है। इसका एक मुख्य हिस्सा प्रशासन का 'जेनेसिस मिशन' है, जिसे क्रैटसियोस ने 'विज्ञान के लिए अमेरिकी एआई का सबसे अहम हिस्सा' बताया। उन्होंने कहा कि 15 से अधिक फेडरल एजेंसियों ने एआई-आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए 5



अरब डॉलर से ज्यादा की राशि देने का वादा किया है। इन एजेंसियों में ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग, नासा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैंडर्ड्स एंड टेक्नोलॉजी और अन्य शामिल हैं। रिपब्लिकन सांसदों ने बार-बार इस पहल को चीन के मुकाबले अमेरिका की तकनीकी बढ़त बनाए रखने के लिए जरूरी बताया। समिति के चेयरमैन ब्रायन बैबिन ने चेतावनी दी कि 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना लिया है और उसी के अनुसार खर्च कर रही है।' उन्होंने यह भी कहा कि बीजिंग अत्याधुनिक रिसर्च हासिल करने के लिए अमेरिकी विश्वविद्यालयों और प्रयोगशालाओं को लगातार निशाना बना रहा है। क्रैटसियोस ने कहा कि वॉशिंगटन को 'इस बात पर अपनी स्पष्ट राय बनानी चाहिए कि अमेरिका के लिए सबसे जरूरी प्राथमिकताएं क्या हैं'। उन्होंने एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, फ्यूजन एनर्जी और स्पेस टेक्नोलॉजी को ऐसे रणनीतिक सेक्टर बताया जिनमें अमेरिका को अपनी लीडरशिप बनाए रखनी चाहिए। हालांकि, डेमोक्रेट्स ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह उसी साइंटिफिक इकोसिस्टम को कमजोर कर रहा है जिसे वह मजबूत करने का दावा करता है। रैंकिंग मेंबर जो लोफ़ग्रेन ने तर्क दिया कि ग्रेजुएट एडमिशन में कमी, रिसर्च फंडिंग को लेकर अनिश्चितता और ग्रांट पॉलिसी में प्रस्तावित बदलाव अमेरिकी रिसर्च बेस को कमजोर कर रहे हैं, जबकि चीन साइंस में निवेश बढ़ा रहा है और अमेरिका से रिसर्चर्स को भर